ಶುಭ್ ಲಾಭ್
खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
DAILY
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

साल की पहली बारिश ने शहर के बुनियादी ढांचे को पंगु बना दिया @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । सोमवार, 24 मार्च, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-7 । अंक-81

नोटों का अंबार एक जज का था या उसमें थे कई और जज हिस्सेदार?

सुप्रीम कोर्ट ने क्यों रोकी थी जज वर्मा के खिलाफ सीबीआई जांच?

शुभ-लाभ प्रश्न

दिल्ली हाईकोर्ट के जज यशवंत वर्मा के सरकारी आवास परिसर के आउटहाउस में हुए अग्निकांड के बाद मिला जले हुए नोटों का अंबार कई गंभीर सवाल खड़े कर रहा है। लेकिन इस मामले से ध्यान हटाने की कोशिशें चल रही हैं। इसमें खुद दिल्ली हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट शामिल है। सवाल है कि जज यशवंत वर्मा के आवास के आउटहाउस में मिले नोटों का अंबार केवल एक जज का था या उसमें कई और जज हिस्सेदार थे? जज यशवंत वर्मा के खिलाफ चल रही सीबीआई की जांच सुप्रीम कोर्ट ने क्यों रोक दी थी? यशवंत वर्मा का कांग्रेस पार्टी और विदेशी फंडिंग एजेंसियों से क्या रिश्ता था? आखिर क्यों जज यशवंत वर्मा कांग्रेस पार्टी और कुछ विदेशी फंडिंग एजेंसियों पर बार-बार मेहरबान होते थे और उन्हें बचाते थे?

दिल्ली हाईकोर्ट के जज यशवंत वर्मा के घर से नोटों की बरामदगी के बाद सुप्रीम कोर्ट ने फौरन अपना पल्ला झाड़ते हुए जज का इलाहाबाद हाईकोर्ट ट्रांसफर कर दिया। जबकि सुप्रीम कोर्ट ही यशवंत वर्मा को संरक्षण दे रही थी। यशवंत वर्मा के खिलाफ सीबीआई जांच के इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले को खारिज करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने यशवंत वर्मा को संरक्षण दिया था। यशवंत वर्मा कई घोटालेबाज कंपनियों के डायरेक्टर थे। जज यशवंत वर्मा के आवास में नोटों से भरे बोरों में आग लगने का वीडियो भी सुप्रीम कोर्ट ने अपनी वेबसाइट पर अपलोड कर दिया। जबकि ऐसे मामलों में सुप्रीम कोर्ट सबसे पहले उसके सार्वजनिकीकरण पर पाबंदी लगाती है। स्पष्ट है कि इस मामले में सुप्रीम कोर्ट खुद को पाक-साफ दिखाने की कुछ अधिक ही कोशिश कर रही है।

कांग्रेस पार्टी और विदेशी फंडिंग एजेंसियों से क्या था जज का रिश्ता?

सुप्रीम कोर्ट के इशारे पर दिल्ली हाईकोर्ट भी कूद पड़ा और हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस देवेंद्र कुमार उपाध्याय ने अपनी जांच में इस मामले की और गहन जांच की सिफारिश कर दी। इस सिफारिश के बाद भारत के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना ने तीन सदस्यीय जांच कमेटी गठित कर दी है। जज यशवंत वर्मा का नाम केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की एफआईआर और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ईसीआईआर में भी आ चुका है। जिस समय उनका नाम इन केंद्रीय एजेंसियों की फाइलों में आरोपी के बतौर दर्ज था, उससे लगभग चार साल पहले यानी 2014 में वर्मा इलाहाबाद हाईकोर्ट में जज बन गए थे। ▶10 पर

यशवंत वर्मा ने कहा, उनके खिलाफ साजिश

जस्टिस यशवंत वर्मा ने बरामद नोटों से अपनी संलग्नता के आरोपों से इन्कार किया है। उन्होंने कहा कि जिस कमरे में आग लगी थी, वह उनके आधिकारिक आवास का कमरा नहीं है। यह स्टोर रूम है जो मुख्य आवास से अलग है। उन्होंने स्टोर रूम में किसी भी तरह की और कभी भी नकदी रखे जाने की बात से भी साफ इन्कार किया। हालांकि दिल्ली हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश डीके उपाध्याय ने भी अपनी रिपोर्ट में कहा है कि नोटों वाला कमरा जस्टिस वर्मा के आधिकारिक आवास से संलग्न नहीं है और वहां केवल कर्मचारी या सीपीडब्लूडी के कर्मचारी वगैरह जाया आया करते थे। जस्टिस वर्मा का कहना है कि जब आधी रात के आसपास आग लगी तो उनकी बेटी और निजी सचिव ने अग्निशमन सेवा को सूचित किया। जिनकी कॉल विधिवत दर्ज है। आग बुझाने के दौरान सुरक्षा चिंताओं के कारण सभी कर्मचारियों ▶10 पर

बांग्लादेश सरकार ने विदेश मंत्रालय को भेजा प्रस्ताव

प्रधानमंत्री मोदी से मिलने को आतुर यूनुस

नई दिल्ली, 23 मार्च (एजेंसियां)।

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के अंतरिम मुखिया मुहम्मद यूनुस भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात करने के लिए आतुर हैं। यूनुस के अफसरों ने पहले तो दिल्ली में अलग से मुलाकात करने का प्रस्ताव देकर समय मांगा था, लेकिन भारत सरकार ने इस पर कोई ध्यान नहीं दिया। अब बिम्सटेक शिखर सम्मेलन के बीच में ही मुहम्मद यूनुस प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात करना चाह रहे हैं। भारतीय विदेश मंत्रालय ने इस प्रस्ताव पर कहा कि इस पर भारत सरकार विचार कर रही है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शनिवार को संसदीय परामर्शदात्री समिति की बैठक में यह जानकारी दी।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे हमलों को

बिम्सटेक समिट के दौरान मुलाकात का आग्रह

लेकर जताई गई सांसदों की जिज्ञासा पर विदेश मंत्री जयशंकर ने सदस्यों को बताया कि ढाका की अंतरिम सरकार ने कहा है कि हिंदुओं पर हमले राजनीतिक उद्देश्य से प्रेरित थे, न कि अल्पसंख्यकों को निशाना बनाकर किए गए। जयशंकर ने बांग्लादेश, मालदीव, म्यांमार और श्रीलंका के साथ संबंधों पर भी अपडेट दिया, जबकि पाकिस्तान और चीन पर चर्चा अगली बैठक के लिए टाल दी। विदेश मंत्री ने कहा कि पाकिस्तान के रुख के कारण सार्क निष्क्रिय है, इसलिए भारत बिम्सटेक को मजबूत करने पर काम कर रहा है। उन्होंने संकेत दिया कि पीएम मोदी 2 से 4 अप्रैल को थाईलैंड में होने वाले बिम्सटेक शिखर सम्मेलन में शामिल हो सकते हैं। साथ ही, अगले महीने पीएम मोदी श्रीलंका दौरे पर भी जाएंगे। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के विदेश मामलों के सलाहकार मोहम्मद तौहीद हुसैन ने बताया कि बांग्लादेश ने भारत के साथ एक द्विपक्षीय बैठक आयोजित करने के लिए कूटनीतिक पहल की है। ▶10 पर

आंतरिक सुरक्षा से अब कोई समझौता स्वीकार नहीं

नेपाल से जुड़ी सीमा पर हो रही पुख्ता बाड़बंदी

देहरादून, 23 मार्च (एजेंसियां)।

भारत सरकार अपने पड़ोसी देशों की तरह नेपाल सीमा पर भी तारबाड़ सड़क सुरक्षा योजना पर काम शुरू कर चुकी है। भारत का गृह मंत्रालय देश की आंतरिक सुरक्षा से अब कोई समझौता नहीं करना चाहता। भारत ने पड़ोसी देश पाकिस्तान के बाद बांग्लादेश, म्यांमार, भूटान सीमाओं को तारबाड़ की दोहरी लाइन से सील करने का काम तेज किया है।इन पड़ोसी देशों की तरह अब उत्तराखंड से बंगाल तक नेपाल की 1751 किमी सीमा को भी सुरक्षित करने की योजना पर काम तेज किया जा रहा है। यूपी, बिहार उत्तराखंड में अवांछित लोगों की घुसपैठ रोकने के लिए संवेदनशील स्थानों पर सड़क बनाने और

भारत सरकार की सड़क-तारबाड़ योजना शुरू

उसके साथ-साथ तारबाड़ लगाने की योजना है। सड़क तारबाड़ योजना पर काम नो मेंस लैंड के बराबर में भारतीय सीमा पर किया जा रहा है। दो लेयर में लगाई जाने वाली इस तारबाड़ के बीच वाहनों, नागरिकों के गुजरने के लिए 7 मीटर चौड़ी सड़क बनाई जा रही है।

भारत नेपाल सीमा पर 635 किमी सड़क यूपी में, 564 किमी सड़क बिहार में और 173 किमी सड़क उत्तराखंड में बनाई जानी है। इस सड़क योजना की समीक्षा, पिछले दिनों लखनऊ में केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन ने की थी।

इसमें यूपी, बिहार और उत्तराखंड के उच्च अधिकारी मौजूद रहे थे। भारत और नेपाल के बीच खुली सीमा है, इसी तरह नेपाल और चीन के बीच भी खुली सीमा है। नेपाल और भारत के बीच खुली सीमा का ब्रिटिशकाल से समझौता चला आ रहा है। दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक संबंध और रोटी-बेटी का रिश्ता है। भारत सरकार ने नेपाल सीमा को आंतरिक ▶10 पर

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू की अहम घोषणा

सभी राज्यों में बनेगा भगवान वेंकटेश्वर मंदिर

तिरुपति, 23 मार्च (एजेंसियां)।

तिरुपति में स्टार होटल बनाने का पूर्व फैसला रद्द

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने देश के सभी राज्यों की राजधानी में भगवान वेंकटेश्वर के मंदिर बनाने की योजना का ऐलान किया। इसके लिए सभी प्रदेशों के मुख्यमंत्रियों को आंध्र सरकार के मुख्यमंत्री की तरफ से चिट्ठी लिखी जा रही है। मुख्यमंत्री ने तिरुपति मंदिर नगरी में स्टार खोलने के लिए पूर्ववर्ती जगन रेड्डी सरकार द्वारा 35 एकड़ जमीन दिए जाने के फैसले को रद्द कर दिया है। सीएम नायडू ने कहा कि भगवान वेंकटेश्वर मंदिर और उसके आसपास के क्षेत्र की पवित्रता हर हाल में बहाल रखी जाएगी। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने एक बार फिर से दोहराया कि तिरुमाला के भगवान श्री वेंकटेश्वर मंदिर में सिर्फ हिंदुओं ही काम करेंगे। जो कर्मचारी दूसरे धर्मों में आस्था रखते हैं, उन्हें सम्मान के साथ दूसरी जगह ट्रांसफर किया जाएगा। मंदिर दर्शन के दौरान आंध्र के मुख्यमंत्री ने यह बात कही। कुछ महीने पहले तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) बोर्ड ने 18 कर्मचारियों को गैर-हिंदू धार्मिक गतिविधियों में हिस्सा लेने के कारण ट्रांसफर कर दिया था। नायडू ने कहा, अगर ईसाई या मुस्लिम भाई-बहन हिंदू जगहों पर काम नहीं करना चाहते, ▶10 पर

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने बेबाकी से कहा

जनता नहीं, नेता जातिवादी होते हैं

अमरावती, 23 मार्च (एजेंसियां)।

जो करे जाति की बात, उसे कस के मारें लात

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने बेबाकी से कहा कि आम जनता जातिवादी नहीं होती, बल्कि नेता अपने स्वार्थ के लिए जातिवाद का विष बोते हैं। गडकरी ने कहा कि जातिगत भेदभाव खत्म होना चाहिए और इसकी प्रक्रिया खुद से शुरू करनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि पिछड़ापन राजनीतिक हित साधने का हथियार बनता जा रहा है। इस बात की होड़ लगी रहती है कि कौन ज्यादा पिछड़ा है। नितिन गडकरी ने पहले भी कहा था, मैं जाति के आधार पर भेदभाव नहीं करता हूं। चाहे मुझे वोट मिले या न मिले। लोग जाति के आधार पर मुझसे मिलने आते हैं। मैंने उन सबसे 50,000 लोगों के बीच कह दिया कि जो करेगा जाति की बात, उसके मैं कस के मारूंगा लात। मैं धर्म और जाति की बातें सार्वजनिक रूप से नहीं करता। चाहे चुनाव हार जाऊं या मंत्री पद चला जाए, मैं अपने इस सिद्धांत पर अटल रहूंगा। केंद्रीय मंत्री ने नागपुर में सेंट्रल इंडिया ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के दीक्षांत समारोह में शिरकत की थी। उन्होंने कहा था कि किसी व्यक्ति का मूल्य जाति, धर्म, भाषा या लिंग के बजाय उसके गुणों से निर्धारित होना चाहिए। किसी व्यक्ति को उसकी जाति, संप्रदाय, धर्म, भाषा या लिंग से नहीं, बल्कि उसके गुणों से जाना जाता है। ▶10 पर

भारत के घरेलू उद्योगों को बचाने की पहल

चीन के चार उत्पादों पर एंटी डंपिंग ड्यूटी लागू

नई दिल्ली, 23 मार्च (एजेंसियां)।

चीन के सस्ते सामान की आमद पर लगेगी रोक

भारत ने चार चीनी उत्पादों पर एंटी डंपिंग ड्यूटी लगाने का फैसला किया है। जिन उत्पादों पर एंटी डंपिंग ड्यूटी लगाई गई है, उनमें एल्युमिनियम फॉइल, वैक्यूम फ्लास्क, सॉफ्ट फेराइट कोर्स और ट्राइक्लोरो आइसोसिनोरिक एसिड शामिल हैं। घरेलू उत्पादकों की मदद और भारतीय बाजार में चीन के सस्ता सामान खपाने पर रोक लगाने के लिए यह फैसला लिया गया है।सेंट्रल बोर्ड ऑफ इनडायरेक्ट टैक्सेस एंड कस्टम्स, राजस्व विभाग ने एक नोटिफिकेशन जारी कर चीन के उत्पादों पर एंटी डंपिंग ड्यूटी लगाने की जानकारी दी। नोटिफिकेशन में कहा गया है कि वैक्यूम फ्लास्क, सॉफ्ट फेराइट कोर्स और ट्राइक्लोरो आइसोसिनोरिक एसिड के आयात पर एंटी डंपिंग ड्यूटी पांच साल के लिए लागू रहेगी। वहीं एल्युमीनियम फॉइल पर फिलहाल छह महीने के लिए एंटी डंपिंग ड्यूटी लगाई गई है। फॉइल पर प्रति टन 873 अमेरिकी डॉलर की एंटी डंपिंग ड्यूटी लगाई गई है।

ट्राइक्लोरो आइसोसिनोरिक एसिड पर प्रति टन 276 डॉलर से लेकर 986 डॉलर के बीच में शुल्क लगाया गया है। इसका इस्तेमाल वाटर ट्रीटमेंट में होता है। सॉफ्ट फेराइट कोर्स पर 35 फीसदी शुल्क लगाया गया है। ▶10 पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 90,430/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 99,820/- (प्रति किलोग्राम)

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 34^0

न्यूनतम : 23^0

सुप्रीम कोर्ट के जजों ने मणिपुर के अशांत इलाकों का दौरा किया

जजों ने कहा, संविधान से ही मिलेगा समाधान

इंफाल, 23 मार्च (एजेंसियां)।

सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश एन कोटिश्वर सिंह ने मणिपुर की स्थितियों पर बेहतर नियंत्रण की उम्मीद जताई है। उन्होंने संविधान का हवाला देते हुए कहा कि अगर लोग संविधान का पालन करें, तो मुश्किल समय में भी समाधान मिल सकता है। उन्होंने कहा कि मणिपुर एक छोटा राज्य है और यहां चुनौतियां हैं, लेकिन संविधान हमें मुश्किल वक्त में दिशा दिखाता है।

सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों के एक प्रतिनिधिमंडल ने शनिवार को मणिपुर के चुराचांदपुर और विष्णुपुर जिलों का दौरा किया। वहां उन्होंने लोगों में आशा और सकारात्मकता देखी। न्यायाधीशों के प्रतिनिधिमंडल ने आंतरिक रूप से विस्थापित लोगों से बातचीत की और चुराचांदपुर जिले के लामका में वर्चुअली एक कानूनी सेवा शिविर, चिकित्सा शिविर और कानूनी सहायता क्लिनिक का उद्घाटन भी किया। न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह ने कहा कि चुनौतियों का सामना हम संविधान का पालन करके कर सकते हैं। चुराचांदपुर की परंपराएं समृद्ध हैं और वहां का समुदाय जीवंत है। इसके

मणिपुर शांति बहाली के लिए केंद्र प्रतिबद्ध: मेघवाल

साथ ही न्यायमूर्ति सिंह ने लोगों से आह्वान किया कि वे देश को मजबूत बनाने के लिए काम करें और इसे कमजोर करने के लिए कुछ न करें। उन्होंने वकीलों से भी कहा कि वे अपनी मेहनत और ईमानदारी से काम करें, क्योंकि मणिपुर जैसे दूर-दराज के राज्य में काम करते हुए भी उनकी मेहनत को पहचान मिलती है। मणिपुर उच्च न्यायालय की स्थापना की 12वीं वर्षगांठ पर आयोजित समारोह में सुप्रीम कोर्ट के कई न्यायाधीश शरीक हुए।

न्यायमूर्ति बीआर गवई के नेतृत्व में सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों का एक प्रतिनिधिमंडल मणिपुर के दो दिवसीय दौरे पर है। शनिवार को उन्होंने राहत शिविरों का दौरा किया और आंतरिक रूप से विस्थापित लोगों से बातचीत की। न्यायमूर्ति बीआर गवई ने लोगों से मणिपुर में शांति वापस लाने के लिए मिलकर काम करने का आग्रह किया और उम्मीद जताई कि पूर्वोत्तर राज्य में चल रहा कठिन दौर कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका की सहायता से जल्द ही खत्म हो जाएगा।

मणिपुर हाईकोर्ट के स्थापना दिवस समारोह में शामिल हुए केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लागू होने के बाद, संसद के दोनों सदनों में इस मामले पर चर्चा की गई और शांति बहाल करने की जरूरत पर जोर दिया गया। मेघवाल ने कहा कि मणिपुर में शांति बहाल करने की प्रक्रिया में प्रगति हुई है ▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

केंद्रीय टीम 7 अप्रैल को प्रस्तावित स्थलों का करेगी निरीक्षण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कर्नाटक सरकार ने शनिवार को कहा कि भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) की एक बहु-विषयक टीम राजधानी शहर में दूसरे अंतरराष्ट्रीय 'ग्रीनफील्ड' हवाई अड्डे के लिए प्रस्तावित स्थलों की व्यवहार्यता अध्ययन के लिए 7-9 अप्रैल को राज्य का दौरा करेगी। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, बड़े, मध्यम उद्योग और बुनियादी ढांचा विकास मंत्री एम. बी. पाटिल ने कहा कि कर्नाटक राज्य औद्योगिक और बुनियादी ढांचा विकास निगम (केएसआईआईडीसी) ने अध्ययन के लिए एएआई को पहले ही 1.21 करोड़ रुपये का शुल्क दे दिया है। उन्होंने बताया कि दूसरे अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के लिए कनकपुरा रोड पर दो और बेंगलूरु के बाहरी इलाके में नेलमंगला-कुनिगल रोड

पर एक स्थान की पहचान की गई है। मंत्री पाटिल ने कहा हमने 5 मार्च को एयरपोर्ट अथॉरिटी को एक पत्र लिखा था, जिसमें उनसे प्रस्तावित हवाई अड्डे के लिए अंतिम रूप से पहचाने गए स्थलों का निरीक्षण करने का अनुरोध किया गया था। उनके निर्देशानुसार, टीम दौरा करेगी। हमने पहले ही इन स्थलों के राजस्व मानचित्र, 10 वर्षों की मौसम रिपोर्ट, स्थलों की भौगोलिक विशेषताओं की विस्तृत तस्वीरें, सर्वे ऑफ इंडिया के नक्शे और प्रस्तावित हवाई अड्डे (वीएफआर/आईएफआर) के परिचालन विवरण जैसे दस्तावेज तैयार कर लिए हैं। वर्तमान में, बेंगलूरु में मौजूदा हवाई अड्डे पर भारी दबाव है। दूसरी ओर, 2033 तक 150 किलोमीटर के दायरे में कोई दूसरा हवाई अड्डा नहीं होने की शर्त जल्द ही समाप्त हो जाएगी।

इसे ध्यान में रखते हुए, दूसरे हवाई अड्डे पर काम तेजी से किया जा रहा है और अगर सब कुछ योजना के अनुसार हुआ, तो यह 2033 तक उपयोग के लिए तैयार हो सकता है। कुछ लोग बेंगलूरु के पड़ोसी जिले तुमकुरु के सिरा कस्बे के पास प्रस्तावित हवाई अड्डे के निर्माण पर जोर दे रहे हैं, लेकिन यह संभव नहीं है। अगर सिरा में हवाई अड्डा बनाया जाता है, तो यह शिवमोग्गा और विजयपुरा में जिला स्तरीय हवाई अड्डों की तरह ही होगा। बेंगलूरु के लोगों की सेवा के लिए, हवाई अड्डे को शहर के पास स्थित होना चाहिए। तभी निवेशक हवाई अड्डे के निर्माण में रुचि लेंगे। इसके बिना, परियोजना संभव नहीं होगी। कोप्पल में, बलदोटा समूह एक बड़े पैमाने पर इस्पात विनिर्माण संयंत्र स्थापित करने के लिए 54,000 करोड़ रुपये का निवेश करने की योजना बना रहा है, जिससे प्रदूषण होने की आशंका है। इस विकास के खिलाफ गविमठ के प्रमुख स्वामीजी के नेतृत्व में विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदूषण के मुद्दे पर भारतीय विज्ञान संस्थान जैसे संगठन द्वारा एक स्वतंत्र अध्ययन किया जा रहा है और रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। एक मंत्री के रूप में, मैं औद्योगिक विकास की आवश्यकता और जनता की चिंताओं दोनों को समझता हूं। मंत्री पाटिल ने स्पष्ट किया इस मामले में कोई राजनीतिक एजेंडा नहीं है।

जन्म कल्याणक महोत्सव के लिए विधायक को किया आमंत्रित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
जैन युवा संगठन के एक प्रतिनिधिमंडल ने चिकपेट क्षेत्र के विधायक उदय गरुड़ाचार से मुलाकात कर श्रमण भगवान महावीर स्वामी के 2624वें जन्म कल्याणक महोत्सव के लिए उन्हें आमंत्रित किया।

समस्त जैन समाज के सहयोग से जैन युवा संगठन पिछले 36 वर्षों से इस कार्यक्रम का आयोजन करते आ रहा है। इस वर्ष श्रमण भगवान महावीर स्वामी का जन्म कल्याणक महोत्सव 10 अप्रैल 2025 को फ्रीडम पार्क में आयोजित होगा। संगठन के अध्यक्ष जैन महावीर मुणोत के नेतृत्व में संगठन के प्रतिनिधिमंडल ने जन्मकल्याणक महोत्सव के लिए अतिथि के रूप में चिकपेट क्षेत्र विधायक उदय गरुड़ाचार को आमंत्रित किया।

उदय गरुड़ाचार ने आमंत्रण स्वीकार करते हुए जैन समाज एवं संगठन द्वारा किए जा रहे मानव कल्याण कार्यों की सराहना के साथ ही जैन युवा संगठन के सहयोग के लिए हमेशा तत्पर रहने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर संगठन के अध्यक्ष जैन महावीर मुणोत के नेतृत्व में उपाध्यक्ष मुकेश सुराणा, अतिथि आमंत्रण समिति चेयरमैन मोती गोटावत, मोनिश मुथा उपस्थित रहे।

अध्यक्ष पद पर बने रहने का कोई मतलब नहीं : बसवराज होराट्टी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
विधान परिषद अध्यक्ष बसवराज होराट्टी ने कहा कि सदन में जो कुछ हुआ उससे मेरा दिल दुखा है। इसलिए इस पद पर बने रहने का कोई मतलब नहीं है। मुझे लग रहा है कि मैं इस पद पर क्यों रहूं? मैं अपने मित्रों से इस बारे में चर्चा करूंगा और अगला निर्णय लूंगा। रविवार को शहर में अपने आवास पर पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि सदन में हाल ही में हुई घटनाओं से उनका दिल दुखा है। उन्होंने कहा कि सदन में कोई किसी का सम्मान नहीं करता। उन्होंने कहा उच्च सदन विचारकों का आश्रय स्थल है। यह देश के लिए आदर्श है। ऐसे उच्च सदन का अध्यक्ष होना सम्मान की बात है। मुझे लगता है कि अगर सदन नियमों के अनुसार नहीं चलता है तो उस पद पर रहने का क्या फायदा है। उन्होंने कहा इसलिए मैं इस बारे में सोच रहा हूं। मुझे नहीं पता कि निर्णय क्या होगा। मुझे नहीं पता कि मैं इस पद के योग्य हूं या नहीं, यह मेरी गलती है या किसी और की। मैं इसके लिए किसी को दोष नहीं देता। उन्होंने कहा निलंबन अच्छी परंपरा नहीं है। आप कुछ दिनों के लिए निलंबित कर सकते हैं, लेकिन छह महीने के लिए निलंबित करना सही नहीं है। उनके लिए अध्यक्ष और सभापति की कुर्सी पर चढ़ना भी सही नहीं है। मैंने सी.टी. रवि और लक्ष्मी हेब्बालकर के मामलों में अपने अनुभव के आधार पर अपना निर्णय लिया है।

विधायक अगर माफी मांगें तो निलंबन अवधि कम कर दी जाएगी: स्पीकर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
विधानसभा अध्यक्ष यू टी खादर ने कहा कि अगर निलंबित किए गए 18 भाजपा विधायक अपनी गलती स्वीकार करते हैं और अनुरोध प्रस्तुत करते हैं, तो उनके छह महीने के निलंबन की अवधि कम की जा सकती है। यहां एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए स्पीकर ने कहा उन्होंने कागज फाड़े और कुर्सी का अनादर करते हुए मुझ पर फेंके। वे स्पीकर के पोडियम पर चढ़ गए और कार्यवाही में बाधा डाली। स्पीकर की कुर्सी के प्रति उनकी अनुशासनहीनता और अनादर के कारण, विधायकों को विधानसभा से निलंबित कर दिया गया है। यह कार्रवाई कर्नाटक विधानसभा की प्रक्रियाओं और आचरण दिशानिर्देशों के नियम 348 के अनुसार की गई है। निलंबन गुस्से या प्रतिशोध से नहीं लगाया गया

था। अगर 18 विधायक अनुरोध प्रस्तुत करते हैं, तो मैं अगली कार्रवाई पर विचार करूंगा। इस फैसले में कोई बाहरी दबाव नहीं था। उन्होंने आगे कहा निर्वाचित प्रतिनिधियों को जनता चुनती है और उन्हें उसी के अनुसार व्यवहार करना चाहिए। यह दूसरी बार है जब भाजपा विधायकों ने इस तरह का व्यवहार किया है। उन्होंने विधानसभा में हनी ट्रैप मामले पर चर्चा के दौरान स्पीकर के आदेशों की अनदेखी की और अपने अनियंत्रित और अपमानजनक व्यवहार से कार्यवाही को बाधित किया, जिसके कारण उन्हें छह महीने के लिए निलंबित कर दिया गया। यह भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए एक चेतावनी है। उन्हें कम से कम अपनी गलती का एहसास तो होना चाहिए। क्या उन्हें अपने कार्यों के लिए थोड़ी सी भी जवाबदेही का एहसास नहीं होना चाहिए?

सत्र फिर से शुरू होने के बाद भी, उन्होंने वही व्यवहार जारी रखा। अगर विधायक विधानसभा में इस तरह का व्यवहार करते हैं, तो जिला स्तरीय बैठकों में क्या होगा?

विधायकों को कानूनी कार्रवाई करने का अधिकार है, लेकिन उन्हें यह समझना चाहिए कि अगर ऐसा व्यवहार जारी रहा, तो निलंबन अवधि एक साल तक बढ़ाई जा सकती है। जब वरिष्ठ भाजपा विधायक बसनगौड़ा पाटिल यतनाल अचानक हनी ट्रैप मुद्दे पर बोलना चाहते थे, तो मैंने उन्हें इसकी अनुमति दी। मंत्री ने जवाब दिया और गृह मंत्री और मुख्यमंत्री दोनों ने शिकायत मिलने पर जांच का आश्वासन दिया। इसके बावजूद, उन्होंने सत्र को बाधित किया। यह कैसे उचित है?

फूलों की होली नामक एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
बीजेएस महिला चैप्टर बेंगलूरु ने शनिवार को वर्ल्ड वॉटर डे के अवसर पर अंजुली - फूलों की होली नामक एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया, जो बेंगलूरु कैफे में हुआ। इस कार्यक्रम में 70 महिलाएँ उपस्थित थीं।

मुख्य अतिथि विजय राज सिसोदिया ने पानी बचाने और उसे पुनर्स्थापित करने के उपायों पर प्रकाश डाला।

उन्होंने सभी उपस्थित महिलाओं को पानी बचाने का संकल्प दिलवाया। डिवीजन हेड संगीता रूनवाल, प्रोजेक्ट डायरेक्टर और जॉइंट सचिव संगीता मलानी, प्रोजेक्ट डायरेक्टर ज्योति सोलंकी, चीफ सेक्रेटरी एंकर बिंदु मेहता और प्रेसिडेंट नेहा चौधरी ने इस कार्यक्रम की योजना बनाई और उसे सफलतापूर्वक लागू किया। समिति सदस्य आशा सालेचा, निशा तुकलिया, दीपमाला जैन, रेखा मुणोत, विभा जैन, आरती जैन, मितु जैन और नीता सालेचा उपस्थित थीं। एंकर डिम्पल जैन ने अपनी आवाज से जादू कर दिया। कार्यक्रम में खेल और संगीत का आनंद लिया गया और सभी महिलाओं ने फूलों से होली खेली, क्योंकि संदेश साफ था - पानी बचाना है, रंगों का उपयोग नहीं। कार्यक्रम खुशहाल चेहरों और स्वादिष्ट लंच के साथ समाप्त हुआ।

केएसआरटीसी की इलेक्ट्रिक बसों का तटीय क्षेत्र में जून से परिचालन होगा शुरू

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
केएसआरटीसी की पर्यावरण अनुकूल इलेक्ट्रिक (ईवी) बसें, जो पिछले जून में तट पर परिचालन शुरू करने वाली थीं, अब आगामी जून से सड़कों पर आने की संभावना है। यदि तय कार्यक्रम का पालन किया जाता है, तो केएसआरटीसी की पहल पर्यावरण दिवस पर तट के लिए एक उपहार के रूप में काम करेगी। चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने की प्रक्रिया वर्तमान में निविदा चरण में है। इसके अतिरिक्त, केंद्रीय कार्यालय ने इन बसों के लिए मार्गों की सूची मांगी है। यदि सब कुछ योजना के अनुसार हुआ, तो केएसआरटीसी की ईवी बसें तीन महीने के भीतर दक्षिण कन्नड़ और उडुपी में परिचालन शुरू कर देंगी। केएसआरटीसी ने सकल लागत अनुबंध (जीसीसी) मॉडल के तहत राज्य भर में लगभग 300 इलेक्ट्रिक बसें शुरू करने के लिए एक निविदा जारी की है। बसों को

विभिन्न केएसआरटीसी डिवीजनों को आवंटित किया गया है, जिसमें मेंगलूरु को 45 इलेक्ट्रिक बसें और पुत्तुर को 40 प्राप्त होने वाली हैं। जबकि मेंगलूरु में इलेक्ट्रिक बसों के आने की पुष्टि हो गई है, पुत्तुर डिवीजन की स्थिति को अंतिम रूप दिया जाना बाकी है। तटीय क्षेत्र में ईवी बसों के संचालन का समर्थन करने के लिए तीन चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने के लिए एक पुनः निविदा जारी की गई थी। इन स्टेशनों को कुंतिकाना में केएसआरटीसी डिपो, मेंगलूरु बस स्टैंड और उडुपी बस स्टैंड पर स्थापित किए जाने की उम्मीद है। इससे पहले, मेंगलूरु (स्टेट बैंक)-धर्मस्थल मार्ग पर बसों के बार-बार खराब होने के कारण केएसआरटीसी ने खराब बसों को और अधिक इलेक्ट्रिक बसों से बदलने के लिए प्रेरित किया था। अब, इस मार्ग पर मेंगलूरु और पुत्तूर डिवीजनों से अधिकांश इलेक्ट्रिक बसों को तैनात करने की योजना है। मेंगलूरु डिवीजन भी मेंगलूरु शहर के भीतर और मेंगलूरु-कासरगोड, मेंगलूरु-उडुपी-मणिपाल और भटकल-बिंदूर जैसे मार्गों पर इन बसों को चलाने पर विचार कर रहा है। लंबी दूरी के मार्गों के लिए ईवी बसों का उपयोग करना चुनौतीपूर्ण है, क्योंकि पूरी तरह से चार्ज की गई बस केवल लगभग 300 किमी की यात्रा कर सकती है। इसलिए, मार्गों को उसी के अनुसार चुनना होगा।

अधिकारियों ने बताया कि केएसआरटीसी केंद्रीय कार्यालय ने नियोजित मार्गों के बारे में विस्तृत जानकारी मांगी है। नए प्रशिक्षित चालक ईवी बसों का संचालन करेंगे, जबकि मौजूदा बसों के कंडक्टर अपनी भूमिका जारी रखेंगे।

सरकारी निविदाओं में 4 प्रतिशत मुस्लिम आरक्षण

जेडी(एस) ने आरक्षण के खिलाफ भाजपा के विरोध का समर्थन करने से किया इनकार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
जनता दल (सेक्युलर) ने कहा है कि वह सरकारी निविदाओं में मुसलमानों के लिए 4 प्रतिशत आरक्षण के खिलाफ अपने गठबंधन सहयोगी भाजपा के विरोध का समर्थन नहीं करेगा। एक रिपोर्ट के अनुसार, जेडी(एस) नेताओं ने अपने विधायकों को विरोध से दूर रहने का निर्देश दिया है और जेडी(एस) विधायक दल के नेता सुरेश बाबू से कहा है कि मीडिया द्वारा पूछे जाने पर वे इस रुख को स्पष्ट करें। हम पार्टी के सिद्धांतों और विचारधारा से समझौता नहीं करेंगे। जेडी(एस) महंगाई, गारंटी योजनाओं की विफलता, कुशासन और भ्रष्टाचार जैसे मुद्दों पर भाजपा का समर्थन करेगा। हालांकि, 4 प्रतिशत मुस्लिम आरक्षण जेडी(एस) के संरक्षक एच डी देवेगौड़ा द्वारा शुरू की गई नीति थी। इसलिए, जेडी(एस) इस मामले में भाजपा का समर्थन नहीं करेगा। विपक्ष के नेता आर अशोक ने कहा भाजपा इस मुद्दे पर जेडी(एस) के साथ चर्चा करेगी। जेडी(एस) को भी मुस्लिम आरक्षण का विरोध करना चाहिए। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बी वाई विजयेंद्र ने कांग्रेस शासन में हिंदुओं के साथ हो रहे अन्याय के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए राज्यव्यापी अभियान की घोषणा की है। उनका तर्क है कि मुस्लिम आरक्षण असंवैधानिक है। विजयेंद्र ने कहा हम कांग्रेस के खिलाफ इस लड़ाई को तार्किक निष्कर्ष तक ले जाएंगे। हम पार्टी नेताओं के साथ इस पर चर्चा करेंगे और जल्द ही आंदोलन शुरू करेंगे।

राजराजेश्वरी नगर में अक्षय तृतीया पर वर्षीतप पारणा का होगा आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा, राजराजेश्वरी नगर के कार्यकारिणी सदस्यों की महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन सभा के अध्यक्ष राकेश छाजेड़ की अध्यक्षता में तेरापंथ भवन में किया गया। अध्यक्ष ने सभी का स्वागत करते हुए जानकारी दी कि 30 अप्रैल 2025 को अक्षय तृतीया के अवसर पर वर्षीतप के पारणा-महोत्सव का आयोजन आचार्य श्री महाश्रमणजी के विद्वान शिष्य मुनि पुलकित कुमार जी के सान्निध्य में राजाराजेश्वरी नगर में किया जाएगा। इस कार्यक्रम का आयोजन हम सबको भव्य रूप से करना है और सभी को अभी से तैयारी में लग जाना है। सभा के कोषाध्यक्ष देवेन्द्र नाहटा को कार्यक्रम के संयोजक के रूप में नियुक्त किया गया। अध्यक्ष के आह्वान करने पर कार्यसमिति सदस्य पारसमल बाफणा (पारलू निवासी) ने स्वेच्छा से सहर्ष प्रायोजक के रूप में अपनी सेवा देने की स्वीकृति प्रदान की। उपस्थित सभी सदस्यों ने पारसमल संदीपकुमार जिनेश बाफणा के प्रति ओम अर्हम् की ध्वनि से आभार व्यक्त किया। बैठक में सभी पदाधिकारी, पूर्वाध्यक्ष, ट्रस्ट के अध्यक्ष एवं तेयुप तथा तेममं के पदाधिकारियों की सक्रिय उपस्थिति रही। सभी सदस्यों ने कार्यक्रम को सुचारू रूप से संपादित करने हेतु संयोजक के साथ मिलकर काम करने की भावना व्यक्त की। अध्यक्ष राकेश छाजेड़ ने जानकारी दी कि साध्वीश्री पुण्ययशा जी का राजराजेश्वरी नगर में चातुर्मास हेतु बेंगलूरु नगर प्रवेश 14 अप्रैल को होगा। वर्तमान में साध्वीवृन्द हिरियूर तक पहुंच गये हैं। 9 अप्रैल 2025 को जीतो द्वारा आयोजित एवं आचार्य श्री महाश्रमण द्वारा इंगित ''विश्व नवकार महामंत्र दिवस'' का आयोजन तेरापंथ भवन में किये जाने की सूचना दी। बैठक का संचालन मंत्री गुलाब बाँठिया ने किया।

सिद्धरामैया- मल्लिकार्जुन खड़गे की मुलाकात से कौतूहल बढ़ा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने रविवार को मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के सरकारी आवास पर जाकर उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली। मंत्री प्रियांक खड़गे के साथ सिद्धरामैया के सरकारी आवास कावेरी पहुंचे मल्लिकार्जुन खड़गे ने सीएम के स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के राजनीतिक सचिव डॉ. के. गोविंदराजू भी मौजूद थे। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया गिर गए हैं और उनके पैर में चोट लग गई है तथा उन्हें चलने में कठिनाई हो रही है। अधिकांश समय व्हीलचेयर पर हैं या छड़ी के

सहारे चल रहे हैं। ऐसा लगता है कि वे केवल सबसे महत्वपूर्ण कार्यक्रमों में ही भाग ले रहे हैं तथा सरकारी गतिविधियों की अनदेखी कर रहे हैं। सिद्धरामैया हाल के विधानमंडल सत्र में ज्यादा शामिल नहीं थे। वह केवल बजट पर बहस का जवाब देने के लिए ही उपस्थित हुए। राज्य की राजनीति में काफी सक्रिय और सक्रिय रहने वाले सिद्धरामैया पैर के दर्द से पीड़ित हैं। अधिकांश राजनीतिक गणमान्य व्यक्तियों और वरिष्ठ लोगों ने सिद्धरामैया से मुलाकात की और उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली। दिलचस्प बात यह है कि सिद्धरामैया से उनकी ही पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने मुलाकात की। सूत्रों ने बताया कि वरिष्ठ नेताओं ने हनीट्रैप कांड को लेकर विधानसभा में मंत्री के.एन.राजन्ना द्वारा दिए गए बयान पर भी चर्चा की।

साल की पहली बारिश ने शहर के बुनियादी ढांचे को पंगु बना दिया

बीबीएमपी पर नागरिकों का गुस्सा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

साल की पहली बारिश ने बेंगलूरु के नागरिक कवच की कमियों को उजागर कर दिया, क्योंकि कई सड़कें जलमग्न हो गईं और नालियाँ ओवरफ्लो हो गईं, साथ ही पेड़ गिरने की घटनाएँ भी हुईं, जिसमें एक तीन साल की बच्ची की मौत भी शामिल है, और कई इलाकों में बिजली कटौती की खबरें आईं। भारत मौसम विज्ञान विभाग के आंकड़ों के अनुसार, बेंगलूरु शहर में 11.8 मिमी बारिश हुई, जबकि बेंगलूरु केआईएएल स्टेशन ने शनिवार को गरज के साथ 38.6 मिमी बारिश दर्ज की। बारिश का असर रविवार की सुबह भी दिखा, क्योंकि गिरे हुए पेड़ों ने कोरमंगला और जे.सी. रोड जैसे इलाकों में यातायात की आवाजाही को बाधित किया। जे.सी. रोड पर, बेंगलूरु ट्रैफिक पुलिस ने ट्रैफिक की आवाजाही को बहाल करने के लिए सड़क से पेड़ को हटाया। सेंट्रल सिल्क बोर्ड बस स्टॉप पर

भी कुछ जलभराव था। बृहत बेंगलूरु महानगर पालिका (बीबीएमपी) के आंकड़ों से पता चलता है कि 22 मार्च को आठ क्षेत्रों में कुल 25 पेड़ और 75 शाखाएं गिर गईं। येलहंका क्षेत्र में जहां 50 मिमी तक बारिश हुई, वहां 12 पेड़ गिरे और 40 शाखाएं गिर गईं। इसके अलावा, शहर की कई महत्वपूर्ण सड़कों पर जलभराव हो गया, जिसमें एयरपोर्ट रोड भी शामिल है, जहां यातायात जाम की वजह से यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। कोगिलु क्रॉस, राममूर्ति नगर, कस्तूरी नगर, के.आर. पुरम, आउटर रिंग रोड, हेब्बाल और वीरन्नापाल्या कुछ ऐसे क्षेत्र हैं जहां गंभीर जलभराव देखा गया।

शहर के कुछ सबवे भी जलमग्न हो गए, जिनमें कोडिगेहल्ली भी शामिल है। 2024 की आखिरी बारिश और इस साल की पहली बारिश में कई महीनों का अंतर होने के बावजूद, नागरिकों ने सवाल उठाया कि शहर में बारिश से निपटने के लिए बीबीएमपी अभी भी कम तैयार क्यों है। रविवार की सुबह जब बीबीएमपी ने नालियों को साफ करने के लिए काम शुरू किया, तो एक सोशल मीडिया यूजर ने कहा बीबीएमपी को तैयार रहना चाहिए था। ये छोटे-छोटे कदम बड़े बदलाव ला सकते थे। बीटीपी कर्मचारियों द्वारा हेब्बाल फ्लाईओवर पर नालियों को साफ करने के बारे में एक पोस्ट का जवाब देते हुए, एक अन्य सोशल मीडिया यूजर ने कहा बीबीएमपी को यह काम जनवरी-फरवरी में ही कर लेना चाहिए था। लेकिन वे ऐसा कभी नहीं करते। बेंगलूरु सेंट्रल के सांसद पी. सी. मोहन ने भी एक्स पर पोस्ट किया बेंगलूरु में पहली गर्मियों की बारिश, और शहर पहले से ही डूब रहा है तो मानसून की कल्पना करें।

बेंगलूरु में बारिश बिजली कटौती का पर्याय बन गई है। 22 मार्च को भी शहर के कई इलाकों जैसे हेब्बाल, बसवेश्वर नगर, बीटीएम लेआउट, एचएसआर लेआउट, कडुबीसनहल्ली, व्यालिकावल में दो से सात घंटे तक बिजली कटौती हुई। कई लोगों ने यह भी शिकायत की कि बेंगलूरु इलेक्ट्रिसिटी सप्लाई कंपनी (बेस्कॉम) का हेल्पलाइन नंबर 1912 भी उपलब्ध नहीं था। बेस्कॉम के एक अधिकारी ने बताया चूंकि शहर में हर जगह बारिश हो रही थी, इसलिए हमें हेल्पलाइन नंबर पर 78,500 से ज्यादा कॉल आए। हमें 33,277 कॉल आए, जबकि कॉल की संख्या ज्यादा होने की वजह से 45,308 कॉल रद्द कर दिए गए। कुल 21,126 शिकायतें दर्ज की गईं।

अगले दो दिनों तक बेंगलूरु समेत राज्य के कई हिस्सों में बारिश की संभावना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राजधानी बेंगलूरु सहित राज्य के दक्षिणी आंतरिक भाग के अधिकांश जिलों में शनिवार शाम और रात में बारिश हुई। मौसम पूर्वानुमान के अनुसार रविवार रात को आंधी के साथ बारिश होने की संभावना है। उसके बाद सोमवार से एक या दो दिन तक छिटपुट हल्की से मध्यम बारिश जारी रहने की उम्मीद है। पिछले तीन महीने से तपती धूप में तप रहे लोग अब तरोताजा महसूस कर रहे हैं। शनिवार शाम और रात को कुछ स्थानों पर तेज हवा, बिजली, गरज और चमक के साथ बारिश हुई, जबकि अन्य स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश हुई।

राज्य के अधिकांश जिलों में अधिकतम तापमान पहले से ही औसतन 35 डिग्री सेल्सियस है। कल्याण कर्नाटक क्षेत्र में उच्चतम 40 डिग्री पार हो गया था। इस प्रकार, राज्य एक गर्म तवे की तरह था। बढ़ते तापमान के कारण कुछ स्थानों पर मानसून-पूर्व वर्षा हुई। भारी बारिश और तूफान के कारण बेंगलूरु सहित कुछ स्थानों पर पेड़ गिर गए। बेंगलूरु के कम्मनहल्ली, जे.सी. रोड पर एक पेड़ गिर गया, जिससे यातायात बाधित हो गया। बेंगलूरु शहर,

बेंगलूरु ग्रामीण, रामनगर, मांड्या, मैसूरु, चिक्कबल्लापुर, कोलार, हासन, चामराजनगर, कोडागु और तुमकुरु जिलों में बारिश हुई है।

मांड्या जिले के मद्दुर में 61.8 मिमी बारिश हुई। होसकोटे 55.2 मिमी, केम्पेगौड़ा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा 47.4 मिमी, मगदी 25 मिमी, केरेघट्टा 23.6 मिमी, मैसूरु में 20.6 मिमी, चिंतामणि 20 मिमी, नेलमंगला 18.4 मिमी, कोलार जिले में 18 मिमी, बेलूर 16.6 मिमी, इलेक्ट्रॉनिक सिटी 14 मिमी, मालेमहदेश्वर हिल्स 12 मिमी, बेंगलूरु सिटी 11.8 मिमी, कनकपुरा 10.4 मिमी, कोडागु में 8.8 मिमी, बांदीपुर 6.5 मिमी और डोड्डबल्लापुरा 4.8 मिमी बारिश दर्ज की गई। भारतीय मौसम विभाग ने कहा कि कुछ स्थानों पर 100 प्रतिशत वर्षा हुई, तथा अन्य स्थानों पर मध्यम वर्षा हुई।

मौसम पूर्वानुमान के अनुसार, शाम और रात के समय राज्य के दक्षिणी आंतरिक इलाकों के अधिकांश जिलों और तटीय जिलों में आंशिक रूप से बादल छाए रहने और बारिश होने की संभावना है। कुछ स्थानों पर बिजली, गरज और तूफान के साथ बारिश की संभावना है। जबकि कई स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है।

फाल्गुनी नदी में अवैध रेत खनन मामले में एसी ने जुर्माना लगाया

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

थिरुवैल और कंदवारा गांवों के पास फाल्गुनी नदी में अवैध रेत खनन की पुष्टि की गई रिपोर्टों पर कार्रवाई करते हुए, मेंगलूरु के तहसीलदार ने हाल ही में इलाके में छापेमारी की। अभियान के दौरान, अवैध रेत खनन होता पाया गया, नदी के किनारे रहने वाले कुछ परिवारों ने अवैध रेत परिवहन की सुविधा के लिए अपनी जमीन पर सड़कें बना ली थीं। उन्होंने अवैध गतिविधि को बढ़ावा देने के लिए इन सड़कों पर गेट भी लगा दिए थे। छापेमारी के दौरान कई नावें जब्त की गईं और कुछ जमीनों पर अनधिकृत रूप से रेत का भंडारण पाया गया। छापेमारी के बाद, तहसीलदार ने 12 मार्च को मेंगलूरु के सहायक आयुक्त (एसी) को एक रिपोर्ट सौंपी, जिसमें अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई की सिफारिश की गई।

मामले के संबंध में, 5 लाख रुपये का जुर्माना लगाने और सुब्बाना शेट्टी और सुमति शेट्टी के परिवार की डोनिंजागुड्डू, मुलूर, गुरुपुरा होबली में 5 सेंट जमीन जब्त करने का नोटिस जारी किया गया है। इसी तरह, थिरुवैलू गांव में प्रेमा बी शेट्टी की 27 सेंट जमीन 10 लाख रुपये के जुर्माने के साथ जब्त की गई है, अन्नप्पा शेट्टी की 55 सेंट जमीन 15 लाख रुपये के जुर्माने के साथ जब्त की गई है, और के मंजप्पा शेट्टी की 12 सेंट जमीन 5 लाख रुपये के जुर्माने के साथ जब्त की गई है। इन परिवारों को अवैध रेत खनन बंद करने और अनुपालन की लिखित पुष्टि प्रदान करने का आदेश दिया गया है। ऐसा न करने पर उनकी जमीन जब्त कर ली जाएगी। अनधिकृत रेत खनन करने और अवैध रेत परिवहन के लिए भूमि का उपयोग करने के लिए ग्रीन ट्रिब्यूनल के दिशा-निर्देशों के अनुसार जुर्माना लगाया गया है। सहायक आयुक्त हर्षवर्धन ने अपने आदेश में कहा है कि जुर्माने के संबंध में आपत्तियां 7 अप्रैल, 2025 से पहले प्रस्तुत की जा सकती हैं।

शिवकुमार के करीबी विधायक के खिलाफ राजेंद्र राजन्ना का विस्फोटक बयान!

तुमकुरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

सहकारिता मंत्री के.एन. राजन्ना शुरू से ही उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार के खिलाफ अंदरूनी तौर पर नाराजगी जताते रहे हैं और उनका असंतोष लगातार सार्वजनिक बयानों के माध्यम से सामने आता रहा है। अब राजन्ना के बेटे राजेंद्र राजन्ना का मुकाबला डी.के. शिवकुमार के करीबी विधायक से है। उन्होंने एक विस्फोटक बयान देकर एक और असंतोष की प्रस्तावना लिख दी है। के.एन. राजन्ना के पुत्र एवं विधान परिषद सदस्य राजेंद्र राजन्ना ने सार्वजनिक बयान के माध्यम से कुनिगल निर्वाचन क्षेत्र के विधायक डॉ. रंगनाथ के प्रति अपना असंतोष व्यक्त किया है। दो महीने पहले विधायक कुनिगल रंगनाथ ने फोन कर पिता-पुत्र के लिंक को नष्ट करने की धमकी दी थी। उन्होंने कहा हमने कुछ भी नहीं रोका है। एक निविदा है। काम शुरू हो गया है। उनका दावा है कि पिता-पुत्र ऊंची आवाज में इस बात पर चर्चा कर रहे हैं कि क्या वे कुनिगल तालुका में पानी के प्रवाह में बाधा डाल रहे हैं। हेमावती नहर से गुब्बी, कुनिगल और तुरुवेकेरे के माध्यम से तुमकुरु जिले के अन्य जिलों में पानी

आना चाहिए। यदि वे नहर के आरंभ में ही पानी की दिशा बदल देंगे तो पानी नहर के अंत तक कैसे पहुंचेगा? हाल ही में एक बैठक में मंत्री के.एन. राजन्ना ने इस तथ्य की ओर ध्यान आकर्षित किया कि कोराटागेरे क्षेत्र में पानी नहीं पहुंच रहा है। इसके लिए हमें धमकियां दी जा रही हैं। अगर कुनिगल के विधायक सिर्फ इसलिए पानी का इस्तेमाल करते हैं क्योंकि उनके पास प्रभावशाली मंत्री हैं, तो कोराटेगेरे और मधुगिरी तालुक के लोगों को क्या करना चाहिए? हमें आपके निर्वाचन क्षेत्र में पानी भेजे जाने पर कोई आपत्ति नहीं है। लेकिन हम अपने तालुका के साथ अन्याय क्यों कर रहे हैं? जब भी तुमकुरु जिले में प्रगति समीक्षा बैठक आयोजित की जाती है, तो केवल कुनिगल तालुका के मुद्दे पर ही चर्चा होती है। और कौन से तालुके हैं? तुमकुरु, तुमकुरु ग्रामीण, मधुगिरी, कोराटेगेरे, गुब्बी और अन्य तालुकों का क्या होना चाहिए? मैं राजनीति से प्रेरित होकर कुछ नहीं बोल रहा हूं। मैं तालुका के हित में बोल रहा हूं। हेमावती नदी का पानी मधुगिरी तक नहीं पहुंचता और वापस भी नहीं आता। यह तो बस अंतिम भाग है। क्या उन्हें सिर्फ कुनिगल ही दिखता है? क्या कोई और तालुका नहीं है? विधायकों को सभी तालुकाओं को ध्यान में रखकर बोलना चाहिए। उन्होंने मांग की कि वह बकवास करना बंद करें। सहकारिता मंत्री के.एन. राजन्ना ने हाल ही में विधानसभा में एक बयान दिया, जिसमें आरोप लगाया गया कि उनके खिलाफ हनीट्रैप का प्रयास किया गया था। उन्होंने विस्फोटक बयान देते हुए कहा कि कर्नाटक हनीट्रैप फैक्ट्री है। आलोचना करने वालों में शामिल कई भाजपा विधायकों ने मुख्यमंत्री बनने की आकांक्षा रखने वाले व्यक्ति पर हनीट्रैप का मास्टरमाइंड होने का आरोप लगाया। इससे पहले राजन्ना ने कई मौकों पर डी.के. शिवकुमार के खिलाफ सार्वजनिक बयानबाजी की थी। जब डी.के. शिवकुमार स्वयं अपेक्स बैंक चुनावों के संबंध में राजन्ना से मिलने गए तो वे उपलब्ध नहीं थे। राजन्ना और डी.के. शिवकुमार के बीच आंतरिक तौर पर तीव्र शीत युद्ध चल रहा है। अब, एक कदम आगे बढ़ते हुए, राजन्ना के बेटे राजेंद्र ने डी.के. शिवकुमार के करीबी सहयोगी, कुनिगल निर्वाचन क्षेत्र के डॉ. रंगनाथ के खिलाफ खुले तौर पर अपनी नाराजगी व्यक्त करके, परोक्ष रूप से ताना मारने की इस प्रवृत्ति को दूसरे स्तर पर ले गए हैं।

गृहलक्ष्मी योजना की दो किस्तें अगले महीने जारी की जाएंगी: लक्ष्मी हेब्बालकर

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो।

महिला एवं बाल कल्याण मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर ने घोषणा की है कि गृहलक्ष्मी योजना की दो किस्तें अगले महीने जारी की जाएंगी। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि इस महीने के अंत के बाद गृहलक्ष्मी योजना की लंबित किस्तों को जारी करने के लिए कदम उठाए जाएंगे। जब कांग्रेस सरकार सत्ता में थी तो आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के मानदेय में 2,000 रुपये की वृद्धि की गई थी।

बाद की सरकारों ने मानदेय में कोई वृद्धि नहीं की। आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं का मानदेय 750 रुपये है। तथा सहायक का मानदेय 500 रूपये है। उन्होंने बजट में घोषणा की कि वे इसे बढ़ाएंगे और इसे लागू करने का वादा किया। सहकारिता मंत्री के.एन.राजन्ना पर लगे हनीट्रैप के आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि एक मंत्री को हनीट्रैप में फंसाने की कोशिश की गई। राजन्ना ने विधानसभा सत्र के दौरान अपना अनुभव साझा किया। उपमुख्यमंत्री ने भी इस मुद्दे पर प्रतिक्रिया दी है। गृह मंत्री ने मामले की जांच का वादा किया और कहा कि वह इस पर आगे कोई टिप्पणी नहीं करेंगे। परमेश्वर ने कहा था कि हनी ट्रैप मामला बेहद संवेदनशील है और वह इस पर कोई टिप्पणी नहीं करेंगे।

यहां पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि हनीट्रैप मामले में बहुत संवेदनशील सवाल उठते हैं। अचानक सामने आए प्रश्नों का उत्तर देना उचित नहीं है। उन्होंने यह कहते हुए टिप्पणी करने से इनकार कर दिया कि यह मामला बहुत संवेदनशील है।

टक्कर से बचने के दौरान लॉरी पलटी, छह घायल, स्कूटर कुचला

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।

जिले के संथेकट्टे के पास रविवार को एक बाइक से टक्कर से बचने की कोशिश में एक मालवाहक ट्रक पलट गया। यह दुर्घटना उस समय हुई जब एक दोपहिया वाहन सवार अचानक सर्विस रोड से राष्ट्रीय राजमार्ग पर आ गया। टक्कर से बचने के प्रयास में, ट्रक चालक ने अचानक ब्रेक लगाए और वाहन पर से नियंत्रण खो दिया। टक्कर के कारण ट्रक पलट गया और चालक घायल हो गया। दुर्घटना में चालक, चार मजदूर और बाइक सवार समेत कुल छह लोग घायल हो गए। ट्रक के नीचे आने से स्कूटर भी कुचल गया। सामाजिक कार्यकर्ता विशु शेट्टी अंबालापडी मौके पर पहुंचे और घायलों को उडुपी के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया।

धर्म आधारित आरक्षण संविधान का उल्लंघन है: आरएसएस

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

सरकारी अनुबंधों में मुसलमानों के लिए 4 प्रतिशत आरक्षण प्रदान करने के कर्नाटक सरकार के फैसले पर चल रही बहस के बीच, आरएसएस महासचिव दत्तात्रेय होसबोले ने रविवार को जोर देकर कहा कि संविधान धर्म आधारित कोटा की अनुमति नहीं देता है। उन्होंने यह भी कहा कि इस तरह के आरक्षण हमारे संविधान के निर्माता बी आर अंबेडकर के खिलाफ हैं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की सर्वोच्च निर्णय लेने वाली संस्था अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा के समापन दिवस पर यहां संवाददाताओं को संबोधित करते हुए होसबोले ने कहा बाबासाहेब अंबेडकर द्वारा रचित संविधान में धर्म आधारित आरक्षण को स्वीकार नहीं किया गया है। ऐसा करने वाला कोई भी व्यक्ति हमारे संविधान के निर्माता के खिलाफ जा रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि पूर्ववर्ती अविभाजित आंध्र प्रदेश और महाराष्ट्र द्वारा मुसलमानों के लिए धर्म आधारित आरक्षण शुरू करने के पिछले प्रयासों को उच्च न्यायालयों और सर्वोच्च न्यायालय ने खारिज कर दिया था। होसबोले ने जोर देकर कहा कि अदालतों ने इस तरह के कोटे के प्रावधानों को खारिज कर दिया है। महाराष्ट्र में 17वीं सदी के मुगल बादशाह औरंगजेब की कब्र को लेकर उठे विवाद के बारे में पूछे गए सवाल के जवाब में होसबोले ने कहा कि औरंगजेब को आइकॉन बनाया गया था, न कि उनके भाई दारा शिकोह को, जो सामाजिक सद्भाव में विश्वास करते थे। उन्होंने कहा कि भारत के मूल्यों के खिलाफ जाने वाले लोगों को आइकॉन बनाया गया। होसबोले ने मुगल बादशाह अकबर का विरोध करने के लिए राजपूत राजा महाराणा प्रताप जैसी शख्सियतों की सराहना की। आरएसएस नेता ने दावा किया कि आक्रमणकारी मानसिकता वाले लोग भारत के लिए खतरा पैदा करते हैं। हमें उन लोगों के साथ खड़ा होना चाहिए जो भारतीय मूल्यों के साथ हैं।

स्वदेशी युद्धपोत तवस्य का गोवा शिपयार्ड में जलावतरण

पणजी, 23 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय नौसेना की परियोजना 11356 (यार्ड 1259) के दूसरे युद्धपोत (फ्रिगेट) तवस्य का शनिवार को गोवा में जलावतरण किया गया। नौसेना की ओर से जारी बयान में कहा गया कि यह युद्धपोत भारत की आत्मनिर्भरता में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। 3800 टन वजनी इस पोत को आक्रामक और रक्षात्मक संचालन की विविध रेंज को अंजाम देने के लिए तैयार किया गया है। यह हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की रणनीतिक प्रभुत्व और क्षमता सुनिश्चित करता है।

यह युद्धपोत ब्रह्मोस मिसाइल, टारपीडो लांचर, सोनार और अन्य आधुनिक नियंत्रण प्रणाली जैसे महत्वपूर्ण घटकों से लैस है। जलावतरण कार्यक्रम में पश्चिमी नौसेना कमान के फ्लैग ऑफिसर वाइस एडमिरल एसजे सिंह, युद्धपोत उत्पादन और अधिग्रहण के नियंत्रक वाइस एडमिरल राजाराम स्वामीनाथन और भारतीय नौसेना के अन्य अधिकारियों सहित वरिष्ठ गणमान्य उपस्थित थे।

मुख्य अतिथि ने केवल आठ महीनों के भीतर फ्रिगेट लॉन्च करने में गोवा शिपयार्ड लिमिटेड की असाधारण उपलब्धि की सराहना की।

उन्होंने नौसेना की बढ़ती आत्मनिर्भरता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह लॉन्च भारत के नौसेना इतिहास में एक निर्णायक क्षण है, जो देश की तकनीकी क्षमताओं और आत्मनिर्भरता के लिए अटूट प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है।

चुनाव आयोग के खिलाफ शिकायतों की समीक्षा

चार हजार चुनाव अधिकारियों ने शुरू की राजनीतिक दलों से वार्ता

नई दिल्ली, 23 मार्च (एजेंसियां)। मतदान केंद्र (बूथ स्तर) पर समस्याओं और शिकायतों के समाधान के लिए 4,000 से अधिक मतदाता पंजीकरण अधिकारियों (ईआरओ) ने देशभर के सभी राजनीतिक दलों के साथ मंथन शुरू किया है। इन ईआरओ को अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों में लंबित मुद्दों के समाधान करने के लिए कहा गया है। दरअसल, कई राजनीतिक दलों ने चुनाव आयोग पर मतदान के आंकड़ों में गड़बड़ी कर भाजपा को लाभ पहुंचाने का आरोप लगाया था। उसी के मद्देनजर चुनाव आयोग ने सियासी दलों के साथ बैठकों का दौर शुरू किया है। ये बैठकें 31 मार्च तक पूरी होंगी।

आयोग ने पिछले दिनों कहा था कि वह राजनीतिक दलों की शिकायतों को दूर करने के लिए विभिन्न स्तरों पर उनके साथ मंत्रणा करेगा। तृणमूल कांग्रेस सहित कई दलों ने एक ही नंबर वाले वोटर कार्ड का मामला उठाया था। इसको देखते हुए चुनाव आयोग ने मतदाता कार्ड को आधार नंबर से जोड़ने की संभावना तलाशने का निर्णय किया है। इसके अलावा आयोग ने जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण प्राधिकरणों को भी मतदाता सूचियों को दुरुस्त करने का अनुरोध किया है। निर्वाचन आयोग ने इन 4123 मतदाता पंजीकरण अधिकारियों के अलावा देश भर के सभी 788 जिला निर्वाचन अधिकारी (डीईओ) और 36 राज्य मुख्य निर्वाचन अधिकारियों (सीईओ) को भी ऐसी बैठकें करने का निर्देश दिया गया है।

सड़क हादसे में तीन पर्यटकों समेत चार की मौत

जम्मू, 23 मार्च (ब्यूरो)। गंदरबल जिले के गुंड कंगन में रविवार को बस और कार की टक्कर में महाराष्ट्र के तीन पर्यटकों और एक स्थानीय ड्राइवर की मौत हो गई। दो पर्यटकों की हालत गंभीर है। कंगन के ब्लॉक मेडिकल आफिसर डॉ. अर्शीद बाबा ने बताया कि कार और यात्री बस की टक्कर में 21 लोग जख्मी हुए, जिनमें से चार लोगों की मौत हो गई। घायलों को उनके जख्म के मुताबिक अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। हादसे में मारे गए लोगों में महाराष्ट्र के पर्यटक लेशिया आशीष परी, निक्की आशीष परी, हेतल आशीष परी और स्थानीय चालक फहीम अहमद बदयारी हैं।

बालटाल से अमरनाथ गुफा तक अब रोप-वे

अमरनाथ यात्रा की अवधि भी बढ़ेगी

जम्मू, 23 मार्च। भोले शंकर के भक्तों के लिए यह खुशखबरी है कि बालटाल के रास्ते अब बालटाल से लेकर अमरनाथ की पवित्र गुफा तक रोप-वे बनने जा रही है जिस कारण वे कठिन चढ़ाई चढ़ने को मजबूर नहीं होंगे। केंद्र सरकार की योजना कामयाब रही तो सरकार अमरनाथ यात्रा की अवधि भी बढ़ाने जा रही है।

दरअसल केंद्र सरकार ने दक्षिण कश्मीर हिमालय में श्री अमरनाथ जी के पवित्र गुफा मंदिर सहित 18 धार्मिक और पर्यटन स्थलों को रोप-वे से जोड़ने का फैसला किया था, जहां जून से अगस्त के बीच सालाना 45 से 60 दिनों की

तीर्थयात्रा आयोजित की जाती है और तीर्थयात्रियों को हिमलिंगम के दर्शन के लिए या तो 38 किलोमीटर लंबा पहलगाम ट्रैक या छोटा लेकिन कठिन 13 किलोमीटर बालटाल मार्ग लेना पड़ता है। अधिकारियों ने बताया कि रोप-वे के साथ, वार्षिक तीर्थयात्रा की अवधि भी बढ़ाई जा सकती है और इससे यात्रियों की भीड़ भी बढ़ेगी क्योंकि वर्तमान में कई लोग अत्यधिक कठिन भूभाग के कारण यात्रा करने में असमर्थ हैं।

इस प्रोजेक्ट के लिए निविदा भी मंगवाई गई हैं जिसकी पुष्टि मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने भी की है। उन्होंने बताया कि भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनए-चएआई) और जम्मू कश्मीर सरकार के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं।हालांकि उन्होंने कहा कि रियासी जिले में दर्शन देवपड़ी से शिवखोड़ी मंदिर तक 2.12 किलोमीटर रोप-वे परियोजना को अदालती मामले के कारण रद्द कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि एनएचएलएमएल ने 25 जनवरी, 2025 को एनआईटी के माध्यम से बालटाल-अमरनाथ गुफा, डोडा में 8.80 किलोमीटर भद्रवाह से सोझदार रोप-वे और 1.60 किलोमीटर सोनमर्ग-थाजीवास ग्लेशियर रोप-वे परियोजना रिपोर्ट तैयार करने के लिए बोलियां आमंत्रित की है।

जम्मू-कश्मीर सरकार ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि वार्षिक तीर्थयात्रा के दौरान तीर्थयात्रियों की सुगम आवाजाही के लिए बालटाल से 3,880 मीटर ऊंचे पवित्र गुफा मंदिर तक 11.60 किलोमीटर लंबे रोप-वे सहित तीन रोप-वे के विकास के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने के लिए बोलियां आमंत्रित की गई हैं। इसके अलावा, राष्ट्रीय राजमार्ग रसद प्रबंधन लिमिटेड (एनएचएलएमएल) द्वारा तीन और रोप-वे परियोजनाओं के लिए डीपीआर तैयार करने के लिए बोलियां भी आमंत्रित की जा रही हैं, दो बडगाम में और एक रामबन जिले में। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने जम्मू कश्मीर विधानसभा में एक लिखित जवाब में यह बातें कही हैं।

जानकारी के लिए अनंतनाग में अमरनाथ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को कड़ी चढ़ाई का सामना करना पड़ता है। कई किमी की चढ़ाई करने के बाद श्रद्धालुओं को बाबा बर्फानी दर्शन होता है। अब श्रद्धालुओं की सहूलियत के लिए जम्मू कश्मीर सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। बालटाल से अमरनाथ गुफा तक 11.60 किलोमीटर रोप-वे बनाने की योजना है. सरकार ने विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने के लिए बोलियां आमंत्रित की हैं।

बालटाल से अमरनाथ गुफा की ऊंचाई 3,880 मीटर है। रोप-वे की मदद से सालाना अमरनाथ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की आवाजाही सुगम हो जाएगी। यही नहीं उन्होंने इसके प्रति भी संकेत दिए कि रोप-वे बन जाने के उपरांत अमरनाथ यात्रा की अवधि बढ़ाई जा सकती है और इसे सारा साल खुला रखने पर भी विचार किया जा रहा है।

केरल सरकार ने विधायकों, मंत्रियों का वेतन बढ़ाया

आशा कार्यकर्ताओं की भूख हड़ताल को मुंह चिढ़ाया

तिरुवनंतपुरम, 23 मार्च (एजेंसियां)। केरल की पिनाराई विजयन की अगुवाई वाली वामपंथी सरकार अपने विधायकों, मंत्रियों और राज्य के वरिष्ठ अधिकारियों का वेतन बढ़ा रही है। जबकि, ये पहले से ही मोटी तनख्वाह ले रहे हैं। वहीं दूसरी ओर राज्य की आशा कार्यकर्ता लंबे वक्त से मानदेय बढ़ाने को लेकर प्रदर्शन कर रही हैं, लेकिन सरकार उनकी ओर ध्यान ही नहीं दे रही है।

अपने अधिकारों के लिए राज्य सचिवालय के सामने तीन आशा कार्यकर्ता बीते तीन दिन से अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठी हुई हैं। लेकिन सरकार उनकी ओर ध्यान तक नहीं दे रही है। इस बीच राज्य की सभी आशा कार्यकर्ताओं ने जिला केंद्रों और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों के सामने कल सामूहिक उपवास करने का फैसला किया है।

इस बीच भूख हड़ताल कर रही आशा कार्यकर्ता आर शीजा के सीने में कल से दर्द उठा है। उन्हें जनरल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया गया है कि तेज गर्मी के कारण उन्हें डिहाइड्रेशन हो गया था। हालांकि, अब उन्हें घर भेज दिया गया है। कहा जा रहा है कि स्वास्थ्य में सुधार होते ही शीजा वापस धरने पर आ जाएंगी। वहीं एक अन्य आशा कार्यकर्ता शोभा, आशा स्वास्थ्य कार्यकर्ता संघ की राज्य महासचिव एमए बिन्दु और थंकमणि अभी भी हड़ताल जारी रखे हुए हैं।

दूसरी ओर इन आशा कार्यकर्ताओं को कड़ी गर्मी के कारण भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। लेकिन, अभी तक इन कार्यकर्ताओं के स्वास्थ्य की जांच के लिए सरकार की ओर से डॉक्टर तक को नहीं भेजा गया। हालांकि, कुछ प्राइवेट डॉक्टरों ने स्वेच्छा से इन आशा वर्कर्स की जांच अवश्य की है। हां इस हड़ताल को जारी रखने के लिए नालंचिरा सर्वोदय स्कूल के एक तीसरी कक्षा के छात्र अर्नव चेरियन ने हड़ताल के लिए अपनी स्कॉलरशिप को जरूर दान कर दिया है।

ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल बोर्ड का ऐलान

वक्फ विधेयक के खिलाफ करेंगे आंदोलन

नई दिल्ली, 23 मार्च (एजेंसियां)। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने रविवार को प्रस्तावित वक्फ संशोधन विधेयक के खिलाफ देशव्यापी आंदोलन की घोषणा की है। एआईएमपीएलबी के कार्यालय सचिव मोहम्मद वकार उद्दीन लतीफी की तरफ से जारी एक बयान में कहा गया, 17 मार्च को दिल्ली में बड़े पैमाने पर और सफल विरोध प्रदर्शन के बाद, ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड (एआईएमपीएलबी) ने प्रस्तावित वक्फ संशोधन विधेयक के खिलाफ देशव्यापी आंदोलन की घोषणा की है।

एआईएमपीएलबी के प्रवक्ता और वक्फ विधेयक के खिलाफ कार्रवाई समिति के संयोजक एसक्यूआर इलियास ने बोर्ड की ओर से सभी मुस्लिम संगठनों, नागरिक समाज समूहों और दलित, आदिवासी, ओबीसी और अन्य अल्पसंख्यक समुदायों के नेताओं का आभार व्यक्त किया।

एआईएमपीएलबी के बयान में कहा गया है कि एआईएमपीएलबी की 31 सदस्यीय कार्रवाई समिति ने विवादास्पद, भेदभावपूर्ण और नुकसानदायक विधेयक का विरोध करने के लिए सभी संवैधानिक, कानूनी और लोकतांत्रिक तरीकों को अपनाने का संकल्प लिया है। आंदोलन के पहले चरण के तहत 26 मार्च को पटना और 29 मार्च को विजयवाड़ा में राज्य विधानसभाओं के सामने बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन की योजना बनाई गई है।

इसमें कहा गया है कि एआईएमपीएलबी के वरिष्ठ नेतृत्व के साथ-साथ राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय धार्मिक और सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि इन प्रदर्शनों में भाग लेंगे। नागरिक समाज के नेता, अन्य अल्पसंख्यक समुदायों की प्रमुख हस्तियां और दलित, आदिवासी और ओबीसी वर्गों के प्रमुख लोगों ने भी अपनी भागीदारी की पुष्टि की है।

बयान में कहा गया है कि विभिन्न राजनीतिक दलों की तरफ से सांसदों को चालू संसद सत्र में भाग लेने के लिए व्हिप जारी करने के बावजूद, संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के विपक्षी सदस्यों को भी धरना-प्रदर्शन में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया है।

बयान के अनुसार, पटना में, बिहार के मुख्यमंत्री समेत जेडी (यू), आरजेडी, कांग्रेस और लोक जनशक्ति पार्टी के नेताओं को आमंत्रित किया गया है। इसी तरह, आंध्र प्रदेश में सत्तारूढ़ तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी), वाईएसआर कांग्रेस, कांग्रेस और वामपंथी दलों को निमंत्रण भेजा गया है।

इलियास ने कहा कि इन विरोध प्रदर्शनों का उद्देश्य भाजपा के गठबंधन सहयोगियों को एक स्पष्ट संदेश भेजना है। या तो विधेयक के लिए समर्थन वापस ले लें या फिर हमारा समर्थन खोने का जोखिम उठाएं। इस अभियान में धरना प्रदर्शन, मानव श्रृंखला और सोशल मीडिया अभियान, विशेष रूप से एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर हैशटैग अभियान शामिल होंगे। बयान में कहा गया है कि जिला स्तर पर सार्वजनिक सम्मेलन, सेमिनार, संगोष्ठी और धरने आयोजित किए जाएंगे और जिला मजिस्ट्रेट के माध्यम से भारत के राष्ट्रपति को ज्ञापन सौंपे जाएंगे।

संघ के सरकार्यवाह होसबले ने प्रतिनिधि सभा में कहा

औरंगजेब नहीं, दारा शिकोह को आइकॉन बनाएं

संविधान धर्म आधारित कोटा की अनुमति नहीं देता

बेंगलुरु, 23 मार्च (एजेंसियां)। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा का रविवार आखिरी दिन था। इस मौके पर संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबले ने मीडिया के समक्ष देश के कई बड़े मुद्दों पर खुलकर बात की। उन्होंने औरंगजेब, दारा शिकोह, भारत की संस्कृति और बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रही हिंसा जैसे गंभीर मसलों पर संघ का रुख साफ किया।

दत्तात्रेय होसबले ने कहा, हमारे देश में कोई भी मुद्दा उठा सकता है। इतिहास में कई घटनाएं हुई हैं। दिल्ली में औरंगजेब मार्ग था, उसे बदलकर एपीजे अब्दुल कलाम मार्ग कर दिया गया। इसके पीछे कोई मकसद तो है न? भारत में औरंगजेब के भाई दारा शिकोह को कभी आइकॉन नहीं बनाया गया। जो लोग गंगा-जमुनी तहजीब की बात करते हैं, उन्होंने दारा शिकोह को आगे क्यों नहीं बढ़ाया? सवाल ये है कि क्या भारत की संस्कृति को तोड़ने वाले को आइकॉन बनाना है या जो यहां की परंपराओं के साथ रहे, उन्हें सम्मान देना है? औरंगजेब इस कड़ी में नहीं आता, लेकिन दारा शिकोह उस श्रेणी में फिट बैठते हैं।

आरएसएस के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबले ने आगे कहा, अंग्रेजों के खिलाफ लड़ाई को तो हम स्वतंत्रता संग्राम कहते हैं। लेकिन उनसे पहले जो आक्रांता आए, उनके खिलाफ जो युद्ध हुए, वो भी आजादी की लड़ाई ही थी। जैसे राणा प्रताप ने जो किया, वो भी स्वतंत्रता संग्राम था। जो लोग आक्रमणकारी मानसिकता रखते हैं, वो देश के लिए खतरा हैं। हमें तय करना है कि अपनी संस्कृति को किसके साथ जोड़ना है। ये देशी-विदेशी धर्म की बात नहीं, बल्कि सोच की बात है। यही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का दृढ़ विचार है। बहन निवेदिता क्रिश्चियन थीं, फिर भी वो भारत की होकर रह गईं।

उन्होंने औरंगजेब के खिलाफ बेहद सख्त रुख दिखाया। उन्होंने कहा, भारत के जो विरोधी रहे हैं, उन्हें आइकॉन नहीं बनाया जा सकता। गंगा-जमुनी तहजीब की बात करने वाले दारा शिकोह को याद क्यों नहीं करते? दिल्ली में औरंगजेब रोड को अब्दुल कलाम रोड बनाया गया, तो इसका मतलब समझना चाहिए। जो हमारी संस्कृति की बात करेंगे, उन्हें ही हम फॉलो करेंगे। इसके साथ ही उन्होंने आक्रमणकारी सोच को देश के लिए खतरा बताया और कहा कि हमें अपने नायकों को चुनना होगा।

बैठक में बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रही हिंसा का मुद्दा भी जोर-शोर से उठा। संघ ने इसके खिलाफ एक प्रस्ताव पास किया। इसमें कहा गया, बांग्लादेश में हिंदुओं और दूसरे अल्पसंख्यकों पर इस्लामी कट्टरपंथियों की सुनियोजित हिंसा, अन्याय और उत्पीड़न हो रहा है। ये मानवाधिकारों का गंभीर उल्लंघन है। होसबले ने कहा कि हिंदुओं को वहां से पलायन नहीं करना चाहिए, लेकिन उनकी सुरक्षा जरूरी है। कर्नाटक सरकार की ओर से सरकारी ठेकों में मुसलमानों को चार प्रतिशत आरक्षण देने के फैसले पर चल रही बहस के बीच होसबोले ने कहा कि संविधान धर्म आधारित कोटा की अनुमति नहीं देता है।

बिठूर महोत्सव में बोले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

महापुरुषों का सम्मान न करने वाले लोग घृणा के पात्र

नवनियुक्त 329 आंगनबाड़ी कर्मियों को दिए गए नियुक्ति पत्र

कानपुर/लखनऊ, 23 मार्च (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सरकार महापुरुषों के सम्मान और गौरव को आगे बढ़ाने का कार्य कर रही है। जो व्यक्ति और कौम महापुरुषों, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों का सम्मान नहीं कर सकता, उसके लिए कोई जगह नहीं है। जिन्होंने भारत की आस्था पर प्रहार किया, सनातन संस्कृति को रौंदा, बहन-बेटियों की इज्जत से खिलवाड़ की। जिन्हें भारत-भारतीयता से नफरत थी और जो आक्रांता बनकर देश की आस्था को कुचल रहे थे, वे भारत के लिए कभी आदर्श नहीं हो सकते।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार को बिठूर महोत्सव में पहुंचे। वीर शिरोमणि नानाजी राव पेशवा को समर्पित महोत्सव में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के तहत कानपुर के 1302 उद्यमियों को 5.42 करोड़ का ऋण वितरण, नवनियुक्त 329 आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को नियुक्ति पत्र तथा मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के 127 लाभार्थियों को 6.35 करोड़ सहायता राशि प्रदान की गई। मुख्यमंत्री ने प्रदर्शनी का अवलोकन तथा कवि साहिर योगेश की पुस्तक 'हम करें राष्ट्र आराधन' व मोहन जी द्वारा चरित 'रण धुरंधर नाना साहब पेशवा' का विमोचन किया। सीएम ने महाराष्ट्र से नानाराव पेशवा की जयंती मनाने बिठूर आए लोगों का स्वागत भी किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आक्रांताओं को आदर्श मानने वालों को तनिक भी शर्म महसूस होती है तो इन्हें गणतंत्र दिवस परेड पर इंडोनेशिया के राष्ट्रपति के बयान (हमारा डीएनए कभी जांचा जाएगा तो यह भारतीय निकलेगा) का स्मरण करना चाहिए। इंडोनेशिया दुनिया का सबसे बड़ा मुस्लिम बाहुल्य देश है। उनका बयान भारत के अंदर विदेशी आक्रांताओं को आदर्श मानने वालों की आंखों को खोलने वाला है। उम्मीद है कि इस बयान

के बाद वे लोग भी छत्रपति शिवाजी, महाराणा प्रताप, गुरु गोविंद सिंह आदि महान क्रांतिकारियों के बारे में श्रद्धा का भाव रखते हुए 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' बनाने में योगदान देंगे।

मुख्यमंत्री ने नानाराव पेशवा की पावन जयंती पर उन्हें नमन करते हुए कहा कि बिठूर प्राचीन काल से ही भारत की आध्यात्मिक धरोहर की प्रतीक रही है। ब्रह्मा जी ने इस सृष्टि की रचना-अपने तप के लिए बिठूर की भूमि का चयन किया था। लव-कुश का लालन-पालन महर्षि वाल्मीकि के सानिध्य में इसी क्षेत्र में हुआ था। ध्रुवटीला बिठूर में है। मां गंगा के सानिध्य में बसी बिठूर नगरी कानपुर की आत्मा है। नाना जी पेशवा ने इसी धरती को केंद्र बनाकर 1857 की व्यूह रचना की थी। यहां रानी लक्ष्मीबाई ने तीरंदाजी, घुड़सवारी, युद्धकला के गुर इसी धरती से सीखे थे। यह भूमि क्रांतिकारियों की नई प्रेरणा स्थली बनी थी। बिठूर, छत्रपति शिवाजी, नाना राव पेशवा, रानी लक्ष्मीबाई व तात्या टोपे के नाम पर हर भारतीयों की धमनियों में राष्ट्रभक्ति के रक्त का संचार होता है और हर भारतीय गौरव के साथ इन महापुरुषों का स्मरण करता है। बिठूर आज भी शौर्य व पराक्रम के लिए जानी जा रही है। रानी लक्ष्मीबाई भी हर किसी के लिए प्रेरणा बन गई। सीएम ने कहा कि आज ही भारत मां के वीर सपूत और युवाओं के प्रेरणास्रोत सरदार भगत सिंह, सुखदेव व राजगुरु का बलिदान दिवस भी है। इनके जीवन का लक्ष्य देश को गुलामी की बेड़ियों से मुक्त करना था। सीएम ने डॉ. राम मनोहर लोहिया की जयंती पर उन्हें भी याद किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रयागराज महाकुंभ में 66 करोड़ से अधिक श्रद्धालु आए। पीएम मोदी के मार्गदर्शन में डबल इंजन सरकार ने व्यवस्था की थी, लेकिन यह आयोजन तब तक सफलता तक नहीं पहुंच सकता था, जब तक गंगा अविरल-निर्मल नहीं होती। 2019 के पहले सीसामऊ में गंगा नदी में प्रतिदिन चार करोड़ लीटर सीवर गिरता था, लेकिन आज वहां का सीवर प्वाइंटर सेल्फी प्वाइंट हो गया। अविरल-निर्मल गंगा के बिना कुंभ की सफलता पर प्रश्न खड़े हो गए होते। मुख्यमंत्री ने पीएम मोदी के प्रति आभार जताते हुए कहा कि उन्होंने नमामि गंगे परियोजना के माध्यम से भारतवासियों को पुनः निर्मल-अविरल गंगा दी। 1986 में गंगा एक्शन प्लान बना, लेकिन 2014 आते-आते गंगा पहले से अधिक प्रदूषित हो गईं। इससे जलीय जीव नष्ट हो गए थे। महाकुंभ की सफलता नमामि गंगे की सफलता को प्रदर्शित करता है। पीएम मोदी ने 2014 में गंगा मैया के लिए जो सपना देखा था, महाकुंभ की सफलता उसके साथ जुड़कर और नई ऊंचाइयों तक पहुंची है। अब गंगा नदी में फिर से जलीय जीव (डॉल्फिन) दिख रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कभी देश का मानचेस्टर कहा जाने वाला कानपुर टेक्सटाइल्स उद्यम के लिए माना जाता था, लेकिन जिनके मन में भारत और भारतीयता के प्रति नफरत थी, उन्होंने कानपुर की उद्यमिता को भी नष्ट करके रख दिया। यहां उद्योग बंद कर दिए गए, बेरोजगारी छाने लगी। जिस कानपुर की गिनती कभी देश के चार नगरों में होती थी, वह विरान सा हो गया। इसे कनेक्टिविटी से वंचित कर दिया गया। मां गंगा को प्रदूषित किया गया, एयरपोर्ट-उद्योग बंद हो गया। हर जगह लाचारी हो गई। जब कानपुर के साथ यह हो सकता है तो इन लोगों ने देश के साथ क्या नहीं किया होगा। अंग्रेज चले गए, लेकिन मानस उत्तराधिकारियों को देश लूटने के लिए छोड़ गए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 10 वर्ष में बदलते हुए कानपुर को देखा है। औद्योगिक वातावरण बनाने के लिए यहां फिर से मैन्युफेक्चरिंग कॉरिडोर, टेक्सटाइल्स के नए हब के रूप में विकसित करने के लिए फ्लेटेड फैक्ट्री का निर्माण कार्य चल रहा है। कानपुर दो-तीन महीने के अंदर रेडिमेड गारमेंट के नए केंद्र के रूप में फिर से विकसित होने जा रहा है। कानपुर फिर से एयरकनेक्टिविटी से जुड़ चुका है। कानपुर से दिल्ली समेत कई नगरों के बीच वंदे भारत प्रारंभ हो चुकी है। आउटर रिंग रोड हो या फिर लखनऊ-कानपुर के बीच ग्रीन फील्ड एक्सप्रेसवे का निर्माण। गंगा एक्सप्रेसवे के निर्माण के बाद पश्चिमी यूपी व पूर्वी यूपी की दूरी को कम करने में कानपुर से मदद मिलेगी। नए-नए इंफ्रास्ट्रक्चर का डवलपमेंट कानपुर के अंदर दिख रहा है। कानपुर अब वीरान और बिखरा नहीं, नए भारत के विकास-विरासत से जुड़ने वाले महानगर के रूप में दिख रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 2021 में कानपुर में मेट्रो के प्रथम चरण का कार्य पूर्ण हो गया है। कुछ ही महीने में इसके द्वितीय चरण का लोकार्पण करने जा रहे हैं। कानपुर मेट्रो- स्मार्ट सिटी और उद्योग को पुनर्जीवित करने वाला शहर हो गया है। आईआईटी कानपुर की मदद से यह इन-ोवेशन का नया हब बनकर फिर से उभर रहा है। आज सुबह भी विधानसभा अध्यक्ष व जनप्रतिनिधियों के साथ कानपुर के विकास की योजना को बढ़ाने की चर्चा हुई। सीएम ने बिठूर के विधायक को आश्वस्त किया कि ब्रह्मवर्त कॉरिडोर निर्माण और कनेक्टिविटी के गैप को भी ठीक करने के साथ बिठूर के गौरव को प्राप्त दिलाने में सरकार बढ़-चढ़कर कार्य करेगी। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना, पूर्व सांसद विनय सहस्रबुद्धे, प्रदेश सरकार की मंत्री प्रतिभा शुक्ला, अजीत पाल, सांसद रमेश अवस्थी, महापौर प्रमिला पांडेय, जिला पंचायत अध्यक्ष स्वप्निल अरुण, विधायक अभिजीत सिंह सांगा, सुरेंद्र मैथानी, नीलिमा कटियार, महेश त्रिवेदी, सरोज कुरील, राहुल बच्चा सोनकर, विधान परिषद सदस्य अरुण पाठक आदि मौजूद थे।

निर्माणाधीन कन्वेंशन सेंटर और मेट्रो स्टेशन का योगी ने किया निरीक्षण

कानपुर, 23 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को जनपद कानपुर नगर का दौरा कर शहर में चल रही विकास परियोजनाओं का जायजा लिया। अपने दौरे के दौरान उन्होंने चुन्नीगंज में निर्माणाधीन कन्वेंशन सेंटर और चुन्नीगंज मेट्रो स्टेशन का निरीक्षण किया। इस मौके पर उन्होंने अधिकारियों को गुणवत्ता के साथ समय से काम पूरा करने के सख्त निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने सबसे पहले 15,383.43 स्क्वायर मीटर में बन रहे निर्माणाधीन कन्वेंशन सेंटर का दौरा किया। यह सेंटर दो एग्जीबिशन हॉल, ऑडिटोरियम, कॉन्फ्रेंस हॉल, मीटिंग रूम, फूड कोर्ट, गेस्ट रूम, डायनिंग एरिया, बिजनेस सेंटर और एडमिन ब्लॉक से सुसज्जित होगा। सीएम योगी ने अधिकारियों से निर्माण की प्रगति पर जानकारी ली और इसे तय समय पर पूरा करने की हिदायत दी। इसके बाद मुख्यमंत्री ने चुन्नीगंज मेट्रो स्टेशन का निरीक्षण किया, जो कानपुर मेट्रो परियोजना का हिस्सा है। उन्होंने मेट्रो संचालन से जुड़ी तैयारियों का जायजा लिया और अधिकारियों को शीघ्र संचालन शुरू करने के निर्देश दिए। कानपुर में मेट्रो के दो कॉरिडोर पर काम चल रहा है- पहला आईआईटी कानपुर से नौबस्ता तक (21 स्टेशन) और दूसरा कानपुर विश्वविद्यालय से बर्रा-8 तक (8 स्टेशन)। कानपुर मेट्रो की सीएम योगी ने 2021 में शुरुआत की थी और अब दूसरे फेज का काम पूरा होने के बाद वह इसका भी शुभारंभ कर सकते हैं।

राणा सांगा को गद्दार कहने वाले की जीभ काटने पर इनाम

मथुरा के संत देंगे 11 लाख और हिंदू महासभा देगी 1 लाख

सपा सांसद रामजी लाल सुमन ने मांगी सार्वजनिक माफी

लखनऊ, 23 मार्च (एजेंसियां)। हिंदुपत (हिंदुओं के प्रमुख) कहलाने वाले मेवाड़ के महाराणा संग्राम सिंह उर्फ राणा सांगा को गद्दार बताने वाले सपा सांसद रामजी लाल सुमन को लेकर देशभर में आक्रोश फैलता जा रहा है। इससे नाराज कई लोगों ने सुमन का जुबान काटने पर लाखों रुपए का इनाम देने की घोषणा की है। वहीं, चौतरफा आलोचना झेल रहे रामजी लाल ने एक वीडियो जारी करके माफी मांगी है और कहा, मेरा मकसद किसी को ठेस पहुंचाना नहीं था।

आगरा में अखिल भारतीय हिंदू महासभा के कार्यकर्ताओं ने सपा सांसद का पुतला फूंका और जमकर नारेबाजी की। महासभा ने रामजी लाल के खिलाफ थाना हरि पर्वत में तहरीर देकर एफआईआर दर्ज कराने की मांग की है। हिंदू कार्यकर्ताओं ने कहा कि अगर 24 घंटे के अंदर सपा सांसद पर मुकदमा दर्ज नहीं किया गया तो उग्र आंदोलन किया जाएगा।

महासभा के महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष मीरा राठौड़ ने रामजी लाल का जीभ काटने वाले को एक लाख रुपए नकद देने की घोषणा की है। मीरा राठौड़ ने नोटों की गड्डियां दिखाकर यह ऐलान किया है। इसके अलावा, मथुरा स्थित सनातन धर्म रक्षापीठ के पीठाधीश्वर कौशल किशोर ठाकुर ने रामजी लाल का जीभ काटने वाले को 11,01,108 रुपए पुरस्कार देने की घोषणा की है।

कौशल विकास मिशन से 14 लाख युवकों को मिला प्रशिक्षण

आठ साल में 5.66 लाख को मिला रोजगार

लखनऊ, 23 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ सरकार के 8 साल पूरे होने के अवसर पर प्रदेशभर में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन भी अपनी उपलब्धियों का जश्न मनाएगा। 25, 26 और 27 मार्च को होने वाले आयोजनों में मिशन का भव्य स्टॉल लगाया जाएगा, जहां बीते 8 वर्षों में हासिल की गई सफलताओं को प्रदर्शित किया जाएगा।

योगी सरकार ने कौशल विकास मिशन के माध्यम से वर्ष 2017-18 से अब तक 14,13,716 युवाओं को विभिन्न क्षेत्रों में प्रशिक्षण दिया, जिससे वे रोजगार योग्य बन सके। इनमें से 5,66,483 युवाओं को प्रत्यक्ष रूप से रोजगार भी उपलब्ध कराया गया। इसके अलावा, 40 बड़े रोजगार मेलों का आयोजन किया गया, जिनमें 77,055 युवाओं को नौकरी मिली। उत्तर प्रदेश सरकार का कौशल विकास मिशन युवाओं को रोजगार के नए अवसर उपलब्ध कराकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित हो रहा है।

सरकार ने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए 45 जिलों में 27,000 से अधिक महिला स्वरोजगारियों को सिलाई-कढ़ाई का प्रशिक्षण दिया। साथ ही, दिव्यांगजनों के कौशल विकास के लिए 38 विशेष संस्थानों को अनुबंधित किया गया, जिससे हजारों दिव्यांगों को रोजगार के अवसर मिले। प्रदेश सरकार ने 24 बड़े औद्योगिक प्रतिष्ठानों को फ्लैक्सी ट्रेनिंग प्रदाता के रूप में अनुबंधित किया। इसके अलावा, जेवर एयरपोर्ट, फिल्म सिटी और इलेक्ट्रॉनिक्स व मीडिया सेक्टर में रोजगार की संभावनाओं को देखते हुए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं।

योगी सरकार के कार्यकाल में पहली बार जून 2018 में भारत सरकार व उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संयुक्त रूप से रीजनल स्किल कम्पटीशन का आयोजन किया गया, जिसमें उत्तर प्रदेश समेत 4 अन्य राज्यों के प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया। प्रदेश सरकार ने मिशन को कोर्सेरा जैसे अंतरराष्ट्रीय लर्निंग प्लेटफॉर्म से जोड़ा, जिससे 50,000 युवाओं को निःशुल्क प्रशिक्षण मिला और वे विश्वस्तरीय प्रमाणपत्र प्राप्त कर सके।

मथुरा में छाता चीनी मिल और गोरखपुर में एथेनॉल डिस्टलरी शीघ्र बनेगी

लखनऊ, 23 मार्च (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के शासन काल में गन्ना किसानों के हितों में कई बड़े अहम फैसले लिए गए हैं, जिससे न केवल गन्ना और चीनी उत्पादन में वृद्धि हुई है साथ ही प्रदेश के आर्थिक विकास में भी गन्ना किसानों के योगदान में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। सीएम योगी के मार्गदर्शन में जहां एक ओर सालों से बंद पड़ी छाता, मथुरा में चीनी मिल तो वहीं दूसरी ओर पिपराइच, गोरखपुर में नई एथेनॉल डिस्टलरी की परियोजना धरती पर उतरने जा रही है। छाता चीनी मिल और पिपराइच डिस्टलरी के लिये ई-निविदाओं की प्रक्रिया चल रही है, जिसके पूरी होते ही निर्माण कार्य भी शीघ्र ही शुरू हो जाएगा। साथ ही सीएम योगी के 8 वर्ष के शासन काल में गन्ना किसानों का रिकॉर्ड भुगतान किया गया है। इस वर्ष भी गन्ना किसानों की देय के 88 प्रतिशत राशि का भुगतान हो चुका है, शेष भी जल्द ही पूरा हो जाएगा।

वर्ष 2025-26 के बजट में छाता, मथुरा में 3000 टीडीसी क्षमता की चीनी मिल और पिपराईच, गोरखपुर में 120 केपीएलडी की एथेनॉल डिस्टलरी की स्थापना की घोषणा की गई थी।

वर्तमान में दोनों इकाईयों के निर्माण के लिए निविदा प्रक्रिया चल रही है। अगले माह में निविदा प्रक्रिया पूरी होते ही निर्माण कार्य शुरू हो जाएगा। वर्ष 2009 से बंद पड़ी छाता, मथुरा की चीनी मिल के शुरू होने से क्षेत्र के गन्ना किसानों में उत्साह है। चीनी मिल की क्षमता को 2000 टीडीएस से बढ़ा कर 3000 टीडीएस की जा रही है। साथ ही मिल की क्षमता को 4900 टीडीएस तक भी विस्तृत की जा सकेगी। मिल की स्थापना क्षेत्र के गन्ना किसानों के लिए एक बड़ी सौगात है। इसके साथ ही गोरखपुर जिले में स्थित पिपराइच की सुगर मिल में एथनॉल डिस्टलरी की स्थापना के लिए बजट में 90 करोंड़ रूपये स्वीकृत किये थे। वर्तमान में 120 केपीएलडी क्षमता की एथेनॉल की डिस्टलरी की स्थापना के लिए निविदा प्रक्रिया भी अंतिम चरण में है जो अगले माह पूरी होती ही निर्माण प्रक्रिया शुरू हो जाएगी।

यूपी में योगी सरकार ने पिछले 8 सालों में गन्ना किसानों को रिकार्ड 2.80 लाख करोंड़ रूपये का भुगतान किया है। जबकि पिछली सरकारों में गन्ना किसान दस-दस साल तक राशि के भुगतान के लिए परेशान रहते थे। यहीं नहीं पिछली सरकारों ने 1995 से 2017 तक 22 वर्षों में गन्ना किसानों को केवल 66.703 करोड़ रुपए का भुगतान किया था। इस वर्ष भी गन्ना किसानों के लिए बजट में 475 करोंड़ रूपये की राशि स्वीकृत की गई है। जिसमें से 88 प्रतिशत राशि का वितरण किया जा चुका है। शेष राशि के भुगतान को शीघ्र ही पूरी करने की प्रक्रिया चल रही है। जो प्रदेश के गन्ना किसानों की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने के साथ गन्ना और उससे संबंधित उत्पादों के उत्पादन को भी प्रोत्साहन देगा। सीएम योगी ने बागपत में अपनी एक जनसभा में इसे एक ऐतिहासिक कार्य बताया था। उन्होंने बताया कि वर्तमान में गन्ना किसान और गन्ने के उत्पाद प्रदेश की अर्थव्यवस्था में 1.09 लाख करोड़ रुपए का जी.वी.ए. में यो-गदान दे रहा है।

कानपुर मंडल के विकास और कानून-व्यवस्था की योगी ने समीक्षा की

कानपुर, 23 मार्च (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को कानपुर नगर के नवीन सभागार सरसैया घाट में मंडलीय समीक्षा बैठक की। इस दौरान उन्होंने विकास कार्यों और कानून-व्यवस्था की स्थिति का जायजा लिया। बैठक में जनप्रतिनिधियों ने उन्हें क्षेत्रीय समस्याओं से अवगत कराया, जिनके समाधान के लिए मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को ठोस निर्देश दिए। सड़कों के चौड़ीकरण से लेकर सीवर समस्या, अतिक्रमण हटाने और आईटी हब की स्थापना तक, कई मुद्दों पर मुख्यमंत्री ने महत्वपूर्ण दिशा निर्देश प्रदान किए। मुख्यमंत्री ने महाकुंभ और होली के सफल आयोजन के लिए अधिकारियों को बधाई दी और विकास कार्यों में तेजी लाने के लिए नोडल अधिकारियों की नियुक्ति का निर्देश दिया। बैठक में दिए गए दिशा-निर्देशों को प्राथमिकता के आधार पर लागू करने पर जोर दिया गया।

मुख्यमंत्री ने कानपुर सहित मंडल के सभी जनपदों में सड़कों के चौड़ीकरण और पुनर्वास कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बढ़ते जनसंख्या घनत्व को देखते हुए यह जरूरी है। उन्होंने ट्रैफिक समस्या के समाधान के लिए होमगार्ड व पीआरडी जवानों को प्रशिक्षण देने का आदेश दिया। ग्रीन पार्क का पुराना गौरव लौटाने के लिए स्टेडियम निर्माण और कन्वेंशन सेंटर के पास 500-1000 गाड़ियों की पार्किंग का प्रस्ताव तैयार करने को कहा। जिले में

इंटीग्रेटेड मंडलीय हेडक्वार्टर बनाने के निर्देश दिए, ताकि सभी अधिकारी एक ही स्थान पर कार्य करें और जनता को सुविधा हो। साथ ही, आईटी हब की स्थापना और अमृत 2 योजना के तहत सीवर कार्य के लिए प्रस्ताव बनाने का आदेश दिया।

मुख्यमंत्री ने गो-तस्करी, लव जिहाद, भूमि और खनन माफिया पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। चेन स्नेचिंग और लूटपाट रोकने के लिए फुट पैट्रोलिंग बढ़ाने को कहा। आगामी चैत्र नवरात्रि और ईद के लिए सुरक्षा और सुविधाओं की पूरी व्यवस्था करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को नियमित जनसुनवाई करने और जनप्रतिनिधियों के फोन रिसीव करने का निर्देश दिया। उन्होंने ग्राम सचिवालयों को बढ़ाने और उनमें वाई-फाई व ऑप्टिकल फाइबर की सुविधा देने की बात कही। टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत निक्षय मित्र बनाने और सिटी फॉरेस्ट को विकसित करने का आदेश दिया।

मुख्यमंत्री ने 25, 26 और 27 मार्च को तीन दिवसीय जनपदीय विकास उत्सव आयोजित करने के निर्देश दिए, जिसमें 6 सत्रों में लाभार्थी, उद्यमी, महिला, किसान, व्यापारी और युवाओं को शामिल किया जाएगा। साथ ही, सीएम युवा उद्यमी योजना के तहत जनजागरूकता बढ़ाने और एक लाख लोगों को ऋण देने का लक्ष्य रखा गया।

बैठक में विधायकों, सांसदों और अन्य जनप्रतिनिधियों ने क्षेत्रीय समस्याओं से मुख्यमंत्री को अवगत कराया। बिल्हौर विधायक राहुल बच्चा सोनकर ने बिल्हौर न्यायालय को कानपुर जिला न्यायालय से जोड़ने, गोविंद नगर विधायक सुरेंद्र मैथानी ने फजलगंज से एयरपोर्ट कनेक्टिविटी और अधिवक्ता संरक्षण अधिनियम लागू करने की मांग की। घाटमपुर विधायक सरोज कुरील ने बालिका इंटर कॉलेज, 50 बेड का अस्प-ताल और मिनी बस स्टैंड की जरूरत बताई। किदवई नगर विधायक महेश त्रिवेदी ने मेट्रो निर्माण के दौरान सर्विस लेन न बनने को लेकर क्षेत्रीय जनता की परेशानी से अवगत कराया। एमएलसी अरुण पाठक ने साकेत नगर और केशव नगर में सीवर लाइन की समस्या और किसानों के नलकूपों के भारी बिजली बिल का मुद्दा उठाया।

डिप्रेशन से डरें नहीं

जिंदगी हमें तरह-तरह के रंग दिखाती है। इसमें हमें कभी खुशियों की सौगात मिलती है, तो कभी दुख का अहसास भी होता है। कई बार हमारे जीवन का दुख काफी लंबा हो जाता है जो, डिप्रेशन यानी अवसाद का कारण बन सकता है। यह जीवन पर पडने वाला ऐसा काला साया है, जिससे जीवन के प्रति रुचि खत्म होने लगती है और दिन-प्रतिदिन के कामकाज से भी मन उचट जाता है, लेकिन अब इस मनोरोग से छुटकारा संभव है... डिप्रेशन के कई कारण हो सकते हैं। किसी व्यक्ति के निजी जीवन से जुड़ी कई बातें भी डिप्रेशन केलिए जिम्मेदार होती हैं। जैसे हमारे जीवन में आने वाले महत्वपूर्ण पड़ाव जिसमें किसी प्रियजन का बिछड़ना, नौकरी का छूट जाना, विवाह संबंधों में टूटन, शिक्षा के क्षेत्र में असफलता और इस तरह की अन्य समस्याएं अवसाद का कारण बनती हैं। इसके अलावा जीवन के प्रति नकारात्मक सोच रखने वाले लोग अवसाद या डिप्रेशन से कहीं ज्यादा ग्रस्त होते हैं। जैसे वे सोचते हैं कि मैं सफल नहीं होऊंगा, इसलिए यह कार्य नहीं कर सकता या फिर कई लोगों के मन में हमेशा कुछ न कुछ अनहोनी का डर बना रहता है जिससे उनके अवसाद में जाने का खतरा बना रहता है। कुछ समस्याएं ऐसी हैं, जिनके कारण व्यक्ति अवसाद में जा सकता है। जैसे थायराइड से संबंधित बीमारियां, विटामिन डी की कमी और पारिवारिक, सामाजिक और आर्थिक समस्याएं आदि। कुछ दवाओं के साइड इफेक्ट्स के कारण भी व्यक्ति डिप्रेशन की स्थिति में पहुंच सकता है।

उदासी या एकाकीपन

अगर व्यक्ति डिप्रेशन या अवसाद से ग्रस्त है, तो उसका किसी काम या विषय में मन नहीं लगता। हालांकि सामान्य उदासी अवसादग्रस्त उदासी से बिल्कुल भिन्न है। अवसादग्रस्त व्यक्ति की विभिन्न वस्तुओं या विषयों से रुचि खत्म हो जाती है, उसे खुशी या गम का अहसास नहीं होता। वह अपनी ही दुनिया में खोया रहता है।

नकारात्मक रवैया: किसी भी तरह की सकारात्मक सोच पर ये लोग ध्यान नहीं देते। ऐसे व्यक्ति पर नकारात्मक सोच हावी रहती है।

शारीरिक अस्थिरता

अगर व्यक्ति अवसादग्रस्त है, तो उसे या तो अत्यधिक नींद आती है या फिर नींद कम आती है। कई बार आधी रात को ही नींद खुल जाती है। अवसादग्रस्त व्यक्ति को भूख कम लगती है और उसका स्वभाव चिड़चिड़ा हो जाता है। अवसाद आनुवांशिक कारणों से भी संभव है। अवसाद किसी भी उम्र में किसी को भी हो सकता है। अवसाद के भी विभिन्न स्तर हैं, जो इस प्रकार हैं- मेजर, क्रॉनिक, मैनिएक और अन्य प्रकार के अवसाद।

मेजर डिप्रेशन

एक गंभीर समस्या डिप्रेशन का सबसे सामान्य रूप है- मेजर डिप्रेशन। इसके कुछ लक्षण इस प्रकार हैं...

- पीड़ित व्यक्ति अत्यधिक दुख, हताशा, ऊर्जा की कमी और चिड़चिड़ापन महसूस करता है।
- किसी काम में ध्यान न लगना। नींद और खाने की आदतों में परिवर्तन।
- शारीरिक दर्द और आत्महत्या जैसे विचारों का अहसास।

इलाज: मेजर डिप्रेशन से पीड़ित व्यक्ति कम से कम दो हफ्ते से ज्यादा समय तक अगर उपर्युक्त लक्षणों से ग्रस्त हैं, तो उसके परिजनों को मनोचिकित्सक से परामर्श लेना चाहिए। अच्छी बात यह है कि मेजर डिप्रेशन की चपेट में आने वाले 80 से 90 प्रतिशत व्यक्ति उचित इलाज से ठीक हो जाते हैं। इलाज के अंतर्गत दवाएं और मरीज के साथ ही उसके परिजनों की काउंसलिंग की जाती है। इसके अलावा पीड़ित व्यक्ति को कॉग्निटिव बिहेवियर थेरेपी (मरीज के सोचने के ढंग को बदलने के लिए प्रेरित करना) भी दी जाती है।

बाइपोलर डिसऑर्डर

बाइपोलर डिसऑर्डर को मैनिएक डिप्रेशन भी कहा जाता है, जो मानसिक चंचलता और मानसिक दिक्कतों का कारण बनता है। जब व्यक्ति अवसादग्रस्त होता है, तब वह दुखी या हताश महसूस करता है और किसी भी क्रियाकलाप के प्रति दिलचस्पी खो देता है, लेकिन जब उसका मूड दूसरी दिशा में शिफ्ट होता है, तब वह ऊर्जा से भरपूर और उल्लासमय नजर आता है। मूड का इस तरह बदलना जीवन में कई बार हो सकता है। कुछ लोगों में यह बीमारी गंभीर रूप ले लेती है। **इलाज:** विशेषज्ञ की सलाह पर ट्रीटमेंट लेना आवश्यक है। ज्यादातर मामलों में बाइपोलर डिसऑर्डर को दवाओं और काउंसलिंग के जरिएनियंत्रित किया जा सकता है।

अल्जाइमर से भूली बातें वापस आ सकती हैं याद

अल्जाइमर के कारण लोग बातें भूल जाते हैं। उन्हें याद दिलाना जटिल काम है। लेकिन नोबेल पुरस्कार से सम्मानित सुसुमु तोनेगावा ने अपने नए शोध के आधार पर पाया है कि दिमाग के एक खास हिस्से में नीली रोशनी डालने से याददाश्त वापस लाई जा सकती है। जापानी वैज्ञानिक सुसुमु को जेनेटिक मैकेनिज्म में उनकी खोज के लिए 1987 में मेडिसिन में नोबेल पुरस्कार मिला था। वे बहुमुखी प्रतिभा के धनी हैं। वे मोल्येकुलर (आणविक) जीवविज्ञानी हैं। लेकिन उन्हें इम्यूनोलॉजी (रोगक्षमता विज्ञान) में काम के लिए नोबेल पुरस्कार मिला। अब वे न्यूरोसाइंस (तंत्रिका विज्ञान) के क्षेत्र में काम कर रहे हैं। सुसुमु की टीम ने अभी चूहे तक ही प्रयोग किया है और वे सफल रहे हैं। उनका कहना है कि याददाश्त के मामले में चूहे और आदमी में एक समान चीजें पाई जाती हैं इसलिए यह संभावना बनी है। अल्जाइमर के शुरुआती स्टेज में तो इसकी संभावना ज्यादा है कि याददाश्त वापस लाई जाए। इस प्रयोग के बारे में 'नेचर' जर्नल में इस टीम का लेख छपा है।

कैसे किया

इसके लिए चूहे में जेनेटिक बदलाव लाया गया ताकि उसके दिमाग में उस तरह की स्थिति लाई जा सके जो अल्जाइमर की शुरुआत में होती हैं। ऐसे कई चूहों को एक बक्से में रखा गया जिसके पेंदे में काफी कम स्तर का बिजली का करेंट दिया गया। यह उनके लिए असुविधाजनक तो था लेकिन खतरनाक नहीं था। इसका मकसद उनके पैरों को शॉक ट्रीटमेंट देना था। थोड़े दिनों बाद दिमाग की स्कैनिंग से लगा कि वे कुछ बातें भूल गए हो सकते हैं। फिर, उन चूहों के सिर के एक खास हिस्से को लेजर से नीली रोशनी डालकर उत्तेजित किया गया। इस हिस्से को 'एनग्राम सेल्स' कहते हैं। इससे उन्हें उस शॉक की याद आने लगी।

क्या संभावनाएं हैं

सामान्य चूहे पर भी इसी तरह के प्रयोग किए गए। इसका मकसद यह देखना था कि उनके दिमाग पर वही असर होता है या वे सामान्य तरीके से व्यवहार करते हैं। सामान्य तरीके का व्यवहार पाए जाने के बाद यह पाया गया कि अल्जाइमर का इस तरह इलाज किया जाना संभव है। चूंकि इसमें ऑप्टिकल (प्रकाशीय) तरीके का इस्तेमाल किया जा रहा है इसलिए इसे ऑप्टोजेनेटिक्स नाम दिया गया है। आने वाले दिनों में इस तरह के प्रयोग लोगों पर भी किए जाएंगे।

चेहरे के अनचाहे बालों से ऐसे पाएं छुटकारा

चेहरे के अनचाहे बाल खूबसूरती में दाग की तरह होते हैं, इनके कारण आपको परेशानी हो सकती है। चेहरे के इन बालों को हटाने के लिए आप कई कोशिशें करते हैं लेकिन फिर से ये बाल आपके चेहरे पर उग जाते हैं। अनचाहे बाल किसी शारीरिक कमी के कारण नहीं बल्कि हार्मोंस असंतुलन के कारण आते हैं। अगर आपके चेहरे पर भी अनचाहे बाल हैं तो इसके लिए परेशान होने की जरूरत नहीं है, बल्कि कुछ आसान तरीकों को आजमाकर आप इन से आसानी से छुटकारा पा सकते हैं।

वैक्सिंग के जरिए

यह चेहरे के अनचाहे बालों को हटाने का बहुत ही आसान तरीका है, इसका प्रयोग आसानी से किया जा सकता है। वैक्सिंग के द्वारा चेहरे के किसी भी हिस्से में मौजूद बालों को हटाया जा सकता है। इससे अनचाहे बाल पूरी तरह साफ हो जाते हैं और आपके चेहरे की त्वचा मुलायम हो जाती है। चेहरे के बाल हटाने के लिए कटोरी वैक्सिंग की जाती है। वैक्सिंग के बाद बाल लंबे समय तक दोबारा नहीं आते, क्योंकि यह चेहरे की त्वचा के अंदर जड़ों से बालों को निकालता है।

ब्लीचिंग के द्वारा

अगर आपके चेहरे और कनपटियों के आसपास हल्के-हल्के रोएं दिखाई देते हैं तो उन्हें छिपाने के लिए ब्लीचिंग कर सकती हैं। लेकिन ब्लीचिंग करने से पहले अपनी त्वचा के प्रकार को ध्यान में रखें, यह भी देख लीजिए कि क्या यह आपकी त्वचा को सूट भी कर रहा है या नहीं। इसके लिए तैयार की हुई ब्लीच को अपनी हथेली पर लगाकर देखिए, इसके बाद ही इसका प्रयोग करें। ब्लीचिंग करने से पहले एक बात और ध्यान रखें यह रोएं हटाने का स्थाई उपचार नहीं है बल्कि यह तरीका आपको समय-समय पर दोहराना पड़ेगा।

थ्रेडिंग और ट्वीजिंग से

चेहरे के अनचाहे बालों को हटाने के लिए थ्रेडिंग और ट्वीजिंग का प्रयोग कीजिए। चेहरे के अनचाहे बाल ज्यादातर अनचाहे बाल ठोड़ी, होंठों के उपर और कपोल पर ही होते हैं। थ्रेडिंग के जरिए चेहरे के अनचाहे बालों से छुटकारा मिल सकता है। ये भी यह वैक्सिंग की तरह अनचाहे बालों को बढ़ने से रोकती है। आईब्रो को सही आकार देने के लिए भी थ्रेडिंग की जाती है। इन बालों को कैंची से नहीं काटना चाहिए क्योंकि यह स्थाई उपचार नहीं हैं। ठोड़ी पर आए अनचाहे बालों को आप प्लकिंग करके भी निकाल सकते हैं, इसके लिए आइब्रो-ट्वीजर चिमटी का प्रयोग बेहतर माना जाता है।

हेयर रिमूविंग क्रीम

चेहरे के बालों को हटाने के लिए हेयर रिमूवर क्रीम का प्रयोग कीजिए। इससे अनचाहे बालों को हटाने में कोई दर्द नहीं होता और न ही ज्यादा समय लगता है। लेकिन इसका प्रयोग करने का सबसे ज्यादा नुकसान यह है कि इससे अनचाहे बाल दोबारा जल्दी उग आते हैं। साथ ही इस बात का ध्यान रखें कि हेयर रिमूवर क्रीम का इस्तेमाल कभी भी अपने चेहरे पर न करें।

इलेक्ट्रोलिसिस

होंठों के ऊपर आने वाले बालों के लिए प्लकिंग न करते हुए इलेक्ट्रोलिसिस का प्रयोग अच्छा माना जाता है। हालांकि इस तकनीक से आप शरीर के अन्य हिस्सों के बाल भी हटा सकते हैं। इलेक्ट्रोलिसिस के दौरान बिजली के हल्के करंट का प्रयोग किया जाता हैं। लेकिन इस तकनीक के प्रयोग के लिए आपको कुछ हफ्तों तक इसका प्रयोग करना आवश्यक है तभी आप स्थाई रूप से अनचाहे बालों से मुक्ति मिल सकती है।

लेजर तकनीक

लेजर से चेहरे के अनचाहे बालों को स्थाई रूप से हटाया जा सकता है क्योंकि लेजर से बालों को हमेशा के लिए जड़ से खत्म किया जाता है। लेजर की किरणों को बालों की जड़ पर केंद्रित किया जाता है, जिससे बाल हमेंशा के लिए नष्ट हो जाते हैं। इसमें लगभग सात से 8 सिटिंग्स लगती हैं।

इसके अलावा चेहरे के बालों को हटाने के लिए आप घरेलू नुस्खों का प्रयोग कर सकते हैं। लेकिन कोई भी तरीका आजमाने से पहले अपने चेहरे की संवेदनशीलता को जरूर मापें। अगर किसी प्रकार की समस्या हो तो त्वचा रोग विशेषज्ञ से सलाह लें।

बौनेपन का इलाज संभव

बौनापन भी अब लाइलाज नहीं रहा। ग्रोथ हार्मोन इंजेक्शन लगाकर इसका ट्रीटमेंट संभव है... जब लंबाई 147 सेमी. से कम हो तो उसे बौना व्यक्ति कहा जाता है। लेकिन हर बौने व्यक्ति के शरीर के लक्षण एक-दूसरे से भिन्न होते हैं। बौने व्यक्ति के शरीर के सभी भागों की लंबाई, असंगत (डिस्प्रपोशनेट) होती है, हाथ लंबे होते हैं, पैर छोटे होते, पैर बड़े हो तो हाथ छोटे होते हैं। पेट व छाती की बनावट भिन्न होती है। इस तरह की बनावट में शरीर के अंगों में सामंजस्यता नहीं पाई जाती है। संगत (प्रपोशनेट) बौनापन में शरीर के सभी अंग सामान्य से छोटे होते हैं।

बौनेपन के प्रकार

शरीर के अंगों की लम्बाई व बनावट के आधार पर इनका वर्गीकरण निम्न वर्गों में किया गया है।

- **रोजोमेलिक:** इस तरह के बौने व्यक्तियों में बाजू और जांघ बहुत छोटे होते हैं। बाकी शरीर सामान्य होता है।
- **मिजोमेलिक:** इनमें बाजू के अग्र भाग और पैरों की लम्बाई सामान्य से बहुत कम होती है। बाकी शरीर सामान्य होता है।
- **एक्रोमेलिक:** जब पैर व हाथ दोनों ही बहुत ज्यादा छोटे होते हैं बाकि शरीर की लम्बाई सामान्य होती है।
- **माइक्रोमेलिक:** जब हाथ व पैरों की लम्बाई सामान्य से बहुत कम होती है।

कारण: शरीर से जुड़ी 300 तरह की बीमारियों में से कोई एक बौनेपन का कारण होती है लेकिन इससे ग्रसित 70 प्रतिशत व्यक्तियों में बौनेपन की वजह पीयूष ग्रंथि द्वारा स्त्रावित ग्रोथ हार्मोन का न बनना होता है। दूसरा मुख्य कारण जिसे एकोण्ड्रोप्लेजिया कहते हैं इसमें शरीर के जोड़ों में असमानता व लचीलापन होता है। यह समस्या आनुवांशिक होती है। इसमें एफजीएफआर-3 नामक जीन में बदलाव से हड्डियों की वृद्धि नहीं होने के कारण बौनापन हो जाता है।

उपचार: एक साल की उम्र तक बच्चे का उचित विकास न हो तो माता-पिता को एंडोक्रायोनोलॉजिस्ट या न्यूरोसर्जन से संपर्क करें। विशेषज्ञ बच्चे को तीन साल तक ऑब्जर्वेशन में रखने के बाद बौनेपन के बारे में निर्णय लेते हैं। 5-7 साल की उम्र में ग्रोथ हार्मोन इंजेक्शन लगाए जाते हैं। हर तीन माह में रक्त जांच करके हार्मोंस वृद्धि का पता लगाया जाता है। यदि नतीजे पॉजिटिव होते हैं तो दोबारा इंजेक्शन लगाया जाता है। यह प्रक्रिया 13-15 साल की उम्र तक चलती है। रक्त में ग्रोथ हार्मोन की सामान्य मात्रा औसतन 4-17 माइक्रोमिलिलीटर होनी चाहिए। यदि इस हार्मोन की कमी होती है तो विशेषज्ञ की देखरेख में समय-समय पर ग्रोथ हार्मोन के इंजेक्शन देकर खून में इसके स्तर को सामान्य रखने का प्रयास किया जाता है।

निदान व जांच

बौनेपन की पहचान बाल्यावस्था में बच्चे के विकास की गति और लक्षणों से की जा सकती है। जब बच्चे की लम्बाई उम्र के अनुसार न होकर बहुत ही धीमी गति से हो तो यह भी बौनेपन का एक लक्षण हो सकता है। वर्तमान में विभिन्न जांचों में मुख्य रूप से खून में ग्रोथ हार्मोन के स्तर की जांच प्रारंभिक अवस्था में करने पर यह तय किया जा सकता है कि कहीं इसकी कमी के कारण बच्चा भविष्य में बौनेपन का शिकार तो नहीं हो जाएगा? यदि रक्त में इसका स्तर सामान्य पाया जाए और यदि बच्चे में वंशानुगत जांच एफजीएफआर-3 जीन में त्रुटि पाई जाए तो बाल्यावस्था में ही बौनेपन की बीमारी को पहचाना जा सकता है। बच्चे के शरीर के सभी जोड़ों के एक्स-रे व एमआरआई से प्रारम्भिक अवस्था में ही बौनेपन की पहचान की जा सकती है। यदि बच्चे की लम्बाई कम है और जांच में कोई बीमारी न मिले तो उसे बौनापन नहीं कहकर छोटे कद का व्यक्ति कहा जाता है।

दूर होगी अनिद्रा की शिकायत

एक बार अकबर ने बीरबल से पूछा कि इस दुनिया में सबसे प्यारी चीज क्या है? बीरबल ने जवाब दिया- नींद। जीने के लिए खाना जितना जरूरी है उतनी ही नींद भी। रिसर्च के अनुसार इंसान 12-15 दिन तक बिना खाये रह सकता है लेकिन बिना सोए छः दिन से ज्यादा नहीं रह सकता। तो ऐसे में नींद की जरूरत को समझा जा सकता है। शहरीकरण का सबसे ज्यादा नुकसान इंसान को अपनी नींद खोकर चुकाना पड़ा है। आज अधिक से अधिक शारीरिक और मानसिक मेहनत कर लेने के बावजूद अनिद्रा की समस्या के मामले बढ़ रहे हैं।

इनसोमनिया डिसऑर्डर: इंसान में कई तरह के स्लीपिंग डिसऑर्डर पाए जाते हैं। उनमें इनसोमनिया डिसऑर्डर सबसे ज्यादा होने वाली बीमारी है। इस बीमारी में मरीज रात को बिस्तर में लेटने के बाद भी जगे रहता है। पूरी कोशिश के बाद भी मरीज को नींद नहीं आती और वह बिस्तर पर लेटकर करवटें बदलता रहता है। विशेषज्ञों के अनुसार 18 से 40 वर्ष तक के आयु वाले हर इंसान को 6 घंटे की नींद जरूरी होती है। लेकिन आज देर रात तक जागकर काम करने को लोगों ने क्रिएटिविटी का नाम दिया है। रात तक जागकर काम करने से एक समय के बाद अनिद्रा की शिकायत होना आम समस्या बन जाती है। ऐसे में एक समय के बाद रात को नींद नहीं आती।

4-7-8 ब्रीथिंग ट्रिक: गीता पिछले कई दिनों से रातों को सो नहीं पा रही थी। उसने जब एक सप्ताह रातों को करवटें बदलकर काटे तो उसने विशेषज्ञ से परामर्श लेने के बारे में सोचा। गीता ने जब अपने फैमिली डॉक्टर से इस समस्या के बारे में बताया तो उन्होंने गीता को 4-7-8 ब्रीथिंग ट्रिक की सलाह दी। सबसे आश्चर्य की बात है की ये ट्रिक गीता के लिए फायदेमंद साबित हुई।

ये ट्रिक है क्या?: इस ट्रिक की खोज हार्वर्ड से पढ़े डॉ एंड्रयू वेल ने की, जिन्होंने मेडिटेशन, ब्रिथिंग और तनाव मुक्त करने पर स्टडी की है। यह ट्रिक करने में काफी आसान है और इसे करने में मुश्किल से एक मिनट से भी कम समय लगता है। नाक से चार सकेंड तक के लिए सांस लें, सात सकेंड तक इसे रोक कर रखें, और आठ सकेंड तक इसे छोड़ते रहें। इससे हार्टबीट स्लो होती है और ब्रेन में एक केमीकल रीलिज होता है जिससे हमें आराम मिलता है। जब हम तनाव में होते हैं तो एंडोक्राइन सिस्टम एड्रेनल ग्लैंड से एड्रेनालाइन रीलिज करता है। इससे हार्टबीट बढ़ती है और शरीर में तनाव पैदा होता है। इस ब्रीथिंग ट्रिक के जरिये जो केमीकल रीलिज होता है वो एड्रेनालाइन का काउंटरएक्ट होता है जो हार्टबीट को धीरे करता है। शुरुआत में ये ट्रिक थोड़ी अनकम्फर्टेबल लगती है। लेकिन लगातार उपयोग से आपके शरीर और दिमाग दोनों को आराम मिलता है।

इस तकनीक को आजमाने के बाद भी अगर आपकी समस्या का समाधान नहीं हो रहा है तो चिकित्सक से परामर्श अवश्य लें।

संपादकीय

नकली पर नकेल

लंबे समय से हरियाणा के किसान घटिया बीज व कीटनाशक बाजार में बेचे जाने के आरोप लगाते रहे हैं। जिसके चलते उन्हें भारी नुकसान उठाना पड़ रहा था। एक तो इस बाबत बने कानून सख्त नहीं थे। वहीं निगरानी करने वाले तंत्र की काहिली भी मिलावटी कृषि इनपुट बेचने वालों के हौसले बुलंद कर रही थी। इस दिशा में हरियाणा सरकार ने सार्थक पहल की है। हरियाणा सरकार ने बीज अधिनियम, 1966 और कीटनाशक अधिनियम, 1968 में संशोधन करके नकली उत्पाद बेचने वाले अपराधी तत्वों पर नकेल कसने की कोशिश की है। निश्चय ही घटिया कृषि उत्पादों को रोकने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है। दरअसल, नकली बीजों और घटिया कीटनाशकों के कारण किसानों को भारी नुकसान होने की रिपोर्ट बार-बार आ रही थी। जिसके आलोक में यह कदम सरकार ने उठाया है। इस सार्थक पहल में कड़े प्रावधानों के जरिये ऐसे अपराध को संज्ञेय और गैर जमानती बनाया गया है। यदि कोई व्यक्ति बार-बार ऐसा अपराध करता पाया जाता है तो उसके लिये सजा को कड़ा किया गया है। उल्लेखनीय है कि कई बार ऐसी करतूत करने वालों के लिये तीन साल की कैद और पांच लाख रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान रखा गया है। यह कदम महत्वपूर्ण है क्योंकि पुराने कानून में सिर्फ पांच सौ रुपये से कम का जुर्माना निर्धारित था। जिसके चलते अपराधियों में किसी तरह का कानून का डर नहीं रह गया था। जिसके चलते कानून ऐसी गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने में सक्षम नजर नहीं आ रहा था। उल्लेखनीय है कि सख्त कानून के अभाव और नियामक तंत्र की कोताही के चलते लंबे समय से किसान ठगी के बाजार का खामियाजा भुगत रहे थे। हाल का एक चौंकाने वाला मामला टोहाना में प्रकाश में आया, जिसमें नकली कीटनाशकों के छिड़काव के चलते 60 एकड़ के खेतों में खड़ी धान की फसल नष्ट हो गई थी। इस प्रकार के नुकसान के स्तर से पता चलता है कि धांधली किस स्तर पर की जा रही है। वहीं दूसरी ओर सिरसा में भी ऐसा ही मामला प्रकाश में आया था, जहां किसानों को बिना उचित लेबलिंग के नकली उत्पाद बेचकर धोखा दिया गया। ये घटनाएं इस बात की आवश्यकता बता रही थी कि सरकार इस दिशा में तत्काल हस्तक्षेप करे। निश्चित रूप से नकली उत्पादों की बिक्री से किसानों को होने वाला नुकसान चौंकाने वाला है। वहीं दूसरी ओर किसानों द्वारा लाखों रुपये नुकसान होने पर जब रिपोर्ट दर्ज करायी जाती थी तो अकसर अपराधी मामूली दंड के साथ बच निकलते थे। उनकी धांधली की गतिविधियां फिर दूसरी जगह शुरू हो जाती थी। यही वजह थी कि पीड़ित किसानों को पर्याप्त मुआवजा या कोई अन्य सहारा नहीं मिल पाता था। लेकिन इसके साथ यह भी स्पष्ट है कि सिर्फ सख्त कानूनी प्रावधान ही इस तरह की मिलावटी कीटनाशकों व बीजों की बिक्री पर रोक लगाने में सक्षम होंगे, इस बात में संदेह हैं। इसके लिए जरूरी है कि औचक निरीक्षण और बेहतर शिकायत निवारण तंत्र स्थापित किया जाए। साथ ही कृषि विभाग के अधिकारियों की भी जवाबदेही तय की जानी चाहिए। न्यायपालिका को भी इन नकली कृषि इनपुट बेचने वाले अपराधियों के मामले में त्वरित सुनवाई सुनिश्चित करनी चाहिए। तभी ऐसे अपराधियों को कानून की खामियों का फायदा उठाने से रोका जा सकता है। वहीं दूसरी ओर किसानों को जागरूक करने के लिये पूरे हरियाणा में मुहिम चलाने की जरूरत है। दरअसल, यह भी एक हकीकत है कि बाजार में विश्वसनीय विकल्पों की कमी के कारण कई किसान अभी भी फर्जी विक्रेताओं के झांसे में आ जाते हैं। राज्य सरकार के बजट में हर जिले में बीज परीक्षण प्रयोगशालाएं स्थापित करने का प्रावधान किया गया है। जो कि एक स्वागत योग्य कदम है। इसके अलावा कृषि उत्पाद बेचने वाले डीलरों को लेकर भी सतर्कता बरतने की जरूरत है। इसमें सख्त लाइसेंसिंग नियम मददगार हो सकते हैं। निश्चित रूप से नकली बीजों और कीटनाशकों पर कार्रवाई सिर्फ कानून तक ही सीमित नहीं रहनी चाहिए।

हरियाणा सरकार ने बीज अधिनियम, 1966 और कीटनाशक अधिनियम, 1968 में संशोधन करके नकली उत्पाद बेचने वाले अपराधी तत्वों पर नकेल कसने की कोशिश की है। निश्चय ही घटिया कृषि उत्पादों को रोकने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है। दरअसल, नकली बीजों और घटिया कीटनाशकों के कारण किसानों को भारी नुकसान होने की रिपोर्ट बार-बार आ रही थी। जिसके आलोक में यह कदम सरकार ने उठाया है। इस सार्थक पहल में कड़े प्रावधानों के जरिये ऐसे अपराध को संज्ञेय और गैर जमानती बनाया गया है। यदि कोई व्यक्ति बार-बार ऐसा अपराध करता पाया जाता है तो उसके लिये सजा को कड़ा किया गया है। उल्लेखनीय है कि कई बार ऐसी करतूत करने वालों के लिये तीन साल की कैद और पांच लाख रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान रखा गया है। यह कदम महत्वपूर्ण है क्योंकि पुराने कानून में सिर्फ पांच सौ रुपये से कम का जुर्माना निर्धारित था। जिसके चलते अपराधियों में किसी तरह का कानून का डर नहीं रह गया था।

जनता को स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदान करने की बातें निरर्थक

घटिया और नकली दवाएं जन-स्वास्थ्य की बड़ी चुनौती

शोभा शुक्ला / बॉबी रमाकांत

2017 में विश्व स्वास्थ्य संगठन ने एक रिपोर्ट जारी की थी जिसके अनुसार विकासशील देशों में कम-से-कम 10 प्रतिशत दवाएं, घटिया या नकली थीं। इस रिपोर्ट ने यह भी स्पष्ट रूप से कहा था कि ये आंकड़े बहुत कम रिपोर्ट हो सके हैं जबकि संभवत: यह समस्या इससे कहीं अधिक बड़ी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के डॉ फिलिप मैथ्यू ने एएमआर डायलॉग्स सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि यदि थोक विक्रय के आंकड़े देखें, तो विकासशील देशों में घटिया और नकली दवाओं पर अमरीकी डॉलर 30.5 अरब से अधिक व्यय होता है। हर साल निमोनिया के इलाज करवा रहे 70,000 से 170,000 बच्चे (5 साल से कम आयु के), घटिया और नकली दवाओं के इस्तेमाल के कारण मृत होते हैं।

प्रख्यात अधिवक्ता लीना मेंघाने ने बताया कि बिहार में एचआईवी के साथ जीवित लोगों को, जिन्हें एडवांस्ड एचआईवी रोग है, को सबसे बड़ा जानलेवा खतरा दवा प्रतिरोधक संक्रमण से है जैसे कि क्रिप्टोकॉकल मेनिनजाइटिस। एक ओर बड़ी संख्या में वे लोग हैं जिन्हें दवाएं मुहैया ही नहीं हैं, और दूसरी ओर ऐसे लोग हैं जो दवा प्रतिरोधक संक्रमणों से जूझ रहे हैं। सबको बराबरी, अधिकार और सामाजिक न्याय के आधार पर स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदान करना पहले से ही एक बड़ी चुनौती बना हुआ है। चाहे कोई भी रोग हो, सब को जल्दी और सही जांच, सही इलाज और देखभाल मिलना, जमीनी स्तर पर काफ़ी दुर्लभ है। जब दवाएं कारगर नहीं रहतीं क्योंकि दवा प्रतिरोधकता या रोगाणुरोधी प्रतिरोध (एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस) हो जाती है तो यह चुनौती अधिक जटिल बन जाती है। अब कल्पना करें कि ऐसे में यदि दवाएं घटिया या नकली होंगी तो जन स्वास्थ्य की समस्या कितनी अधिक पेचीदा हो जाएगी।

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने अनुसार जो दवाएं गुण-वत्ता मानकों और विनिर्देशों को पूरा नहीं करती वे घटिया या नकली श्रेणी में आती हैं। ऐसी घटिया या नकली दवाओं से इलाज नहीं हो पाता क्योंकि उनमें या तो उचित सामग्री नहीं होती या सही मात्रा में नहीं होती। यदि दवाओं में मिलावट होगी या विषैले पदार्थ होंगे तो वह फायदेमंद होने के बजाय उल्टा नुकसानदायक भी हो सकती हैं। और ऐसी घटिया और नकली दवाओं से दवा प्रतिरोधकता भी बढ़ती है।

भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद् की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ कामिनी वालिया ने कहा कि जब रोग उत्पन्न करने वाले जीवाणु दवाओं से मृत नहीं होते हैं तो उसे रोगाणुरोधी प्रतिरोध (एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस) कहते हैं - यानी कि जीवाणु दवा प्रतिरोधक हो चुके हैं और वह दवाएं इन पर असरकारी नहीं होंगी। अब इलाज के लिए नई दवाओं की ज़रूरत होगी और नई दवाएं या तो अत्यंत सीमित और महंगी हैं या है ही नहीं। हर साल 50 लाख लोग रोगाणुरोधी प्रतिरोध के कारण मृत होते हैं। यदि रोगाणुरोधी प्रतिरोध को रोका नहीं गया तो 2050 तक 1 करोड़ से अधिक व्यक्ति प्रति वर्ष इससे मृत होंगे और वैश्विक अर्थ व्यवस्था को अमरीकी डॉलर 100 ट्रिलियन से अधिक का नुक़सान होगा।

डॉ वालिया ने कहा कि मानव स्वास्थ्य, पशु स्वास्थ्य, पशुधन और मुर्गीपालन, तथा कृषि आदि में दवाओं के दुरुपयोग के कारण रोगाणुरोधी प्रतिरोध एक वैश्विक जन स्वास्थ्य चुनौती बना हुआ है। 60 प्रतिशत दवाएं जो बनती हैं वे पशुधन और मुर्गीपालन में उपयोग की जाती हैं। दवाओं के दुरुपयोग के कारण रोगाणु, रोगाणुरोधी प्रतिरोध उत्पन्न कर लेते हैं और दवाएं रोगों पर कारगर नहीं रहती। अनेक दवा प्रतिरोधक जीवाणु हैं जो पशुओं से मनुष्य में पहुंच सकते हैं- जैसे कि साल्मोनेला, ई कोलाई, एस ऑरियस, कैंपीलोबैक्टर, क्लेबि-सएला, एंट्रोकॉकस, आदि। डॉ कामिनी वालिया ने चेताया कि हालांकि पशुओं से मानव तक संक्रमण फैलाव के संबंध में कुछ वैज्ञानिक प्रमाण हैं, परंतु बड़े स्तर पर शोध की आवश्यकता भी है।

डॉ फिलिप मैथ्यू ने बताया कि अनेक कारण हैं जिनकी वजह से घटिया और नकली दवाओं की चुनौती बरकरार है: कमजोर विनियामक प्रणालियां, आपूर्ति श्रृंखलाओं की जटिलता, सही दवाएं अत्यंत महंगी होना जिसके कारण लोग पैसा बचाने के लिए सस्ते विकल्प खोजते हैं, कमजोर स्वास्थ्य प्रणाली, आदि। डॉ मैथ्यू का कहना है कि यदि लोग सार्वभौमिक स्वास्थ्य व्यवस्था या स्वास्थ्य बीमा से पूर्णत: लाभान्वित नहीं होंगे तो उनकी जेब से ही स्वास्थ्य व्यय होता रहेगा - जो अक्सर लोगों को अधिक गरीबी में धकेल देता है। इसी कारण से लोग सस्ते विकल्प खोजने को मजबूर होते हैं जो घटिया या नकली भी हो सकते हैं। विभिन्न स्तर पर भ्रष्टाचार और उपभोक्ता जागरूकता की कमी भी इस समस्या को बढ़ावा देती है।

कुछ महीने पहले (दिसंबर 2024 में) विश्व स्वास्थ्य संगठन ने एक रिपोर्ट जारी की थी जिसमें घटिया और नकली दवाओं से संबंधित 2017-2021 के वैश्विक आंकड़े हैं। डॉ मैथ्यू ने बताया कि इस रिपोर्ट ने चौंकाने वाले तथ्य उजागर किए क्योंकि घटिया और नकली दवाओं की दर कम होने के बजाए बढ़ोतरी पर थी। हर साल यह दर 36.3 प्रतिशत बढ़ रही थी। इनमें अनेक प्रकार की दवाएं शामिल थीं, जैसे कि, एंटीबायोटिक, एंटी-वायरल, एंटी-फंगल, एंटी-पैरासिटिक (मलेरिया आदि की दवाएं), कैंसर की दवाएं, वैक्सीन या टीके। इस रिपोर्ट में 877 मामलों का विस्तार से ज़िक्र है जहां घटिया और नकली दवाएं पकड़ी गई थीं। स्पष्ट है कि इसके कारण दवा प्रतिरोधकता या रोगाणुरोधी प्रतिरोध का खतरा अधिक गंभीर हो गया है।

मिनिमम इन्हिबिटर कंसंट्रेशन, दवाओं की उस न्यूनतम मात्रा को कहते हैं जिससे रोगाणु में बढ़ोतरी बंद हो जाती है। पर घटिया और नकली दवाएं अक्सर इस मानक पर खरी नहीं उतरती जिसके कारणवश न केवल रोगी अधिक पीड़ा झेलता है, संक्रमण का फैलाव नहीं रुकता, मृत्यु का खतरा बढ़ता है, बल्कि रोगाणुरोधी प्रतिरोध भी बढ़ता है। डॉ मैथ्यू का कहना सही है कि घटिया और नकली दवाओं के कारण लोगों की आय का हर्जाना होता है, जेब से होने वाले स्वास्थ्य व्यय अनावश्यक रूप से बढ़ते हैं, और लोगों का स्वास्थ्य प्रणाली में विश्वास डगमगाता है।

यदि दवाएं सही अवधि तक, या सही मात्रा में नहीं दी जाएंगी तब भी रोगाणुरोधी प्रतिरोध होने का खतरा बना रहता है और दवा प्रतिरोधक संक्रमण का फैलाव बढ़ता है। एक ओर जहां हमें यह सुनिश्चित करना है कि सभी आवश्यक दवाओं की कमी न होने पाए और आपूर्ति श्रृंखला मजबूत बनी रहे, तो दूसरी ओर यह भी पक्का करना है कि दवाएं घटिया या नकली न हों। लीना मेंघने ने कहा कि सरकार को प्रभावित समुदाय को गुणवत्ता नियंत्रण प्रक्रिया में भागीदार बनाना चाहिए। लीना ने एक उदाहरण साझा किया - 2024 में एचआईवी के साथ जीवित लोगों के नेटवर्क से शिकायत आने लगी कि नए बैच की जीवनरक्षक एंटीरेट्रोवायरल दवाएं बहुत कड़वी हैं और दवाओं की गोली टूट रही है। जब इसकी सूचना सरकार के राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम और अन्य औषधि विनियामक अधिकारियों को दी गई तो एक हफ्ते के अंदर इन दवाओं को विश्व स्वास्थ्य संगठन की उन दवाओं से बदला गया जिनकी गुणवत्ता की जांच हो चुकी थी।

लीना का कहना है कि अक्सर गुण-वत्ता नियंत्रण प्रक्रिया के अंतर्गत दवाओं के किसी बैच के सैंपल या नमूने की जांच की जाती है कि उसमें कोई मिलावट न हो, दवाओं में ऐक्टिव फार्मास्यूटिकल एजेंट की मात्रा सही हो, आदि। परंतु गुणवत्ता नियंत्रण प्रक्रिया में प्रायः यह जांच नहीं होती कि दवाओं की जैव समतुल्यता और स्थिरता, विभिन्न मौसम तापमान और नमी में भी सही रहती है या नही। गुणवत्ता नियंत्रण प्रक्रिया में यह भी पुष्टि की जानी चाहिए कि दवाएं जैव समतुल्य और स्थिर रहें। लीना मेंघने ने एक और उदाहरण साझा किया कि सरकार के राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन कार्यक्रम के तहत, नई दवाओं की ख़रीद हेतु जो टेंडर सार्वजनिक रूप से उपलब्ध हैं, उनमें दवाओं की गुणवत्ता के मानक एक समान नहीं हैं।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के डॉ फिलिप मैथ्यू ने कहा कि घटिया या नकली दवाओं पर रोक लगाने के लिए नई तकनीकी खोज ज़रूरी है। इसी दिशा में, द ट्रिनिटी चैलेंज ने 1 मिलियन ग्रेट ब्रिटेन पाउंड की प्रतियोगिता की घोषणा की है जिससे कि घटिया और नकली दवाओं पर रोक लगाने हेतु, विकासशील देशों के लोग नवीन तकनीकी समाधान प्रस्तुत कर सकें। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ कामिनी वालिया ने कहा कि औषधि विनियमक अधिकारियों और स्थानीय निर्माताओं की क्षमता में विकास आवश्यक है जिससे कि नवीनतम निगरानी तकनीकियों का उपयोग हो सके और घटिया और नकली दवाओं पर विराम लग सके। वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला को भी मजबूत करना होगा जिससे कि सभी आवश्यक जांच और इलाज, सभी लोगों को सम्मान के साथ बिना विलंब मिल सके और रोगाणुरोधी प्रतिरोध की चुनौती का मुकाबला हम सब प्रभावकारी ढंग से कर सकें।

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने अनुसार जो दवाएं गुणवत्ता मानकों और विनिर्देशों को पूरा नहीं करती वे घटिया या नकली श्रेणी में आती हैं। ऐसी घटिया या नकली दवाओं से इलाज नहीं हो पाता क्योंकि उनमें या तो उचित सामग्री नहीं होती या सही मात्रा में नहीं होती। यदि दवाओं में मिलावट होगी या विषैले पदार्थ होंगे तो वह फायदेमंद होने के बजाय उल्टा नुकसानदायक भी हो सकती हैं। और ऐसी घटिया और नकली दवाओं से दवा प्रतिरोधकता भी बढ़ती है।

कुछ अलग

महावीर स्वामी की शिक्षाओं से क्या सीखें

बाजार की भीड़ में, ट्रैफिक के शोर में, भागते समय के पहियों के नीचे, क्या कभी रुक कर हमने अपने भीतर झांकने की कोशिश की है? जिस आत्मा के साथ हम इस दुनिया में आए, क्या वह आत्मा अब भी वैसी ही शांत, निर्मल और उज्ज्वल है? शायद नहीं। और यही वह क्षण है जब महावीर स्वामी की वाणी की गूंज हमें भीतर तक झकझोर देती है। उन्होंने ही कहा था- "परिग्रह (मोह, लोभ) ही दुखों की जड़ है।" महावीर स्वामी, जिनका जन्म राजमहलों में हुआ, उन्होंने वह सबकुछ त्याग दिया, जिसे हम जीवन की उपलब्धि मानते हैं। क्यों? क्योंकि उन्होंने जान लिया था कि बाहरी दुनिया की दौलत हमें भीतर की शांति नहीं दे सकती। आज हम भी उन्हीं महलों के नए रूप – बड़ी गाड़ियां, मोबाइल, चमकदार कपड़े, सोशल मीडिया की वाहवाही आदि में उलझे हैं। लेकिन क्या इन सबसे हमें सच्चा सुकून मिलता है? शायद नहीं। महावीर की पहली और सबसे बड़ी शिक्षा है – "अहिंसा परमो धर्मः" हम सोचते हैं, "मैंने किसी को मारा नहीं, तो मैं अहिंसक हूं।" लेकिन क्या यह पूरा सच है? हमारी वाणी की हिंसा – किसी को कटु बोल देना, किसी का अपमान कर देना, किसी की निंदा करना – ये सब हिंसा नहीं है क्या? आज के इस असहिष्णु समय में, जहाँ छोटी-छोटी बातों पर रिश्ते टूट रहे हैं, वहां अगर हम केवल महावीर की अहिंसा को जी लें, तो दुनिया कितनी सुंदर हो सकती है। अहिंसा केवल तलवार न उठाना नहीं है, विचारों, वाणी और व्यवहार से किसी को आहत न करना भी अहिंसा है। दूसरी महत्वपूर्ण सीख है – "सत्य"। महावीर कहते हैं, "जीवन में जो भी कहो, सोच-समझ कर कहो, और वही कहो जो सच हो।" लेकिन क्या हम ऐसा करते हैं? हम अपने बच्चों से, मित्रों से, जीवन साथी से, ऑफिस में – हर जगह झूठ का सहारा लेते हैं। कभी डर के कारण, कभी अपने स्वार्थ के कारण। पर क्या यह झूठ हमें सुख देता है? नहीं। हर झूठ के पीछे छिपा डर, हमारी आत्मा को कचोटता रहता है। सत्य की राह पर चलकर ही मन हल्का, शांत और मुक्त होता है। महावीर की तीसरी शिक्षा है – "अपरिग्रह" (त्याग) आज की दुनिया में हम जितना जमा करते हैं, उतने ही उलझते जाते हैं। मकान, गाड़ी, पैसे, कपड़े, गहने... सब जमा करते हैं, फिर भी मन खाली है। महावीर कहते हैं, "जितना छोड़ोगे, उतना ही हल्के हो जाओगे।" क्या आपने कभी पुराने कपड़े, बेकार सामान, फालतू की चीज़ें दान की हैं? उस खालीपन में जो सुकून है, वही असली धन है। आज अगर हम अपने जीवन से "फालतू" चीज़ें – न केवल भौतिक वस्तुएं, बल्कि बेकार की सोच, गुस्सा, नफरत – हटा दें, तो हमारे पास एक खाली, सुंदर जगह बचती है, जहां शांति का वास हो सकता है। संयम, महावीर की चौथी शिक्षा है। आज हमारी दुनिया असंयम की दुनिया बन चुकी है – खाने में, बोलने में, खर्च करने में, रिश्तों में। हर चीज़ 'तुरंत चाहिए' की दौड़ में हम संयम खो चुके हैं। अगर हम बोलने में संयम रखें, तो न लड़ाई होगी, न रिश्ते टूटेंगे। खाने में संयम रखें, तो शरीर स्वस्थ रहेगा। पैसों के खर्च में संयम रखें, तो चिंता नहीं होगी। महावीर की ये पंक्तियां हमें रोज याद करनी चाहिए- "मनुष्य खुद अपने भाग्य का निर्माता है।

देश दुनिया से

सब्सिडी कवच लैस अमेरिकी उत्पादों से व्यापार युद्ध

एन्न वेनमैन (जिनका कार्यकाल जॉर्ज बुश जूनियर के समय 2001-2005 तक था) से शुरू होकर कुछ इसी किस्म का दोगलापन अमेरिका के एक के बाद एक आए कृषि मंत्री समय-समय पर दिखाते रहे हैं। मुझे याद आ रहा है कि किस प्रकार उन्होंने वाशिंगटन डीसी में अंतर्राष्ट्रीय खाद्य नीति अनुसंधान संस्थान (आईएफपीआरआई) में अपने संबोधन में बेशर्मी से विश्व बैंक के मुख्य अर्थशास्त्री की उस मूर्खतापूर्ण दलील (जो कि हास्यास्पद भी थी) का समर्थन किया, जिसमें भारत कृषि मंडी को जबरदस्ती खोलने की बात कही गई थी। दरअसल, एक समय ऐसा भी आया जब अमेरिका के कम-से-कम 14 कृषि फसल निर्यात समूहों ने अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) को पत्र लिखकर भारत में न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) के नाम पर फसल-विशेष को दिए जाने वाले मूल्य संरक्षण की ऊपरी सीमा तय करवाने की मांग की ताकि अमेरिकी निर्यात की भारत में राह खुल सके। इसलिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा शुरू किए गए अवांछित व्यापार युद्ध से मैं हैरान नहीं हूं। यह एकदम जाहिर है कि विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) में लंबे समय तक चली बहुपक्षीय वार्ताओं से जो कुछ अमेरिका हासिल नहीं कर पाया, उसकी प्राप्ति के वास्ते अब ट्रंप की अरबपति मित्र मंडली विकासशील देशों को घुटनों पर लाने की गलत सलाह दे रही है। लेकिन कई प्रमुख अर्थव्यवस्थाएं अब अवज्ञा में खड़ी होने लगी हैं, मैं नहीं चाहूंगा कि भारत ऐसा कुछ दिखाए कि यदि उसे कुछ झुकने के लिए कहा जाए, तो ऐसा आभास दे कि वह रेंगने तक को राजी है। यहां मैं एक और कहानी सुनाना चाहूंगा। कुछ साल पहले, अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन ने टिप्पणी की थी कि चीन के 'खराब मानवाधिकार रिकॉर्ड' के कारण अमेरिका उसके साथ व्यापार नहीं करेगा। अगले दिन मैंने संयोग से बीबीसी टीवी चैनल चालू किया, जहां एक पत्रकार तत्कालीन चीनी राष्ट्रपति से पूछ रहा था: 'अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा व्यापार रोकने वाली धमकी पर आपकी क्या प्रतिक्रिया है।' उनका जवाब भी उतना ही रूखा था: 'अमेरिका के साथ व्यापार? जब हमने 4,000 साल से ज़्यादा अमेरिका के साथ व्यापार किया ही नहीं, तो इससे अब क्या फ़र्क पड़ने वाला है?' इस बयान के अगले दिन ही अमेरिकी व्यापार और उद्योग जगत अपने राष्ट्रपति द्वारा चीन के साथ व्यापार बंद करने के आह्वान के विरुद्ध लामबंद हो गया। आखिरकार बिल क्लिंटन को घरेलू उद्योग लॉबी के सामने झुकना पड़ा और उन्होंने फिर कभी इस मुद्दे को नहीं छेड़ा। नए टैरिफ युद्ध वाले मुद्दे पर फिर से लौटते हैं, भारत में अमेरिकी कृषि उत्पादों के प्रवेश पर नियंत्रण व्यवस्था होने की वजह से ट्रम्प हमारी आलोचना वैश्विक 'टैरिफ किंग' का ठप्पा लगाकर कर सकते हैं (अमेरिका के 5 प्रतिशत आयात शुल्क के मुकाबले भारत का औसतन आयात शुल्क लगभग 39 प्रतिशत है), लेकिन वास्तविकता यह है जो शुल्क भारत ने लगा रखा है, वह विश्व व्यापार संगठन के उस प्रावधान के अनुरूप है जिसमें टैरिफ दर किसी देश के विकास की श्रेणी और व्यापार संहिता में वर्णित 'विशेष एवं विभेदक व्यवहार' नामक आकलन के आधार पर है, सनद रहे कि भारत किसी भी अवस्था में विश्व व्यापार संगठन द्वारा निर्धारित प्रावधानों का उल्लंघन नहीं कर रहा। भारत के अपेक्षाकृत उच्च शुल्क उक्त संगठन के नियमन में अंतर्निहित व्यापारिक सिद्धांतों पर आधारित हैं, न कि किसी की व्यक्तिगत सनक अथवा कल्पना से चालित। दूसरी ओर, वास्तव में समस्या अमेरिका द्वारा कृषि के लिए दी जाने वाली भारी सब्सिडी है। इतनी ज्यादा कि 21 जुलाई, 2006 की फाइनेंशियल टाइम्स में लिखते हुए, यूरोपीय संघ के तत्कालीन व्यापार आयुक्त पीटर मैंडेलसन ने स्पष्ट रूप से कहा कि विकासशील देशों का कहना है कि वे अमेरिका के कृषि उत्पाद अधिक आयात करने को तो राजी हैं, लेकिन अमेरिकी कृषि सब्सिडी नहीं। इस बाबत उन्होंने भारत के तत्कालीन वाणिज्य मंत्री कमल नाथ को उद्धृत किया था: 'हमें अमेरिकी किसानों के साथ प्रतिस्पर्धा करने में कोई एतराज नहीं, लेकिन अमेरिकी खजाने का मुकाबला हम नहीं कर पाएंगे।' सालों-साल अमेरिका ने अपनी कृषि के इर्द-गिर्द बनाए गए भारी सब्सिडी रूपी सुरक्षा दुर्ग को और मजबूत ही किया है। अमेरिकी कृषि विभाग की आर्थिक अनुसंधान सेवा के अनुसार, किसानों और पशुपालकों को प्रत्यक्ष सरकारी कृषि कार्यक्रम के तहत दी जानी वाली सीधी वित्तीय सहायता 2025 में 42.4 बिलियन डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है, जबकि 2024 के लिए पूर्वानुमान 9.3 बिलियन डॉलर का था। प्रति किसान गणना के आधार पर, अमेरिका अपने हरेक किसान की 26.8 लाख रुपये सालाना जितनी वित्तीय मदद करता है। उदाहरणार्थ, विशेष तौर कपास का मुद्दा, जो कि विश्व व्यापार संगठन वार्ताओं में विवाद का एक मुद्दा बना हुआ है। 2021 में अमेरिका में कपास बिजाई के तहत औसत क्षेत्र 624.7 हेक्टेयर था, और इसको उगाने वाले किसान महज 8,103 थे जिन्हें अमेरिका ने अत्यंत भारी-भरकम सब्सिडी दी (जबकि भारत में कपास की खेती में 98.01 लाख किसान लगे थे)। नई दिल्ली स्थित विश्व व्यापार संगठन के अध्ययन केंद्र द्वारा की गई गणना बताती है कि 2021 में अमेरिकी कपास कृषक को 117,494 डॉलर सालाना वित्तीय सहायता मिली, वहीं इसकी तुलना में, भारत में कपास उगाने वाले किसान को महज 27 डॉलर की मदद मिल पाई। आइए इस पर नज़र डालें कि एग्रीगेट मेज़र ऑफ सपोर्ट (एएमएस) फार्मूला के साथ अमेरिका और यूरोपियन संघ फसल-विशेष की मदद कैसे करते हैं। व्यापार समझौता वार्ताओं के दौरान, अमीर एवं विकसित देश बहुत चतुराई के साथ यह सुनिश्चित करने में कामयाब रहे कि विकासशील देशों के लिए रखी गई 10 प्रतिशत गैर-न्यूनतम सीमा के बनिस्बत अमीर देश अपने लिए उच्च व्यावसायिक मूल्य वाली मुट्ठी भर फसलों के लिए ऊपरी सीमा (5 प्रतिशत अधिकतम) मद वितरित करने में सफल रहे। उदाहरण के लिए कपास का मामला लें। जहां यूरोपीय संघ ने 2006 में कपास के लिए 139 प्रतिशत सब्सिडी सहायता प्रदान की थी, वहीं इससे पांच साल पहले यानी 2001 में, अमेरिका ने विकसित देशों के लिए रखी सीमा के अलावा अतिरिक्त 74 प्रतिशत सहायता अपने कपास किसानों को दी थी। कृषि आयातों पर कम टैरिफ केवल एक दिखावाभर है कि अमेरिकी कृषि एक खुला बाजार है। लेकिन बारीकी से देखने से पता चलता है कि अमेरिका ने आयात पर नकेल कसने के लिए 9,000 से अधिक गैर-टैरिफ बाधाएं (भारत द्वारा 600 के मुकाबले) खड़ी कर रखी हैं।

आप का नजरिया

खाली हाथ किसान

खेती किसानी से जुड़े विभिन्न मुद्दों को लेकर किसानों के एक घटक द्वारा तेरह माह से चलाए जा रहे आंदोलन का बलपूर्वक समापन एक अच्छी स्थिति कदापि नहीं की जा सकती। हालांकि यह भी तय था कि यह आंदोलन अनिश्चितकाल के लिये नहीं चलाया जा सकता था। लेकिन चंडीगढ़ में केंद्रीय मंत्रियों की उपस्थिति में बात न बनने के बाद पंजाब सरकार की बलपूर्वक की गई कार्रवाई से धरना स्थल को खाली करवाने व किसान नेताओं की गिरफ्तारी से किसानों में रोष स्वाभाविक ही है। निर्विवाद रूप से लंबे समय से खनौरी व शंभू बॉर्डर से जुड़े राजमार्ग के बाधित होने से यात्रियों व कारोबारियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। वहीं सरकार ने भी इस आधार पर अपनी कार्रवाई को तार्किक बताया है कि दो प्रमुख राजमार्गों के लंबे समय तक बंद रहने से उद्योग और व्यवसाय बुरी तरह प्रभावित हो रहे थे। निजी वाहनों को भी लंबे रास्तों से सफर तय करने में अधिक समय व पेट्रोल खर्च करना पड़ रहा था। वहीं किसान नेताओं का आरोप है कि उन्हें आंदोलन करने के उनके लोकतांत्रिक अधिकार से वंचित करने का कदम दमनकारी है। जैसा कि उम्मीद थी, विपक्षी राजनीतिक दलों ने इस मुद्दे पर बयानबाजी शुरू कर दी है। लेकिन एक बात तो तय है कि किसान संगठन व सरकारें विभिन्न मुद्दों पर आम सहमति बनाने में सफल नहीं हो पाए हैं। जिसके चलते राज्य सरकार व किसान संगठनों में अविश्वास व टकराव बढ़ा है। विडंबना यह भी है कि किसान संगठनों में मांगों को लेकर खासे मतभेद हैं। यदि सभी संगठन एमएसपी के मुद्दे पर एकजुट होकर केंद्र सरकार पर दबाव बनाते तो शायद कोई सार्थक समाधान निकल पाता। लेकिन इसके विपरीत किसान संगठन आपस में ही उलझते रहे। यही वजह है कि किसान संगठनों के घटते जनसमर्थन को देखते हुए राज्य सरकार ने सख्त रुख अपनाया। जबकि केंद्र सरकार भी इस मुद्दे के प्रति गंभीर नजर नहीं आयी। जरूरी है कि केंद्र व राज्य सरकारें किसानों के मुद्दों पर किंतु-परंतु की नीति को त्यागकर समयबद्ध तरीके से कृषि संकट को दूर करने के लिये दृढ़ प्रतिबद्धता से बातचीत करें। विभिन्न मांगों पर लचीला रवैया दोनों पक्षों के लिये लाभकारी साबित हो सकता है। यह समय किसान संगठनों के लिये भी आत्ममंथन करने का है। उन्हें तीन कृषि सुधारों के विरोध में वर्ष 2020-21 में दिल्ली की सीमा पर चले लंबे किसान आंदोलन के खराब संचालन से भी सबक लेना चाहिए। हालांकि, तीन प्रस्तावित कृषि कानून अंततः स्थगित कर दिए गए, लेकिन सैकड़ों किसानों को अपनी जान भी गंवानी पड़ी। इसके बावजूद फसलों की एमएसपी हेतु कानून बनाने में विफलता ही हाथ लगी। निस्संदेह, लंबे किसान आंदोलन से पंजाब के कारोबार को दांव पर नहीं लगाया जा सकता, लेकिन ध्यान रहे कि कृषि पंजाब की अर्थव्यवस्था की रीढ़ रही है। ऐसे में सभी को साथ लेकर सुलह-सफाई करने के लिये गंभीर प्रयासों की जरूरत है। यदि ऐसा न होने पर राज्य में अशांति बढ़ती है तो वित्तीय संकट से जूझते पंजाब को और मुश्किलों का सामना करना होगा।

भारतीय मूल की महिला ने डिज्नीलैंड में अपने ही बेटे का गला रेतकर मार डाला

कैलिफोर्निया, 23 मार्च (एजेंसियां)।

भारतीय मूल की एक महिला पर 'डिज्नीलैंड' में तीन दिन छुट्टियां मनाने के बाद अपने 11 साल के बेटे की गला रेतकर हत्या करने का आरोप है। आरोपी सरिता रामाराजू 2018 में अपने पति से तलाक लेने के बाद कैलिफोर्निया से चली गई थी। तलाक के बाद सरिता के बेटे का संरक्षण उसके पास नहीं था लेकिन उसे अपने बेटे से मिलने की अनुमति थी। घटना से पहले सरिता अपने बेटे के साथ सांता एना के एक मोटल में ठहरी थी। उसने अपने और अपने बेटे के लिए डिज्नीलैंड के तीन दिवसीय पास खरीदे थे।सरिता को 19 मार्च को जिस दिन मोटल से जाना था और अपने बेटे को उसके पिता को सौंपना था, उसने उसी दिन सुबह नौ बजकर 12 मिनट पर पुलिस को फोन करके बताया कि उसने अपने बेटे की हत्या कर दी है और आत्महत्या करने के लिए गोलियां खा ली हैं। सांता एना पुलिस जब मोटल पहुंची तो उसने देखा कि बच्चा डिज्नीलैंड की यादगार वस्तुओं के बीच एक कमरे में बिस्तर पर मृत पड़ा था।

पुलिस के बयान में कहा गया कि ऐसा प्रतीत होता है कि लड़के की कई घंटों पहले ही हत्या कर दी गई थी। पुलिस ने बताया कि मोटल के कमरे के अंदर एक बड़ा चाकू मिला जिसे एक दिन पहले खरीदा गया था। अज्ञात पदार्थ के सेवन के बाद सरिता को अस्पताल में भर्ती कराया गया था और उसे बृहस्पतिवार को छुट्टी दे दी गई। उसे अपने बेटे की हत्या करने के संदेह में गिरफ्तार कर लिया गया।हालांकि बयान में मृत लड़के का नाम नहीं बताया गया एक रिपोर्ट में उसकी पहचान यतिन रामाराजू के रूप में की गई। सरिता और उसके पति प्रकाश राजू के बीच अपने बेटे के संरक्षण के अधिकार को लेकर पिछले साल से कानूनी लड़ाई चल रही थी। बच्चे के संरक्षण का अधिकार उसके पिता प्रकाश को सौंपा गया था।

न्यूज़ ब्रीफ

पोप की हालत में सुधार, समर्थकों को दे सकते हैं दर्शन

वेटिकन सिटी। संक्रमण से जूझ रहे पोप फ्रांसिस की हालत में कुछ हद तक सुधार देखने को मिल रहा है।

इसके चलते वह सार्वजनिक तौर पर आकर समर्थकों को दर्शन दे सकते हैं। पोप को फेफड़ों के इन्फेक्शन के कारण 14 फरवरी को रोम के जेमेलो अस्पताल में भर्ती कराया गया था। वहां पर उनका निमोनिया और एनीमया का इलाज चल रहा है। वेटिकन सिटी के कैथलिक चर्च के मुख्यालय के प्रवक्ता के मुताबिक पोप की हालत में कुछ सुधार है। वह रविवार को किसी भी समय अपने समर्थकों के सामने आ सकते हैं। पोप की ब्लड टेस्ट रिपोर्ट में किडनी फेल होने के लक्षण दिखाई दे रहे थे। लेकिन अब सुधार है।

ट्रंप के फरमान अमेरिका को बना रहे वीरान, 5.32 लाख हुए बेघर

वाशिंगटन। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ताजा फैसले में अमेरिका के होमलैंड सिक्योरिटी विभाग ने कहा है कि वह क्यूबा, हैती, निकारागुआ और वेनेजुएला के लाखों लोगों से कानूनी सुरक्षा छीन लेगा। इससे करीब 5,32,000 लोग प्रभावित होंगे और उन्हें एक महीने में देश छोड़ना पड़ सकता है। यह फैसला उन लोगों पर लागू होगा जो अक्टूबर 2022 के बाद अमेरिका आए थे। ये लोग वित्तीय सहायकों के साथ आए थे और उन्हें अमेरिका में दो साल तक रहने और काम करने की अनुमति मिली थी। होमलैंड सिक्योरिटी सचिव क्रिस्टी नोएम ने कहा कि इन लोगों का कानूनी दर्जा 24 अप्रैल को खत्म हो जाएगा। या फिर फेडरल रजिस्टर में यह नोटिस छपने के 30 दिन बाद इनको देश छोड़ना पड़ेगा। यह नई नीति उन लोगों पर असर डालेगी जो पहले से अमेरिका में हैं और ह्यूमैनिटेरियन पैरोल प्रोग्राम के तहत आए थे। यह प्रोग्राम पहले ट्रंप प्रशासन ने खत्म किया था, क्योंकि उनका मानना था कि इसका 'गलत इस्तेमाल' हो रहा था। यह कानूनी तरीका लंबे समय से उन लोगों को अस्थायी रूप से अमेरिका में रहने की इजाजत देता था, जिनके देशों में युद्ध या राजनीतिक अस्थिरता थी। अपने चुनाव अभियान में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने वादा किया था कि वह अवैध रूप से अमेरिका में रह रहे लाखों लोगों को देश से निकालेंगे। राष्ट्रपति बनने के बाद उन्होंने आप्रवासियों के लिए कानूनी रास्ते भी बंद करने शुरू कर दिए हैं। इस नए आदेश से पहले, इस प्रोग्राम के लाभार्थी अपने पैरोल की अवधि तक अमेरिका में रह सकते थे। लेकिन प्रशासन ने उनके शरण, वीजा या अन्य अनुरोधों को प्रोसेस करना बंद कर दिया था, जिससे वे लंबे समय तक रह सकें।

पड़ोसी से हुआ विवाद तो तान दी 3 फीट की इमारत, अब दुनिया में है मशहूर

रोम। इटली में एक छोटा सा गांव है पेट्रालिया सोट्टाना जहां करीब दो हजार की आबादी है। ये छोटा सा गांव एक इमारत की वजह से मशहूर हो गया है, जो दुनिया में अपनी तरह की अनोखी इमारत है। इसे कासा दू कुरिवु के नाम से जाना जाता है, यानी बदले का घर। यह घर इतना संकरा है कि इसकी चौड़ाई बस 3 फीट है। बाहर से देखने में यह दो मंजिल का सामान्य घर लगता है, लेकिन ऊपरी मंजिल इतनी पतली है कि वहां दो लोग एक साथ चल भी नहीं सकते। इस घर की बड़ी अजीब कहानी है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बताया जाता है कि 1950 के दशक में यह घर एक पड़ोसी से विवाद के बाद बनाया गया था। उस जमाने में लोग अपने घर को ऊपर की ओर बढ़ाना चाहते थे, लेकिन इसके लिए पड़ोसियों की सहमति लेनी पड़ती थी। कासा दू कुरिवु के मालिक को अपने पड़ोसी से ऐसी इजाजत नहीं मिली। इससे नाराज होकर उसने बदला लेने का फैसला किया। नियमों के मुताबिक पड़ोस की इमारत से थोड़ी दूरी पर बिना इजाजत के निर्माण की छूट थी। बस इसका फायदा उठाते हुए उसने इतना संकरा घर बना डाला कि पड़ोसी की खिड़की से बाहर का नजारा दिखाई न दे। उसे पता था कि यह जगह रहने लायक नहीं होगी, लेकिन उसका मकसद परेशान करना था। अंदर से यह घर खाली है। इसमें बस कुछ खिड़कियां और एक सीढ़ी है। इसके अलावा और कुछ नहीं है। यह महज एक संरचना है, जो बदले की भावना को जाहिर करती है, लेकिन यह हाउस ऑफ स्पाइट यानी बदले का घर सिसिली की सबसे मशहूर इमारतों में से एक है।

लेबनान में हिजबुल्लाह के ठिकानों पर इजराइल ने किया एयरस्ट्राइक, 6 की मौत

तेल अवीव, 23 मार्च (एजेंसियां)।

इजरायल ने शनिवार को लेबनान के विभिन्न स्थानों पर जबरदस्त तरीके से हवाई हमले किए हैं। लेबनान द्वारा किए गए रॉकेट हमले का प्रतिशोध में ये हमले किए गए हैं। इन हवाई हमलों में कम से कम 6 लोगों की मौत होने की सूचना है। दक्षिणी लेबनान के तौलीन गांव में हुए हमले में 5 लोगों की मौत हुई, जिनमें एक बच्चा भी शामिल है। 10 लोगों के घायल होने की भी खबर है। इसके अलावा, तटीय शहर सिदोन में हुए एक अन्य हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई और सात लोग घायल हुए। सीरिया की सीमा के पास स्थित होश अल-सैयद अली गांव पर किए गए हमले में 5 लोग घायल हुए।

हिज़बुल्लाह ने रॉकेट हमले की जिम्मेदारी से इनकार किया और कहा कि वह युद्धविराम का पालन करने के लिए प्रतिबद्ध है। लेबनान के प्रधानमंत्री नवाफ सलाम ने दक्षिणी क्षेत्र में सेना को सभी आवश्यक कदम उठाने का आदेश दिया, लेकिन यह भी स्पष्ट किया कि लेबनान युद्ध की वापसी नहीं चाहता है। बता दें कि इजरायल और हिजबुल्लाह के बीच 7 अक्टूबर को हुए हमास के हमले के बाद फिर से यह संघर्ष भड़क उठा था। इसके बाद से यह संघर्ष तीव्र हो गया और इजरायली हवाई हमलों में कई वरिष्ठ हिजबुल्लाह नेताओं की मौत हो गई। लेबनान में 4,000 से अधिक लोग मारे गए हैं, जबकि लगभग 60,000 इजरायलियों को विस्थापित होना पड़ा है।

इजरायली सेना ने बताया कि लेबनान ने सीमा के पास स्थित मेटुला नगर की ओर 6 रॉकेट दागे थे, जिनमें से 3 इजरायल की सीमा में घुस गए थे। हालांकि उन्हें इंटरसेप्ट कर लिया गया।

इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय ने सेना को लेबनान के कई लक्ष्यों पर हमले करने का आदेश दिया है। ये हमले उन जगहों पर होने हैं जहां ईरान-समर्थित उग्रवादी समूह हिजबुल्लाह की मौजूदगी है।सेना ने यह भी कहा कि वह इस हमले में शामिल संगठन की पहचान की पुष्टि नहीं कर सकती, लेकिन उसने हिजबुल्लाह के कमांड सेंटर और रॉकेट लॉन्चर पर हमला किया है। आपको बता दें कि इन हमलों ने युद्धविराम की चर्चा को कमजोर कर दिया है। कुछ ही दिन पहले इजरायल ने गाजा में भी हमास के खिलाफ युद्ध फिर से शुरू किया है।

युद्धविराम समझौते के तहत इजरायल को जनवरी अंत तक लेबनान से अपनी सेनाएं वापस बुलानी थीं, लेकिन इसे 18 फरवरी तक बढ़ा दिया गया। लेबनान ने संयुक्त राष्ट्र से इजरायल पर दबाव डालने की अपील की है कि वह वापसी की शर्तों को पूरा करे। संयुक्त राष्ट्र अंतरिम बल ने ताजा हिंसा पर चिंता जताई और सभी पक्षों से आगे की उन्नति को रोकने की अपील की। इन हमलों के बीच इजरायल का गाजा में सैन्य अभियान जारी है।

वर्जीनिया में भारतीय मूल के पिता-पुत्री की हत्या, संदेही गिरफ्तार

वाशिंगटन। अमेरिकी राज्य वर्जीनिया से खबर है कि वहां एक स्टोर में काम कर रहे भारतीय मूल के पति और उनकी पुत्री को गोली मारकर हलाक कर दिया गया। इस घटना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने एक संदेही व्यक्ति को गिरफ्तार किया है, जिससे पूछताछ की जा रही है। जानकारी अनुसार वर्जीनिया के एक स्टोर में हुई शूटिंग के दौरान एक भारतीय मूल के पिता और उनकी पुत्री की मौत हो गई। हादसा 20 मार्च को एकोमैक काउंटी में लैंकफोर्ड हाईवे पर बने स्टोर पर होना बताया गया है। हादसे के दौरान प्रदीप कुमार पटेल (56 वर्ष) और उनकी 24 साल की पुत्री इस स्टोर में काम कर रहे थे। शूटिंग कर हत्या करने के मामले में पुलिस ने एक संदेही को गिरफ्तार कर लिया है और पूछताछ कर रही है। एकोमैक काउंटी के शेरिफ ऑफिस ने घटना को लेकर जानकारी दी है कि इस हत्या के पीछे का असल मकसद फिलहाल साफ नहीं हो सका है।

ग्रीनलैंड को ट्रंप की धमकी का मिला फायदा, पर्यटकों की संख्या में हुआ इजाफा

वॉशिंगटन, 23 मार्च (एजेंसियां)।

दुनिया के सबसे बड़े द्वीप ग्रीनलैंड ने इस साल लोगों का ध्यान अपनी तरफ खींचा था, जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इसे संयुक्त राज्य अमेरिका में मिलाने की बात कही थी। तब डेनमार्क से लेकर तमाम यूरोपीय देशों ने इसका विरोध किया था, लेकिन अब ट्रंप की धमकी ग्रीनलैंड के लिए फायदेमंद साबित होती दिख रही है।

पिछले तीन महीनों में ग्रीनलैंड आने वाले पर्यटकों की संख्या में इजाफा हुआ है। इतना ही नहीं जूनियर ट्रंप के यहां आने से कुछ समय पहले ही यहां की राजधानी नुउक में अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे का उद्घाटन हुआ था, इससे पर्यटन में और भी ज्यादा तेजी आई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ग्रीनलैंड में क्रूज का संचालन करने वाले नुडसेन-ओस्टरमैन ने कहा कि ट्रंप की धमकी के बाद से ग्रीनलैंड आने वाले पर्यटकों की संख्या में इजाफा हुआ है। बैंक ने भी पर्यटकों की ज्यादा संख्या के लिए अपने कारोबार का विस्तार करने के लिए कहा है। ओस्टरमैन ने कहा कि अभी से हमें पहले की तुलना में काफी ज्यादा बुकिंग मिल रही है। बता दें जनवरी में ग्रीनलैंड उस वक्त दुनिया के ध्यान का केंद्र बन गया था जब डोनाल्ड ट्रंप के बेटे जूनियर ट्रंप वहां पर पहुंचे थे। वहीं दूसरी और राष्ट्रपति ट्रंप ने भी ग्रीनलैंड को संयुक्त राज्य अमेरिका में मिलाने की पहल तेज कर दी है। विशेषज्ञों के मुताबिक ट्रंप की नजर न केवल ग्रीनलैंड की जियोपॉलिटिकल लोकेशन बल्कि उच्च तकनीकि उद्योगों के लिए महत्वपूर्ण दुर्लभ पृथ्वी खनिजों की विशाल संपदा पर भी है। दूसरी तरफ ग्रीनलैंड के लोगों के लिए भी यह एक बड़ा अवसर है। उन्हें उम्मीद है कि नए हवाई अड्डे और ट्रंप द्वारा उसके बारे में की गई बातों से वैश्विक लोगों का ध्यान उसकी तरफ आकर्षित होगा, जिससे उसकी अर्थव्यवस्था में सुधार होगा। वर्तमान में ग्रीनलैंड के निर्यात का 95 फीसदी मछली पकड़ने पर निर्भर है। पर्यटन के लिए ग्रीन लैंड की विशाल बर्फ की चादर लोगों के आकर्षण का केंद्र है।

सोशल मीडिया का सही तरीके से इस्तेमाल करना अधिक लाभकारी: शोध

कई विशेषज्ञों का मानना है कि सोशल मीडिया से दूरी बनाने से मानसिक तनाव कम हो सकता है, लेकिन एक नए शोध में यह सामने आया है कि इसे पूरी तरह छोड़ने की जरूरत नहीं है, बल्कि इसका सही तरीके से इस्तेमाल करना अधिक लाभकारी हो सकता है। एक रिपोर्ट के अनुसार अमेरिकी युवा औसतन 4.8 घंटे प्रतिदिन यूट्यूब, टिकटॉक, इंस्टाग्राम, फेसबुक और एक्स जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर व्यतीत करते हैं। इससे स्पष्ट होता है कि सोशल मीडिया लोगों के जीवन में कितनी गहराई से समाहित हो चुका है। ब्रिटिश कोलंबिया विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने इस विषय पर एक विस्तृत अध्ययन किया और पाया कि सोशल मीडिया के अधिक समय तक उपयोग से चिंता, अवसाद और आत्मसम्मान में कमी की संभावना बढ़ जाती है। शोध के लिए 17 से 29 वर्ष के 393 कनाडाई युवाओं को तीन समूहों में विभाजित किया गया।

क्या पाक के पूर्व पीएम नवाज शरीफ की फैमिली हो गई कंगाल

ब्रिटेन में हसन नवाज को क्यों किया गया दिवालिया घोषित

लंदन, 23 मार्च (एजेंसियां)।

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ के बेटे हसन नवाज को ब्रिटेन में दिवालिया घोषित कर दिया गया है। यह स्थिति तब बनी जब हसन नवाज पर करीब 10 मिलियन पाउंड (1,12,13,64,000.00 भारतीय रुपए) का आयकर टैक्स बकाया पाया गया। लंदन प्रशासन ने इस मामले में सख्त कदम उठाते हुए हसन नवाज के खिलाफ दिवालिया घोषित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है, जो अप्रैल 2025 में लागू हो सकती है।

यहां बताते चलें कि हसन नवाज पाकिस्तान के मौजूदा प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के भतीजे हैं और उनकी बहन मरियम नवाज पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की मुख्यमंत्री हैं। ब्रिटिश प्रशासन द्वारा जारी आधिकारिक सूची में हसन नवाज का नाम शामिल किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, उनका आयकर टैक्स 2015-16 से बकाया है, जिस पर अब भारी जुर्माना लग चुका है। ब्रिटिश कानून के अनुसार, यदि कोई व्यक्ति अपने करों का भुगतान करने में विफल रहता है, तो उसे दिवालिया घोषित किया जा सकता है और उसकी संपत्ति को जब्त कर बकाया राशि की वसूली की जा सकती है। पनामा पेपर लीक में भी आया था नाम हसन नवाज का नाम पनामा पेपर लीक मामले में भी सामने आया था, जिसमें उन पर अवैध संपत्ति अर्जित करने और काले धन को छुपाने का आरोप लगा था। इसी विवाद के बाद उन्होंने अपनी एक संपत्ति 38 मिलियन पाउंड में अली रियाज मलिक को बेच दी थी। हालांकि, उनके करीबी सूत्रों का दावा है कि उन्होंने अपने सभी टैक्स चुका दिए थे, लेकिन ब्रिटिश प्रशासन ने उनसे अतिरिक्त कर की मांग की, जिसे उन्होंने देने से इनकार कर दिया। हाईकोर्ट के फैसले के बाद दिवालिया घोषित ब्रिटिश आयकर विभाग ने इस मामले को हाईकोर्ट तक पहुंचाया, जहां सुनवाई के बाद अदालत ने हसन नवाज को दिवालिया घोषित कर दिया। अब अप्रैल 2025 से उनके पास मौजूद संपत्तियों की नीलामी कर ब्रिटिश प्रशासन अपने करों की वसूली कर सकता है। लंबे समय से आर्थिक विवादों से घिरा नवाज शरीफ का परिवार लंबे समय से आर्थिक विवादों से घिरा हुआ है। हालांकि, पाकिस्तान में उनकी पार्टी पाकिस्तान मुस्लिम लीग (नवाज) सत्ता में बनी हुई है, लेकिन विदेशी संपत्तियों और कर विवादों के कारण उनके परिवार की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं।

अमेरिका ने नेपाल के एमसीसी अंतर्गत कुछ कार्यों को आगे बढ़ाने की दी अनुमति

काठमांडू, 23 मार्च (एजेंसियां)।

अमेरिकी सरकार ने विभिन्न तरह के आर्थिक सहायता कांटूने के अपने फैसले में मिलेनियम चैलेंज कॉम्पेक्ट (एमसीसी) परियोजना को भी रोक दिया था। 55 मिलियन डॉलर के इस आर्थिक सहायता वाले परियोजना के कुछ हिस्सों को अब अमेरिका ने जारी रखने का निर्देश दिया है।

एमसीसी नेपाल की तरफ से रविवार को एक बयान जारी करते हुए इसकी जानकारी दी गई है। अपने बयान में एमसीए नेपाल ने अमेरिकी प्रशासन द्वारा हाल ही में नेपाल के दफ्तर संचालन और कुछ सामग्री खरीद की अनुमति प्रदान की है। डोनाल्ड ट्रंप के द्वारा अमेरिकी सत्ता संभालने के बाद से यूएसएआईडी सहित नेपाल में एमसीसी के सभी परियोजना और नेपाल स्थित उसके दफ्तर को बंद करने का निर्देश दिया था।

एमसीसी अमेरिका की बैठक में किए गए निर्णयों के बाद एमसीसी नेपाल चैप्टर ने जानकारी दी है कि काठमांडू स्थित उनके दफ्तर को पुन: संचालित करने और टेंडर हो चुके परियोजना में खरीद प्रक्रिया को आगे बढ़ाने की अनुमति प्रदान की गई है। एमसीसी अमेरिका के तरफ से नेपाल में 55 मिलियन अमेरिकी डॉलर के सहायता से दो अंतराष्ट्रीय विद्युत प्रसारण लाइन के निर्माण किया जा रहा था। एमसीसी नेपाल के प्रवक्ता पुष्कर माथेमा ने बताया कि नए निर्देशों के बाद जो ट्रांसमिशन लाइन निर्माण के लिए टेंडर निकल चुका हैं, उसका अग्रिम भुगतान कर सामग्री खरीद की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी। एक और नया टेंडर का परिणाम भी घोषित किया जाएगा जो पहले निकल चुका है और अचानक अमेरिकी सरकार के फैसले के कारण उसे बीच में ही रोक देना पड़ा था। एमसीसी नेपाल ने भारत की ट्रांसरेल कंपनी के साथ 18 किमी लंबे ट्रांसमिशन लाइन के निर्माण का समझौता कर चुकी है। अगस्त 2024 में हुए इस समझौते के तहत नेपाल से भारत की सीमा तक 18 किमी लंबे प्रसारण लाइन का निर्माण किया जाएगा जिस नेपाल में उत्पादित बिजली को भारत तक भेजा जा सके। नेपाल और भारत के बीच 10 वर्ष में 10 हजार मेगावाट बिजली भेजने का समझौता हुआ है। पर नेपाल में उच्च क्षमता के ट्रांसमिशन लाइन नहीं होने के कारण समझौते पर अमल नहीं हो पाया। तीन उच्च क्षमता वाले नए ट्रांसमिशन लाइन और तीन पुराने ट्रांसमिशन लाइन की क्षमता को बढ़ाने के लिए भारत के द्वारा सहयोग किया जा रहा है।

पाकिस्तान में न जनता सुरक्षित न मुर्दे, अस्पताल से शव ले भागे बलूच विद्रोही

इस्लामाबाद। आतंक की आग में झुलस रहे पाकिस्तान में अब अस्पताल में रखे शव भी सुरक्षित नहीं हैं। बलूच लिबरेशन आर्मी के विद्रोही पाकिस्तान में ट्रेन हाईजैक के दौरान अपने मारे गए साथियों के शव अस्पताल पर हमला कर ले भागे। ट्रेन हाईजैक के बाद सेना द्वारा की कई कार्रवाई में कई बलूच विद्रोही मारे गए थे, जिनके शव बलूचिस्तान की प्रांतीय राजधानी क्वेटा के सिविल अस्पताल में रखे गए थे। कल बड़ी संख्या में बलूच विद्रोही अस्पताल पर हमला कर अपने साथियों के शव ले भागे। इस दौरान उनका विरोध करने वाला कोई मौजूद नहीं था। सेना के जो जवान अस्पताल की सुरक्षा में लगाए गए थे, वे भी बड़ी तादाद में पहुंचे बलूच विद्रोहियों से डरकर दुबक गए। उधर, अस्पताल में लापता व्यक्तियों के परिजनों का भी तांता लगा हुआ है और वे लोग शवों की पहचान करने की अनुमति देने की मांग कर रहे हैं।

मुंबई इंडियंस को चेन्नई सुपर किंग्स ने 4 विकेट से हराया

चेन्नई,22 मार्च (एजेंसियां) । मुंबई इंडियंस आईपीएल की सबसे सफल टीम है। लीग में सबसे ज्यादा मैच जीतने का रिकॉर्ड मुंबई इंडियंस के नाम है। चेन्नई सुपर किंग्स के साथ टीम के नाम सबसे ज्यादा 5 खिताब भी हैं। लेकिन 2013 में शुरू हुआ सीजन के पहले मैच में हार का सिलसिला खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। आईपीएल 2025 में भी मुंबई इंडियंस अपना पहला मैच हार गई है। चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ एमए चिदंबरम स्टेडियम में मुंबई को 4 विकेट से हार मिली। लगातार 13वें सीजन मुंबई अपना पहला मैच हारी है।

अफगानिस्तान के 'मिस्ट्री' स्पिनर नूर अहमद ने 18 रन देकर चार विकेट लिए। इसकी वजह से मुंबई इंडियंस की टीम टॉस हारने के बाद पहले खेलते हुए नौ विकेट पर 155 रन ही बना सकी। नूर अहमद के अलावा खलील अहमद ने 29 रन देकर तीन विकेट झटके।

चेन्नई ने 20वें ओवर में 6 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। टीम के लिए कप्तान रुतुराज गायकवाड़ के साथ ही रचिन रविंद्र ने फिफ्टी लगाई। सलामी बल्लेबाज करने उतरे रचिन ने छक्के से मैच फिनिश किया। वह 45 गेंद पर 65 रन बनाकर नाबाद रहे। रुतुराज ने सिर्फ 26 गेंद पर 53 रन बनाए।

मुंबई इंडियंस तिलक वर्मा 31 रन बनाकर शीर्ष स्कोरर रहे। उसके लिए कप्तान सूर्यकुमार यादव 29 रन का ही योगदान दे सके। अंत में दीपक चाहर ने 15 गेंद में नाबाद 28 रन बनाकर टीम को इस स्कोर तक पहुंचाने में मदद की।

गेंदबाजी में मुंबई इंडियंस के लिए आईपीएल डेब्यू कर रहे विग्नेश पुथुर ने 3 विकेट लिए। दीपक चाहर और विल जैक्स को भी 1-1 सफलता मिली। चेन्नई के खिलाफ मुंबई को लगातार चौथे मैच में हार मिली है।

नूर अहमद ने जहां मुंबई इंडियंस के मध्य क्रम को ध्वस्त किया तो वहीं खलील अहमद ने सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा (शून्य) और रेयान रिकलटन (सात गेंद में 13 रन) को पावरप्ले में पवेलियन भेज दिया। सीएसके में 10 साल बाद वापसी कर रहे आर अश्विन ने अपने पहले ओवर में ही विकेट झटककर स्कोर तीन विकेट पर 36 रन कर दिया। जब विल जैक्स उनकी गेंद पर मिड-ऑफ पर दुबे को आसान कैच थमा बैठे।

न्यूज ब्रीफ

रहाणे बोले, बल्लेबाजों के अच्छा प्रदर्शन नहीं करने से हारे

कोलकाता। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के कप्तान आजिंक्य रहाणे इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के पहले ही मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के हाथों मिली हार से निराश हैं। इस मैच में केकेआर की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए आठ विकेट पर 174 रन ही बना पाये। इसके बाद ये लक्ष्य आरसीबी ने 16.2 ओवर में तीन विकेट गंवा के नुकसान पर ही हासिल कर लिया। मैच के बाद रहाणे ने कहा कि हम 200 से 210 रन बना सकते थे पर टीम ने अच्छी बल्लेबाजी नहीं की जिसके कारण ये आंकड़ा हासिल नहीं हो पाया। रहाणे ने इस मैच में अच्छी बल्लेबाजी कर 56 रन बनाये थे। रहाणे ने कहा, हम 13वें ओवर तक अच्छा खेल रहे थे पर इसके बाद विकेट गिरने से हमारी टीम दबाव में आ गयी। उसके बाद बल्लेबाजों ने अपनी तरफ से प्रयास किये पर वे सफल नहीं हो पाए। शुरुआत में लगा कि 200-210 का स्कोर हासिल किया जा सकता है पर बीच में विकेट गिरने से हालात बदल गये। रहाणे ने आगे कहा, मैच में थोड़ी ओस थी पर विरोधी टीम आरसीबी ने पावरप्ले में अच्छा खेला जिससे उसे जीत मिली। साथ ही कहा कि अब हम इस मैच के बारे में बहुत ज्यादा नहीं सोचना चाहते पर कुछ क्षेत्रों में बेहतर प्रदर्शन का प्रयास करेंगे। इस मैच में आरसीबी की ओर से विराट कोहली ने सबसे ज्यादा नाबाद 59 रन बनाये जबकि फिल सॉल्ट ने 56 और रजत पाटीदार ने 34 रन बनाये।

शार्दुल को मोहसिन के विकल्प के तौर पर शामिल करेगी लखनऊ सुपरजायंट्स

नई दिल्ली। भारतीय टीम से बाहर चले रहे ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर लखनऊ सुपरजायंट्स टीम के साथ विशाखापत्तनम पहुंचे हैं। इससे ये माना जा रहा है कि शार्दुल को सुपरजायंट्स की टीम चोटिल तेज गेंदबाज मोहसिन खान की जगह शामिल करेगी। शार्दुल को गत वर्ष हुई नीलामी में किसी ने नहीं खरी था पर टूर्नामेंट शुरू होते ही उन्हें सुपरजायंट्स का साथ मिला है। लखनऊ सुपरजायंट्स को आईपीएल 2025 में अपना पहला मैच 24 मार्च को दिल्ली कैपिटल्स से खेलना है। लखनऊ की टीम अपने तेज गेंदबाजों की चोट से परेशान है, ऐसे में वह अनुभवी शार्दुल को लेकर इस कमी को काफी हद तक पूरा करना चाहेगी। टीम के 4 तेज गेंदबाज मयंक यादव, आवेश खान, आकाश दीप और मोहसिन चोट के कारण टूर्नामेंट के शुरुआती मुकाबलों में नहीं खेलेंगे। मयंक, आकाश दीप और आवेश कुछ मैच बाद वापसी कर सकते हैं पर मोहसिन के खेलने की कोई संभावना नहीं है जिसको देखते हुए ही शार्दुल को टीम में जगह मिलना तय है। लखनऊ ने इस सत्र में जब से ट्रेनिंग कैंप लगाया था तब से ही शार्दुल को अपने साथ शामिल कर लिया था। इसका कारण है कि टीम ने शुरु से ही उन्हें अपनी योजना का हिस्सा बनाया था। शार्दुल की ही तरह शिवम मावी भी टीम के ट्रेनिंग कैंप में थे। ऐसे में वह भी किसी चोटिल गेंदबाज की जगह ले सकते हैं।

आईपीएल उद्घाटन समारोह में अभिनेत्री दिशा पाटनी अपने ड्रेस को लेकर ट्रॉल हुई

मुम्बई। आईपीएल के उद्घाटन समारोह में अभिनेत्री दिशा पाटनी अपनी ड्रेस को लेकर ट्रॉल हो रही हैं।

सोशल मीडिया पर लोग उनके पहनावे की आलोचना करते दिखे हैं। कोलकाता के ईडन गार्डन्स में हुए इस समारोह में दिशा ने अपने कार्यक्रम से सभी का ध्यान खींचा पर उनकी ड्रेस पर लोगों ने सवाल उठाये हैं। दिशा की ड्रेस को लेकर सोशल मीडिया पर कई लोगों ने नाराजगी जतायी है। कई सोशल मीडिया यूजर्स ने कहा कि इस प्रकार के ड्रेस की ड्रेस देखकर परिवार के साथ आये लोगों को असहज लगा। दिशा ने कार्यक्रम के दौरान आइवरी ब्रालेट और मैचिंग स्कर्ट पहनी हुई थी। कई लोगों ने कार्यक्रम की सराहना की पर कहा कि जिस प्रकार की ड्रेस पहनकर वह आयीं। इसकी अनुमति भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) को नहीं देनी चाहिये थी। एक यूजर ने सोशल मीडिया में लिखा, 'बीसीसीआई ने ये जानते हुए कि ये सब परिवारों और बच्चे भी देखते हैं, फिर भी इस तरह की द्र ड्रेस के साथ कार्यक्रम की अनुमति कैसे दे दी जबकि दूसरे यूजर ने लिखा, 'ये हरकत खेल आयोजन के लिए सही नहीं कही जा सकती है।

आईपीएल में अपना सर्वोच्च टोटल बनाने के बावजूद हारी राजस्थान रॉयल्स, सनराइजर्स की जीत से शुरुआत

हैदराबाद,22 मार्च (एजेंसियां) । राजस्थान का यह आईपीएल में सर्वोच्च स्कोर है, इसके बावजूद टीम सफलता हासिल नहीं कर सकी। राजस्थान का इससे पहले सर्वोच्च स्कोर 2020 में पंजाब किंग्स के खिलाफ शारजाह में 226 रन था। उन्होंने विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए भरपूर प्रयास किया, लेकिन चुनौती इतनी बड़ी थी कि टीम इसमें सफल नहीं हुई। राजस्थान पर जीत के साथ ही गत उपविजेता टीम ने आईपीएल 2025 का विजयी आगाज किया है। हैदराबाद और राजस्थान के बीच इस मैच में कुल 528 रन बने। यह आईपीएल इतिहास में दूसरा सर्वोच्च एग्रिगेट है। आईपीएल में दोनों पारी मिलाकर सबसे ज्यादा रन बनने का रिकॉर्ड हैदराबाद और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के नाम है। आरसीबी और हैदराबाद के बीच पिछले साल बंगलुरू में खेले गए मैच में कुल 549 रन बने थे। लक्ष्य का पीछा करते हुए राजस्थान की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी और उसने 50 रन के स्कोर पर तीन विकेट गंवा दिए थे। सिमरनजीत सिंह ने एक ही ओवर में राजस्थान रॉयल्स को दो झटके दिए। राजस्थान की पारी का दूसरा ओवर डालने आए सिमरनजीत ने पहले यशस्वी जायसवाल को आउट किया और फिर कप्तान रियान पराग को पवेलियन की राह दिखाई। इसके बाद तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने नीतीश राणा को आउट कर राजस्थान को तीसरा झटका दिया। शुरुआती झटके लगने के बाद इंपैक्ट प्लेयर के तौर पर खेलने उतरे संजू सैमसने ने ध्रुव जुरेल के साथ मिलकर राजस्थान को संभाला। सैमसन ने जुरेल के साथ मिलकर चौथे विकेट के लिए 111 रन जोड़े और टीम को मुश्किल से उबारा। सैमसन ने 26 गेंदों पर अर्धशतक जड़ा। उनके ठीक बाद जुरेल ने भी 28 गेंदों पर पचासा पूरा किया। सैमसन और जुरेल जब बल्लेबाजी कर रहे थे तो लग रहा था कि राजस्थान आईपीएल इतिहास का सबसे सफल रन चेज कर सकती है, लेकिन सैमसन के आउट होते ही यह साझेदारी टूट गई। सैमसन के पवेलियन लौटने के बाद जुरेल भी अपना विकेट गंवा बैठे। अंत में शिमरॉन हेत्मायर और शुभम दुबे ने कुछ कोशिश की, लेकिन टीम लक्ष्य हासिल नहीं कर सकी। राजस्थान के लिए विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव जुरेल ने सबसे ज्यादा 35 गेंदों पर पांच चौकों और छह छक्कों की मदद से 70 रन बनाए। वहीं, सैमसन ने 37 गेंदों पर सात चौकों और चार छक्कों के सहारे 66 रन बनाए। हेत्मायर ने 23 गेंदों पर एक चौका और चार छक्के की मदद से 42 रन बनाए, जबकि शुभम 11 गेंदों पर एक चौका और चार छक्के की मदद से 34 रन बनाकर नाबाद लौटे।

राजस्थान की ओर से नीतीश राणा ने 11, कप्तान रियान पराग ने चार, यशस्वी जायसवाल ने 1 और जोफ्रा आर्चर ने नाबाद एक रन बनाए। सनराइजर्स हैदराबाद की ओर से सिमरनजीत सिंह और हर्षल पटेल को दो-दो विकेट मिले, जबकि मोहम्मद शमी और एडम जैम्पा ने एक-एक विकेट लिया।इससे पहले, सनराइजर्स हैदराबाद ने ईशान किशन के नाबाद शतक और ट्रेविस हेड के अर्धशतक के दम पर राजस्थान रॉयल्स के सामने जीत के लिए 287 रनों का लक्ष्य रखा। राजस्थान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला लिया, लेकिन हैदराबाद ने आईपीएल इतिहास का दूसरा सर्वोच्च टोटल बनाया। आईपीएल में सबसे ज्यादा स्कोर करने का रिकॉर्ड भी हैदराबाद के नाम है। हैदराबाद ने आरसीबी के खिलाफ पिछले सीजन तीन विकेट पर 287 रन बनाए थे जो इस टूर्नामेंट का सर्वोच्च टोटल है। पहले बल्लेबाजी करते हुए अभिषेक शर्मा और ट्रेविस हेड ने टीम को शानदार शुरुआत दिलाई, लेकिन अभिषेक के आउट होने के बाद हेड ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की और अर्धशतक जड़ा।

वसीम जाफर ने ऑरेंज और पर्पल कैप को लेकर कर दी भविष्यवाणी

मुंबई,23 मार्च (एजेंसियां) । आईपीएल 2025 का आगाज होने को है, इसके पहले पूर्व क्रिकेटरों का टूर्नामेंट को लेकर भविष्यवाणी देने का सिलसिला जारी है। इस कड़ी में टीम इंडिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज और मौजूदा जानकार वसीम जाफर ने सबसे ज्यादा रन और सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले खिलाड़ी को लेकर अपनी भविष्यवाणी की है। जाफर ने इस बार ऑरेंज कैप के लिए साई सुदर्शन को, पर्पल कैप के लिए अर्शदीप सिंह को दावेदार बता दिया है। साई गुजरात जाएंट्स का हिस्सा हैं, वहीं अर्शदीप पंजाब किंग्स के लिए खेल रहे हैं। इस जोड़ी की भिड़ंत 25 मार्च को नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होगी।

गुजरात टाइटंस ने 2024 सीजन के बाद साई सुदर्शन को 8.50 करोड़ रुपये में रिटेन किया। बाएं हाथ के बल्लेबाज ने बीते सीजन शानदार प्रदर्शन कर 12 पारियों में 47.91 की औसत और 141.29 की स्ट्राइक रेट से 527 रन बनाए थे। वे जीटी के सबसे ज्यादा रन बनाने वाले और

इन दो खिलाड़ियों के नाम बताए

कुल मिलाकर छठे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी थे।

वहीं अर्शदीप ने भी 2024 सीजन के दौरान अपना बेहतर प्रदर्शन किया था। उन्होंने 14 पारियों में 26.58 की औसत और 10.03 की इकॉनमी रेट से 19 विकेट झटके थे। हालांकि उन्हें सीजन के बाद पीबीकेएस द्वारा रिटेन नहीं किया गया, लेकिन फ्रैंचाइजी ने उन्हें राइट-टू-मैच कार्ड के जरिए 18 करोड़ रुपये में आईपीएल 2025 मेगा नीलामी में अपने स्क्वॉड में फिर शामिल किया। पिछले दो सीजन में ऑरेंज कैप और पर्पल कैप भारतीय खिलाड़ियों ने जीती हैं। 2024 में विराट कोहली और हर्षल पटेल क्रमश: सबसे ज्यादा रन और विकेट लेने वाले खिलाड़ी रहे, जबकि 2023 में शुभमन गिल और मोहम्मद शमी ने इस पहना था। जोस बटलर (2022) और कैगिसो रबाडा (2020) क्रमश: ऑरेंज कैप और पर्पल कैप जीतने वाले अंतिम विदेशी खिलाड़ी थे।

नमिता और मुन्ना बने मोतीलाल नेहरू कॉलेज (सांध्य) के सर्वश्रेष्ठ एथलीट

दिल्ली के मोतीलाल नेहरू कॉलेज (सांध्य) ने वार्षिक खेल दिवस मनाकर अपने गौरवशाली खेल इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ा। खेल दिवस का समापन मुन्ना कुमार को छात्र वर्ग में सर्वश्रेष्ठ एथलीट और नमिता भाखला को छात्रा वर्ग में सर्वश्रेष्ठ एथलीट घोषित करने के साथ हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि दिल्ली विश्वविद्यालय के डीन ऑफ कॉलेजेस प्रोफेसर बलराम पाणि, भारतीय महिला कबड्डी टीम की पूर्व कोच द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेता पद्मश्री डॉ. सुनील डबास और भारतीय महिला हॉकी टीम के पूर्व कोच द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेता नरेंद्र सिंह सैनी मौजूद थे। वार्षिक खेल दिवस का समापन मोतीलाल नेहरू कॉलेज (सांध्य) के प्राचार्य प्रोफेसर संदीप गर्ग के समापन भाषण के साथ हुआ।

जूही ने बदलवाया था केकेआर की जर्सी का रंग

नई दिल्ली,23 मार्च (एजेंसियां) । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के पहले ही मैच में कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) को रॉयल चैलेंसर्स (आरसीबी) के हाथों हाथों हार का सामना करना पड़ा है। केकेआर की जर्सी में अब तक काफी बदलाव आये हैं और इसका कारण इसकी सहमालिकन जूही चावला रही हैं। केकेआर की जर्सी शुरुआत में काले रंग की थी पर जूही का मानना था कि ये मनहूस थी। इसी कके कारण उन्होंने इसे बदलने को कहा था। एक वीडियो में बताया या है कि कैसे जूही के अंधविश्वासी होने के चलते टीम की जर्सी का रंग बदलना पड़ा था। जूही कहती हैं कि दक्षिण अफ्रीका में लगातार हार के बाद जब वो टीम के साथ वापस लौटीं तो उनका मानना था कि काले रंग की जर्सी के कारण ही टीम हार रही है। इस वीडियो में जूही के पति जय मेहता कहते हैं कि जब जूही ने उन्हें अपने अंधविश्वास के बारे में बताया तो शुरुआत में किसी ने उनकी बात नहीं मानी। उन्हें लगा कि वो हार की वजह से कुछ भी कह रही हैं और ये सब बेकार की बातें हैं। वहीं वीडियो में जूही कहती हैं कि वो शुरुआत से ही केकेआर में काली जर्सी नहीं चाहती थीं। इस अभिनेत्री ने कहा, 'मुझे काले रंग से कुछ तो दिक्कत थी। मुझे लगता था कि ये रंग टीम के उत्साह को नहीं बढ़ा रहा। जब हम लगातार हार के वापस आए तो मुझे लगा कि बस अब बहुत हो गया अब हमें जर्सी का रंग बदलना होगा।' इसी के बाद जर्सी का रंग काले से बदलकर पर्पल रखा गया जूही का अंदाजा सही निकला। जर्सी का रंग बदलते ही टीम जीतने लगी। टीम की पहली जर्सी का काला रंग सहमालिक शाहरुख खान ने तय किया था।

बीसीसीआई ने दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज के साथ सीरीज के लिए कार्यक्रम घोषित किया

कोलकाता,23 मार्च (एजेंसियां) । भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड (बीसीसीआई) ने इस साल वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाली सीरीज के लिए कार्यक्रम जारी कर दिया है। भारतीय टीम अक्टूबर में वेस्टइंडीज के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की घरेलू सीरीज खेलेगी। इसका पहला टेस्ट पंजाब के मोहाली में जबकि दूसरा टेस्ट कोलकाता के ईडन गार्डन्स में खेला जाएगा। वहीं इसके बाद नवंबर में अपनी ही धरती पर टीम दो टेस्ट और तीन एकदिवसीय मैच जबकि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पांच टी20 मैच खेलेगी।

भारत और दक्षिया अफ्रीका के बीच दो मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला दिल्ली में जबकि दूसरा टेस्ट गुवाहाटी के बरसापारा क्रिकेट स्टेडियम में होगा। गुवाहाटी मैदान पर पहली बार कोई टेस्ट मैच खेला जाएगा। भारत-दक्षिण अफ्रीका के बीच गुवाहाटी टेस्ट मैच 22-26 नवंबर में खेला जाएगा।

वहीं भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच एकदिवसीय सीरीज का पहला मुकाबला 30 नवंबर को रांची में जबकि दूसरा एकदिवसीय 3 दिसंबर को रायपुर और तीसरा एकदिवसीय 6 दिसंबर को विशाखापत्तम में होगा।

न्यूजीलैंड के हेनरी पाक के खिलाफ बचे हुए दो टी20 मैचों से भी बाहर हुए

ऑकलैंड। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज मैट हेनरी चोटिल होने के कारण पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले शेष दो टी20 मैचों से बाहर हो गये हैं। हेननी को ये चोट आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में लगी थी जिससे वह अभी तक नहीं उबर पाये हैं। हेनरी के बाहर होने से पाक को राहत मिली है। मेजबान कीवी टीम अभी तक इस सीरीज में 2-1 से आगे है। न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने कहा कि हैनरी के बाहर होने से तेज गेंदबाज जैक फाउल्क्स को अंतिम दो मैचों के लिए टीम में बरकरार रखा जाएगा। उन्हें पहले तीन मैचों के लिए कवर के तौर पर रखा था। वहीं विल ओरूर्के को काइल जैमीसन की जगह अंतिम दो मैचों के लिए टीम में रखा गया है। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने कहा, कैंटरबरी के 22 साल के तेज गेंदबाज फाउल्क्स अंतिम दो मैचों के लिए टीम के साथ बने रहेंगे, वह पहले तीन मैचों के लिए कवर के तौर पर टीम में रखे गये थे। वहीं जैमीसन की जगह विल ओरूर्के को टीम में शामिल किया गया है। विल ओरूर्के पहले तीन मैचों के लिए टीम में थे। न्यूजीलैंड टीम अभी इस सीरीज में 2-1 से आगे है।

इंडसइंड बैंक में अक्टूबर तक हो सकती है नए सीईओ की नियुक्ति : रिपोर्ट

नई दिल्ली, 23 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

इंडसइंड बैंक के मौजूदा सीईओ सुमंत काठपलिया का कार्यकाल समाप्त होने वाला है और नए सीईओ का चयन करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। बैंक बोर्ड ने अक्टूबर तक नए सीईओ का चयन करने का निर्णय लिया है।

नए सीईओ का चयन करने की प्रक्रिया शुरू

जिसमें संभावित नामों का समावेश हो सकता है। इसी बीच, इंडसइंड बैंक ने अपनी डेरिवेटिव पोर्टफोलियो में पाई गई विसंगतियों की जांच के लिए एक स्वतंत्र पेशेवर फर्म को नियुक्त किया है। इस जांच में डेरिवेटिव अनुबंधों के लेखा उपचार की सटीकता और उनके वित्तीय प्रभाव का मूल्यांकन किया जाएगा। इस मामले में भारतीय रिजर्व बैंक को भी सक्रिय रूप से शामिल किया जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक आरबीआई इस मामले में पूरी जिम्मेदारी का आकलन करेगा और उचित कदम उठाएगा। विशेषज्ञों के अनुसार, इन विसंगतियों का प्रभाव बैंक के शुद्ध मूल्य पर 2.35 फीसदी तक हो सकता है, जिससे बैंक की वित्तीय स्थिति प्रभावित हो सकती है। जमाकर्ताओं को आश्वस्त करने के लिए आरबीआई ने इंडसइंड बैंक की वित्तीय स्थिति को लेकर सारे सवालों का समाधान करने का दावा किया है। बैंक की प्रतिष्ठित योजनाएं और सावधानियाँ इस समय जोर पर हैं और सभी दिशाओं से उन्हें समर्थन मिल रहा है। इंडसइंड बैंक की यह घटनाएं वित्तीय समुदाय में गहरी चर्चा में हैं और नए सीईओ के चयन से इसका मार्केट पर क्या प्रभाव होगा, यह देखने लायक है। इसके साथ ही, विसंगतियों के समाधान और वित्तीय स्थिति के सुधार के लिए अब किस प्रकार के कदम उठाए जाएंगे, यह भी बातचीत का विषय बन रहा है।

न्यूज़ ब्रीफ

एलन मस्क के चैटबॉट ने भारत में सोशल मीडिया पर बवाल मचाया

नई दिल्ली। एलन मस्क के एआई चैटबॉट ग्रोक की वजह से भारत में सोशल मीडिया पर बवाल मच गया है। इसकी वजह बनी चैटबॉट की बोलचाल की भाषा, जिसमें उसने हिंदी स्लैंग (गाली जैसी भाषा) का इस्तेमाल कर दिया। मामला तब शुरू हुआ जब एक यूजर ने एक्स पर ग्रोक से 10 बेस्ट म्यूचुअल्स के बारे में पूछा। जब चैटबॉट ने तुरंत जवाब नहीं दिया तो यूजर ने गुस्से में भद्दे शब्दों का इस्तेमाल कर दिया। इसके जवाब में ग्रोक ने भी हिंदी स्लैंग में रिप्लाई कर दिया, जिससे मामला तूल पकड़ गया. चैटबॉट का यह जवाब सोशल मीडिया पर वायरल हो गया और लोगों ने एआई के बिहेवियर पर सवाल उठाने शुरू कर दिए। बहस इस बात पर होने लगी कि क्या एआई को यूजर की भाषा को हूबहू कॉपी करना चाहिए इसी बीच भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय ने इस मामले में दखल दे दिया। मंत्रालय ने एक्स से ग्रोक को ट्रेन्ड करने वाले डेटा सेट्स की जानकारी मांगी है और चैटबॉट की भाषा पर जांच शुरू कर दी है।

1 अप्रैल, 2025 से मंहगी होगी किआ की कारें, इनपुट लागत में बढ़ोत्तरी बनी वजह

मुंबई। किआ इंडिया ने ऐलान किया था कि कंपनी 1 अप्रैल, 2025 से अपनी कारों की कीमतों में 3 प्रतिशत तक बढ़ोतरी करेगी। कंपनी ने कीमत बढ़ोतरी का फैसला बढ़ती इनपुट लागत और आपूर्ति श्रृंखला से संबंधित समस्याओं के कारण लिया है। किआ इंडिया के सीनियर वाइस प्रेजिडेंट हरदीप सिंह बरार ने कहा, कंपनी ने हमेशा प्रतिस्पर्धी कीमतों पर उच्च गुणवत्ता वाले वाहन पेश करने का प्रयास किया है, लेकिन वस्तुओं और इनपुट सामग्रियों की बढ़ती कीमतों के कारण हमें 1 अप्रैल से 3 प्रतिशत तक मूल्य वृद्धि करनी पड़ेगी। उन्होंने कहा कि यह निर्णय किआ के लिए जरूरी था ताकि वह अपने ग्राहकों को तकनीकी रूप से उन्नत और उच्च गुणवत्ता वाले वाहन दे सके। ग्राहकों पर इसका प्रभाव कम करने के लिए किआ ने बढ़ी हुई लागत का एक महत्वपूर्ण हिस्सा खुद वहन करने का फैसला किया है। इससे कंपनी यह सुनिश्चित करना चाहती है कि मूल्य वृद्धि ग्राहकों के लिए यथासंभव किफायती रहे। इसके पहले, मारुति सुजुकी और टाटा मोटर्स जैसी कंपनियां भी अप्रैल से अपनी कारों की कीमतों में बढ़ोतरी की ऐलान कर चुकी हैं। बढ़ती इनपुट लागत और आपूर्ति श्रृंखला में आए संकट के कारण यह निर्णय लिया गया है, जो पूरी ऑटो इंडस्ट्री के लिए चुनौतीपूर्ण स्थिति बन गई है।

पीएसबी का लाभांश भुगतान 33 प्रतिशत बढ़कर हुआ 27,830 करोड़ रुपए, बैंकों की वित्तीय सेहत में सुधार का संकेत

नई दिल्ली। बीते वित्त वर्ष 2023-24 में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) का लाभांश भुगतान 33 प्रतिशत बढ़कर 27,830 करोड़ रुपये रहा है। यह इन बैंकों की वित्तीय सेहत में सुधार का संकेत है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, पीएसबी ने 2023-24 में शेयरधारकों को 27,830 करोड़ रुपये का लाभांश दिया है, जबकि इससे पिछले वित्त वर्ष में यह आंकड़ा 20,964 करोड़ रुपये रहा है। इस तरह पीएसबी के लाभांश भुगतान में 32.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। कुल 27,830 करोड़ रुपये के लाभांश में से लगभग 18,013 करोड़ रुपये का भुगतान सरकार को उसकी शेयरधारिता के लिए किया गया। वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान, सरकार को भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) सहित सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों से लाभांश के रूप में 13,804 करोड़ रुपये मिले थे। गौरतलब है कि सार्वजनिक क्षेत्र के 12 बैंकों ने 2022-23 में 1.05 लाख करोड़ रुपये के शुद्ध लाभ के मुकाबले 2023-24 में 1.41 लाख करोड़ रुपये का अब तक का सबसे अधिक कुल शुद्ध लाभ दर्ज किया है। चालू वित्त वर्ष के पहले नौ माह में उनका शुद्ध लाभ 1.29 लाख करोड़ रुपये रहा है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

सुप्रीम कोर्ट ने ...

जज बनने के बाद उन्होंने सिंभावली शुगर मिल नाम की एक कंपनी में गैर-कार्यकारी निदेशक पद से इस्तीफा दे दिया था। उसी सिंभावली शुगर मिल की सीबीआई जांच का आदेश दिया गया था। लेकिन पिछले साल सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई से जांच कराने के फैसले को खारिज कर दिया था। सीबीआई से जांच कराने का आदेश इलाहाबाद हाईकोर्ट ने दिया था। सिंभावली शुगर मिल के खिलाफ केंद्रीय एजेंसी सीबीआई ने साल 2018 में मामला दर्ज किया था। एफआईआर में जस्टिस यशवंत वर्मा को सिंभावली शुगर्स में एक गैर-कार्यकारी निदेशक बताया गया था।

एजेंसी ने उन्हें आरोपी नंबर-10 बनाया था। इस मामले में सभी आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी और आपराधिक साजिश का आरोप लगाया गया है। कंपनी ने 900 करोड़ का लोन लिया था। यह एफआईआर ओरिएंटल बैंक ऑफ कॉमर्स (अब पंजाब नेशनल बैंक का हिस्सा) ने शुगर मिल के खिलाफ दर्ज कराई थी। कंपनी ने किसानों को कृषि उपकरण आदि देने के नाम पर इस बैंक से लगभग 150 करोड़ रुपए ऋण लिया था। मिल ने सात बैंकों से 900 करोड़ रुपए लोन लिए थे।

बैंक की शिकायत के अनुसार, जनवरी से मार्च 2012 के बीच ओरिएंटल बैंक ऑफ कॉमर्स की हापुड़ शाखा ने 5,762 किसानों को कृषि उपकरण, खाद और बीज खरीदने में मदद करने के लिए 148.59 करोड़ रुपए वितरित किए थे। समझौते के तहत किसानों के व्यक्तिगत खातों में वितरित किए जाने से पहले धनराशि को एस्क्रो खाते में स्थानांतरित किया जाना था। समझौते के तहत सिंभावली शुगर मिल्स ने ऋण चुकाने और किसानों द्वारा किसी भी चूक या पहचान मे धोखाधड़ी को कवर करने की गारंटी ली गई थी। कंपनी ने केवाईसी दस्तावेज जमा किए और धन का गबन किया। मार्च 2015 तक बैंक ने लोन को धोखाधड़ी घोषित कर दिया। इसमें कुल 97.85 करोड़ रुपए गबन और 109.08 करोड़ रुपए की बकाया राशि शामिल थी।

बैंक ने इस घोटाले की सूचना 13 मई 2015 को केंद्रीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) को भी दे दी थी। इस मामले में सीबीआई ने 12 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी, जिनमें से एक वर्तमान जस्टिस यशवंत वर्मा भी एक थे। एफआईआर में नामजद एक और प्रमुख व्यक्ति गुरपाल सिंह था। वह कंपनी का उप प्रबंध निदेशक और पंजाब के तत्कालीन मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह का दामाद था। सीबीआई द्वारा एफआईआर दर्ज करने के पांच दिन बाद प्रवर्तन निदेशालय ने भी 27 फरवरी 2018 को लखनऊ के ईडी पुलिस स्टेशन में धन शोधन निवारण अधिनियम 2002 की धारा 3/4 के तहत शिकायत दर्ज की। दिसंबर 2023 में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने ऋण वितरण से जुड़े 7 बैंकों की नए सिरे से सीबीआई जांच का आदेश दिए।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सीबीआई से कहा था कि 7 बैंकों ने सिंभावली शुगर्स को ऋण क्यों दिए, जबकि उन्हें पता था कि कंपनी का लोन नहीं चुकाने का इतिहास रहा है। हाईकोर्ट ने पाया कि कई बैंक अधिकारियों ने 900 करोड़ रुपए के ऋण पास करने में सिंभावली शुगर मिल्स के साथ मिलीभगत की थी। कोर्ट ने कहा था कि ओरिएंटल बैंक ही एकमात्र बैंक था जिसने केंद्रीय एजेंसियों से संपर्क किया। अपने आदेश में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा, बैंक अधिकारियों ने आरबीआई के दिशा-निर्देशों और परिपत्रों की पूरी तरह से अनदेखी की। हम सीबीआई को निर्देश देते हैं कि वह जांच करे कि किन अधिकारियों ने इन ऋणों को मंजूरी दी, बोर्ड या ऋण समिति के किन सदस्यों ने वितरण में मदद की और किन अधिकारियों ने गबन को बिना रोक-टोक जारी रहने दिया।

इलाहाबाद उच्च न्यायालय के आदेश पर कार्रवाई करते हुए सीबीआई ने फरवरी 2024 में एक नई जांच शुरू की। इस जांच का उद्देश्य यह पता लगाना था कि बैंक 2009 से 2017 के बीच सिंभावली शुगर मिल्स को ऋण क्यों देते रहे, जबकि यह कंपनी ऋण डिफॉल्टर थी। जांच में कंपनी, उसके निदेशकों और अज्ञात बैंक अधिकारियों का नाम शामिल किया गया था। मार्च 2024 में सुप्रीम कोर्ट ने जस्टिस यशवंत वर्मा के खिलाफ सीबीआई जांच को खारिज कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि इस मामले में सीबीआई जांच का आदेश देकर इलाहाबाद हाईकोर्ट ने गलती की है, क्योंकि इसमें जांच की कोई जरूरत ही नहीं थी।

एफआईआर दर्ज होने के कुछ समय बाद ही सीबीआई ने यशवंत वर्मा का नाम उस एफआईआर से हटा दिया था। इसके बाद इस केंद्रीय एजेंसी ने कोर्ट को बता भी दिया था कि जस्टिस यशवंत वर्मा का नाम एफआईआर से हटाया जा रहा है। साल 2014 में जब उन्हें इलाहाबाद हाईकोर्ट का अतिरिक्त जज बनाया गया तो उन्हें शुगर मिल कंपनी से इस्तीफा दे दिया था। ये वही जस्टिस यशवंत वर्मा हैं, जिन्होंने एक मामले में ईडी की कार्रवाई पर रोक लगा दी थी। साल 2023 में उन्होंने एक फैसला सुनाया था कि संघीय एजेंसी ईडी मनी लॉन्ड्रिंग के अलावा किसी अन्य अपराध की जांच नहीं कर सकती है और वह यह नहीं मान सकती है कि इसमें कोई अंतर्निहित अपराध है। यह मामला प्रकाश इंडस्ट्रीज लिमिटेड से जुड़े एक मामले से संबंधित था।

जस्टिस यशवंत वर्मा ने 24 जनवरी 2023 को प्रकाश इंडस्ट्रीज लिमिटेड द्वारा दायर एक मामले में फैसला सुनाया था। दरअसल, प्रकाश इंडस्ट्रीज नवंबर 2018 में ईडी के कुर्की के एक आदेश के खिलाफ दिल्ली हाईकोर्ट पहुंचा था। इस मामले की सुनवाई वर्तमान में जस्टिस प्रतिभा एम सिंह और रजनीश कुमार गुप्ता की पीठ द्वारा की जा रही है। जस्टिस यशवंत वर्मा 11 अक्टूबर 2021 को दिल्ली हाईकोर्ट में नियुक्त हुए थे। इसके बाद उन्होंने फरवरी 2022 तक सार्वजनिक परिसर (अधिनियम) और भूमि अधिग्रहण मामलों से निपटने वाली पीठ की अध्यक्षता की। मार्च 2022 से नवंबर 2022 तक उन्होंने दिल्ली हाईकोर्ट में विविध रोस्टर रखा और इसमें आरटीआई, दिल्ली परिवहन निगम और खेल से संबंधित कई मामलों का निपटारा किया।जस्टिस यशवंत वर्मा ने नवंबर 2022 से जुलाई 2023 तक मध्यस्थता मामलों को निपटाया। उन्होंने हाईकोर्ट के विविध रोस्टर का नेतृत्व किया। इसके तहत उन्होंने जनवरी 2023 में नेटफ्लिक्स के पक्ष में फैसला सुनाया था। वहीं, साल 1997 में हुए उपहार सिनेमा कांड पर आधारित फिल्म ट्रायल बाय फायर की रिलीज़ पर रोक लगाने से इन्कार कर दिया था। जुलाई 2023 से उन्होंने आयकर अपील, प्रत्यक्ष कर, सेवा कर और केंद्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम से संबंधित मामलों की सुनवाई करने वाली बेंच की अध्यक्षता की। मार्च 2024 में उन्होंने आयकर विभाग द्वारा कांग्रेस को 2018-19 के लिए 105 करोड़ रुपए के बकाया कर की वसूली के लिए जारी नोटिस पर रोक लगाने से इन्कार कर दिया था।इस साल जनवरी में जस्टिस वर्मा ने माना कि दक्षिण कोरिया स्थित सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी सैमसंग इंडिया इलेक्ट्रॉनिक्स प्राइवेट लिमिटेड भारत में कर का भुगतान करने के योग्य नहीं है। एक महीने बाद उन्होंने कार निर्माता मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड के खिलाफ आयकर विभाग द्वारा जारी 2,000 करोड़ रुपए के पुनर्मूल्यांकन नोटिस को रद्द कर दिया था। जस्टिस वर्मा ने ऑक्सफैम इंडिया और केयर इंडिया जैसे गैर-सरकारी संगठनों से जुड़े कई मामलों में भी फैसला सुनाया था। जनवरी 2024 में उन्होंने ऑक्सफैम इंडिया और केयर इंडिया की कर छूट की स्थिति को रद्द करने वाले आयकर विभाग द्वारा पारित आदेश पर रोक लगा दी थी। वहीं, फरवरी 2025 में उन्होंने समाचार पोर्टल न्यूज़ क्लिक द्वारा दायर एक याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया था। न्यूज क्लिक ने अपनी याचिका में आयकर विभाग के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें उसे 2 मार्च को या उससे पहले बकाया कर के रूप में 19 करोड़ रुपए से अधिक का भुगतान करने का निर्देश दिया गया था। अपने कार्यकाल के दौरान वह दिल्ली हाईकोर्ट के मूल पक्ष के प्रभारी न्यायाधीश भी थे। जस्टिस वर्मा का अब तक का 22 का करियर रहा है। अभी 5 साल 9 महीना उनका कार्यकाल बाकी है।

प्रधानमंत्री मोदी...

यह बैठक बिम्सटेक शिखर सम्मेलन के दौरान दोनों देशों के शीर्ष नेताओं के बीच हो सकती है। इस बीच, बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार मोहम्मद युनूस 28 मार्च को चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से भी मुलाकात करने वाले हैं। फरवरी में भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर से ओमान में आयोजित इंडियन ओशन कॉन्फ्रेंस के दौरान बांग्लादेशी विदेश मामलों के सलाहकार हुसैन ने मुलाकात की थी। जयशंकर ने बताया कि इस बैठक में भारत-बांग्लादेश के द्विपक्षीय संबंधों और बिम्सटेक से जुड़े विषयों पर चर्चा हुई। बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने भी एक बयान जारी कर कहा कि इस बैठक में आपसी हितों और विभिन्न द्विपक्षीय मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई।

नेपाल से...

सुरक्षा की दृष्टि से एक बड़ी चुनौती माना है। चीन ने भारत नेपाल बॉर्डर पर अपनी गतिविधियों को तेज किया हुआ है। नेपाल ने अपनी सीमा से भारत पर निगरानी रखने के लिए थर्मल दूरबीन कैमरे लगा दिए हैं, जानकारी के मुताबिक, इन कैमरों का भारत ने विरोध किया था बावजूद इसके नेपाल की औली सरकार ने ये कैमरे लगाए हैं जो कि भारतीय क्षेत्र में बहुत अंदर तक नजर रख रहे है। जिसका डेटा संभवतः चीन तक पहुंच रहा है। इसलिए भारत सरकार ने अब नेपाल सीमा पर अपने क्षेत्र में सड़क बनाने और साथ-साथ तारबाड़ लगाने का काम शुरू किया है। नेपाल के खुले बॉर्डर के स्वरूप को कुछ बदलाव के साथ कायम रखा जाएगा। भारत ने नेपाल जाने वाली सड़क गेट को खुला रखने के स्थान निर्धारित किए हैं, जो कि पहले भी तय है, शेष स्थानों को सील कर दिया जाएगा। उदाहरण के लिए उत्तराखंड में बनबसा बॉर्डर पर केवल शारदा पुल से होकर जाने वाली सड़क को ही खुला रखा जाएगा। यहां नेपाल से आने जाने दोनों देशों के वाहनों और नागरिकों को एक सुरक्षा जांच के लिए बने कॉरिडोर से गुजरना होगा। यानि अब दोनों देशों का कोई भी नागरिक स्वयं नदी पार करके अथवा खेत खलियानों से होता हुआ भारत में प्रवेश नहीं ले सकेगा। भारत इस सड़क का उपयोग नेपाल के साथ व्यापार के लिए करेगा और इस सड़क के जरिए सुरक्षा गश्त भी आसान होगी। जिससे राष्ट्र विरोधी, आतंकवादी गतिविधियों पर निगरानी रखी जा सकेगी।

नेपाल सीमा पर सड़क तारबाड़ योजना के पहले चरण में उत्तराखंड के मैदानी क्षेत्र को भी शामिल किया गया है, यहां से कुल 173 किमी की सड़क पहाड़ी क्षेत्रों तक जाएगी। इसमें मैदानी क्षेत्र का तकरीबन 50 किमी का क्षेत्र आता है। उत्तराखंड और नेपाल को काली शारदा नदी विभाजित करती है, उत्तराखंड और नेपाल के बीच करीब 275 किमी लंबी सीमा है। मैदानी क्षेत्र में बहुत से स्थान ऐसे है जहां से राष्ट्र विरोधी तत्व घुसपैठ करते रहे हैं। सड़क मार्ग के अलावा पहाड़ी क्षेत्रों में वन विभाग को तारबाड़ लगाकर पेड़ लगाने के लिए कहा जा रहा है। नेपाल भारत सीमा पर भारतीय सीमा क्षेत्र में भारत द्वारा लगाई जा रही सड़क तारबाड़ योजना का नेपाली कांग्रेस पार्टी नेता और पूर्व प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा ने विरोध किया है। अपनी जनसभाओं में वे इस मुद्दे पर मुखर होते दिखाई दे रहे हैं। जबकि भारत का कहना है वो अपनी सीमा पर सड़क और तारबाड़ अपनी आंतरिक सुरक्षा के लिए लगा रहा है। सड़क बन जाने से दोनों देशों के बीच व्यापार भी बढ़ेगा, इससे खुली सीमा के समझौते पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

भारत सरकार के गृह मंत्रालय ने नेपाल सीमा पर दिलशाद मिर्जा, यासीन भटकल, अब्दुल करीम दूंडा, जब्बार, जावेद कमाल, वसीम, टाइगर मेमन, बब्बर खालसा के सुखविंदर सिंह, भाग सिंह,अजमेर सिंह जैसे अपराधियों की हरकतों को यहां दर्ज किया है। गृह मंत्रालय ने इसके अलावा ड्रग्स, वन्यजीव अंगों की तस्करी, जाली करेंसी, बेशकीमती धातुओं और हथियारों की तस्करी के लिए भी नेपाल सीमा के दुरुपयोग को नोटिस किया है। सीमा सशस्त्र बल, आईबी और अन्य सुरक्षा एजेंसियों की रिपोर्ट के बाद ही भारत सरकार ने भविष्य की आंतरिक सुरक्षा चुनौतियों में नेपाल सीमा को भी संवेदनशील मानते हुए यहां सड़क तारबाड़ से योजना पर काम शुरू किया है।

यशवंत वर्मा ने ...

और मेरे घर के सदस्यों को घटनास्थल से दूर जाने के लिए कहा गया। आग बुझने के बाद और जब वे घटनास्थल पर वापस आए तो मौके पर कोई नकदी या मुद्रा नहीं मिली। जस्टिस वर्मा ने अपने जवाब में कहा, मैं स्पष्ट रूप से कहता हूं कि मेरे या मेरे परिवार के किसी भी सदस्य द्वारा उस स्टोर रूम में कभी भी कोई नकदी नहीं रखी गई थी। यह नकदी हमारे द्वारा रखी जाने की बात बेतुका है। कोई व्यक्ति स्टाफ क्वार्टर के पास एक खुले, आसानी से सुलभ और आमतौर पर इस्तेमाल किए जाने वाले स्टोर रूम में नकदी रखेगा, अविश्वसनीय लगता है। यशवंत वर्मा ने कहा, यह एक ऐसा कमरा है जो मेरे रहने के क्षेत्र से पूरी तरह से अलग है और एक चारदीवारी मेरे रहने के क्षेत्र को उस आउटहाउस से अलग करती है। मैं केवल यही चाहता हूं कि मीडिया ने मुझ पर अभियोग लगाने और प्रेस में बदनाम होने से पहले कुछ जांच की होती।

सभी राज्यों में...

तो उनकी भावनाओं का सम्मान करते हुए उन्हें दूसरी जगह भेजा जाएगा।

सीएम नायडू ने यह भी ऐलान किया कि तिरुपति में 35 एकड़ जमीन पर होटल बनाने का फैसला रद्द कर दिया गया है। यह जमीन तत्कालीन वाईएसआर कांग्रेस सरकार ने देवलोक, एमआरकेआर और मुमताज बिल्डर्स को दी थी। सीएम नायडू ने कहा कि यह कदम मंदिर की पवित्रता बचाने के लिए उठाया गया। मंदिर नगरी में लग्जरी होटलों के खिलाफ श्रद्धालुओं ने सख्त विरोध जताया था। सीएम नायडू ने यह भी कहा कि राज्य के कई गांवों में लोग अपने यहां वेंकटेश्वर मंदिर चाहते हैं। इसके लिए एक ट्रस्ट बनाया जाएगा, जो फंड जुटाएगा। नायडू ने कहा, एनटी रामाराव के समय अन्न दानम शुरू हुआ था, अब प्राण दानम शुरू किया गया है। तीसरे कदम के तौर पर मंदिर बनाएंगे।

जनता नहीं, नेता...

इसलिए हम जाति, संप्रदाय, धर्म, भाषा या लिंग के आधार पर किसी के साथ भेदभाव नहीं करेंगे। गडकरी ने याद किया था कि कैसे कई लोग अपनी जातिगत पहचान के आधार पर उनसे संपर्क करते थे, लेकिन वह अपने सिद्धांतों पर अडिग रहे। मैं राजनीति में हूं और यहां यह सब चलता रहता है, लेकिन मैं इससे इनकार करता हूं, भले ही इससे मुझे वोट मिले या न मिले। मैं अपने हिसाब से चलता हूं।

चीन के चार उत्पादों...

इसका इस्तेमाल इलेक्ट्रिक वाहनों, चार्जर और टेलीकॉम डिवाइस में होता है। वैक्यूम इंसुलेटिड फ्लास्क पर प्रति टन 1732 डॉलर का शुल्क लगाया गया है। वाणिज्य मंत्रालय के डीजीटीआर विभाग ने भी इन उत्पादों पर शुल्क लगाने का सुझाव दिया था। चीन से सस्ते उत्पादों के आयात से घरेलू उद्योगों को नुकसान हो रहा था। ऐसी स्थिति में घरेलू उद्योगों को बचाने के लिए ही विदेशों से आने वाले सस्ते उत्पादों पर एंटी डंपिंग शुल्क लगाया जाता है। यह विश्व व्यापार संगठन की व्यवस्था के तहत ही है।

जजों ने कहा...

और इसे और आगे बढ़ाने की जरूरत है। केंद्र सरकार मणिपुर राज्य में जल्द ही शांति बहाल करने के लिए प्रतिबद्ध है। मेघवाल ने कहा, मैं मणिपुर में चल रही शांति प्रक्रिया में तेजी के लिए प्रार्थना करता हूं ताकि राज्य प्रगति कर सके और विकसित भारत में योगदान दे सके। कार्यक्रम में मणिपुर के राज्यपाल अजय कुमार भल्ला, सुप्रीम कोर्ट और मणिपुर हाईकोर्ट के न्यायाधीश भी मौजूद रहे।

गौरतलब है कि मणिपुर में इम्फाल घाटी के मेइतेई समुदाय और पहाड़ी इलाकों में रहने वाले कुकी-जो समुदाय के बीच 2023 में जातीय संघर्ष भड़क उठा था।

हिंसा का मुख्य कारण मणिपुर उच्च न्यायालय का वह आदेश था, जिसमें मैतेई समुदाय को आदिवासी श्रेणी में शामिल करने की बात कही गई थी। इससे मेइतेई समुदाय को आरक्षित वर्ग के फायदे जैसे सरकारी नौकरियों और योजनाओं का लाभ मिल सकता था, लेकिन कुकी-जो समुदाय इस फैसले से असहमत थे और उनका मानना था कि इससे उनके अधिकारों पर खतरा आ सकता है।

मई 2023 में इस विवाद ने हिंसक संघर्ष का रूप ले लिया, जिसमें अब तक 250 से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं और हजारों लोग अपने घरों से विस्थापित हो गए हैं।

सोमवार को राशि अनुसार करें इन मंत्रों का जाप, मानसिक तनाव से मिलेगी मुक्ति

सनातन धर्म में सोमवार का दिन भगवान शिव को समर्पित है। इस दिन देवों के देव महादेव और मां पार्वती की पूजा की जाती है। सोमवार के दिन भगवान शिव की पूजा करने से साधक की हर मनोकामना पूरी होती है। साथ ही जीवन में सुखों का आगमन होता है। साधक श्रद्धा भाव से सोमवार के दिन व्रत रख भगवान शिव और मां पार्वती की पूजा करते हैं। ज्योतिषियों की मानें तो सोमवार के दिन महादेव की पूजा करने से कुंडली में चंद्रमा मजबूत होता है। चंद्रमा बली होने से साधक को मानसिक तनाव से मुक्ति मिलती है। अगर आप भी मानसिक तनाव से निजात पाना चाहते हैं, तो सोमवार के दिन विधिवत भगवान शिव की पूजा करें। साथ ही पूजा के समय राशि अनुसार इन मंत्रों का जप करें।

राशि अनुसार मंत्र जप

मेष राशि के जातक सोमवार के दिन पूजा के समय 'ॐ निर्विकाराय नमः' मंत्र का जप करें।

वृषभ राशि के जातक भगवान शिव की कृपा पाने के लिए 'ॐ निराहाराय नमः' मंत्र का जप करें।

मिथुन राशि के जातक चंद्र देव को प्रसन्न करने के लिए 'ॐ भद्राय नमः' मंत्र का जप करें।

कर्क राशि के जातक भगवान शिव की कृपा पाने के लिए 'ॐ मुक्तिदाय नमः' मंत्र का जप करें।

सिंह राशि के जातक चंद्र देव को प्रसन्न करने के लिए 'ॐ जयफलप्रदाय नमः' मंत्र का जप करें।

कन्या राशि के जातक सफलता पाने के लिए बुधवार को 'ॐ अमर्त्याय नमः' मंत्र का जप करें।

तुला राशि के जातक सोमवार के दिन पूजा के समय 'ॐ पुष्टिमते नमः' मंत्र का जप करें।

वृश्चिक राशि के जातक भगवान शिव की कृपा पाने के लिए 'ॐ दुष्टदूराय नमः' मंत्र का जप करें।

धनु राशि के जातक चंद्र देव को प्रसन्न करने के लिए 'ॐ गुणप्रियाय नमः' मंत्र का जप करें।

मकर राशि के जातक मनचाहा वरदान पाने के लिए 'ॐ वीराय नमः ' मंत्र का जप करें।

कुंभ राशि के जातक संकट से निजात पाने के लिए 'ॐ चंद्राय नमः' मंत्र का जप करें।

मीन राशि के जातक सोमवार के दिन पूजा के समय 'ॐ श्रीमते नमः' मंत्र का जप करें।

करें ये उपाय

अगर आप मानसिक तनाव से निजात पाना चाहते हैं, तो सोमवार के दिन पूजा के समय गाय के कच्चे दूध से भगवान शिव का अभिषेक करें। वहीं, पूजा समापन के बाद चावल, आटा, मैदा, नमक, दूध, दही आदि चीजों का दान करें। इस उपाय को करने से चंद्र देव जल्द प्रसन्न होते हैं। उनकी कृपा से साधक को मानसिक तनाव से मुक्ति मिलती है।

इस सप्ताह के व्रत-त्यौहार

सनातन धर्म में मार्च के महीने का अधिक महत्व है, क्योंकि इस माह में पापमोचनी एकादशी और चैत्र नवरात्र समेत व्रत एवं पर्व मनाए जाते हैं। चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से हिंदू नववर्ष की शुरुआत होती है।

पापमोचनी एकादशी शुभ मुहूर्त

वैदिक पंचांग के अनुसार, चैत्र माह के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि 25 मार्च को सुबह 05 बजकर 05 मिनट पर शुरू होगी और तिथि का समापन अगले दिन यानी 26 मार्च को देर रात 03 बजकर 45 मिनट पर होगा। इस प्रकार 25 मार्च को पापमोचनी एकादशी व्रत किया जाएगा और 26 मार्च को व्रत का पारण किया जाएगा।

प्रदोष व्रत शुभ मुहूर्त

पंचांग के अनुसार, चैत्र माह के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि की शुरुआत 27 मार्च को देर रात को 01 बजकर 42 मिनट पर होगी और अगले दिन यानी 27 मार्च को रात 11 बजकर 03 मिनट पर होगा। ऐसे में 27 मार्च को प्रदोष व्रत किया जाएगा।

शनि अमावस्या शुभ मुहूर्त

वैदिक पंचांग अनुसार, चैत्र अमावस्या तिथि की शुरुआत 28 मार्च को रात 07 बजकर 55 मिनट पर होगी। वहीं, तिथि का समापन 29 मार्च को शाम 04 बजकर 27 मिनट पर होगा। इस प्रकार 29 मार्च को शनि अमावस्या मनाई जाएगी। इसे शनिश्चरी अमावस्या भी कहा जाता है। इसी दिन साल का पहला सूर्य ग्रहण भी है, लेकिन यह ग्रहण भारत में मान्य नहीं होग। इसके अलावा इसी दिन शनि अपनी चाल में बदलाव कर मीन राशि में गोचर करेंगे।

चैत्र नवरात्र शुभ मुहूर्त

पंचांग के अनुसार, चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि 29 मार्च को शाम 04 बजकर 27 मिनट पर शुरू होगी। वहीं, तिथि का समापन 30 मार्च को दोपहर 12 बजकर 49 मिनट पर होगा। इस प्रकार से चैत्र नवरात्र की शुरुआत 30 मार्च से होगी। ऐसे में चैत्र नवरात्र की शुरुआत 30 मार्च से होगी। इसी दिन हिंदू नववर्ष की शुरुआत होगी।

जीवन में चाहते हैं सभी सुखों की प्राप्ति, तो शिवलिंग पर जरूर चढ़ाएं ये चीजें

सनातन धर्म में प्रदोष व्रत का अधिक महत्व है। इस दिन महादेव के संग मां पार्वती की पूजा-अर्चना करना शुभ माना जाता है। पंचांग के अनुसार, चैत्र माह का पहला प्रदोष व्रत 27 मार्च को किया जाएगा। इस दिन भगवान शिव की पूजा संध्याकाल में करने का विधान है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, विधिपूर्वक प्रदोष व्रत करने से साधक को शुभ फल की प्राप्ति होती है। साथ ही सभी तरह के भय से छुटकारा मिलता है। इसके अलावा दान करने का भी विशेष महत्व है।

अगर आप भगवान शिव को प्रसन्न करना चाहते हैं, तो प्रदोष व्रत के शुभ अवसर पर शिवलिंग का विशेष चीजों के द्वारा अभिषेक करें। साथ ही सुख-शांति की कामना करें। इससे साधक के जीवन में खुशियों का आगमन होगा। साथ ही रुके हुए काम जल्द पूरे होंगे। प्रदोष व्रत के दिन शिवलिंग पर किन चीजों को अर्पित करने से शुभ फल की प्राप्ति होगी?

प्रदोष व्रत 2025 डेट और शुभ मुहूर्त

वैदिक पंचांग के अनुसार, चैत्र माह के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि की शुरुआत 27 मार्च को देर रात को 01 बजकर 42 मिनट होगी। वहीं, तिथि का समापन 27 मार्च को रात 11 बजकर 03 मिनट पर होगा। इस प्रकार 27 मार्च को प्रदोष व्रत किया जाएगा।

शिवलिंग पर अर्पित ये करें चीजें

भगवान शिव को धतूरा प्रिय है। ऐसे में आप प्रदोष व्रत की पूजा के दौरान शिवलिंग पर धतूरा जरूर अर्पित करें। साथ ही जीवन में सुख-शांति की प्राप्ति के लिए कामना करें। ऐसा माना जाता है कि इस उपाय को करने से साधक की पूजा सफल होती है और रुके हुए काम जल्द पूरे होते हैं।

शिवलिंग का अभिषेक करने के बाद चंदन का तिलक लगाएं। दीपक जलाकर आरती करें। मान्यता के अनुसार, प्रदोष व्रत के दिन इस उपाय को करने से घर में सुख-समृद्धि का आगमन होता है। साथ ही महदेव प्रसन्न होते हैं।

जीवन में सभी सुखों की प्राप्ति के लिए शिवलिंग पर इत्र अर्पित करें। ऐसा माना जाता है कि इस उपाय को करने से साधक को जीवन में सफलता प्राप्त होती है। साथ ही धन में वृद्धि होती है। इसके अलावा शिवलिंग पर भांग और बेलपत्र भी अर्पित कर सकते हैं। इससे जीवन में आने वाले सभी संकट दूर होते हैं।

30 को हिंदू नववर्ष

जानें किन राशियों पर पड़ेगा असर?

हिंदू नववर्ष व नए संवत्सर विक्रम संवत 2082 का आगाज चैत्र शुक्ल प्रतिपदा में 30 मार्च को होगा। नए वर्ष की शुरुआत रविवार के दिन होने से संवत के राजा और मंत्री सूर्य होंगे। वहीं अन्न-धन, खनिज व धातु के स्वामी बुध, खाद्य पदार्थों के स्वामी मंगल होंगे।

संवत्सर नाम कालयुक्त होगा और इसका वाहन हाथी रहेगा। नव संवत्सर ज्ञानियों व वैराग्यिों के उत्तम होगा। लोगों का धर्म-आध्यात्म में रूचि बढ़ेगी। बुध के प्रभाव से वर्षा की स्थिति संतोष जनक रहेगी। चौमासी फसलों का स्वामी बुध के होने से गेंहू, धान, गन्ना आदि की उपज में बढ़ोतरी होगी।

मूंग, बाजरा और सरसों की होगी अच्छी उपज

शीतकालीन फसलों का स्वामी चंद्रमा होने से मूंग, बाजरा, सरसों की उपज अच्छी होगी। नए संवत्सर का निवास वैश्य के घर होने से व्यापार में प्रगति होगी। अन्न, भूमि, भवन, शिक्षा, सोना, वाहन, तकीनक के क्षेत्रों में तेजी रहेगी। सूर्य के राजा व मंत्री होने इस वर्ष तापमान सामान्य से ऊपर होने के कारण अत्यधिक गर्मी लोगों को झेलनी पड़ सकती है।

अग्निकांड से धन जन की हानि के आसार हैं। इस वर्ष वृक्षों पर अपेक्षाकृत फल कम आने की संभावना है। चैत्र व वैशाख मास कष्टकारी व आषाढ़ मास में हवा की गति में तेजी आएगी। सावन मास में अनाजों में तेजी, आश्विन मास में समानता व कार्तिक में मंदी का दौर रहेगा। अगहण, पौष, माघ व फाल्गुन में अशांति, शासकीय विरोध झेलने पड़ेंगे।

भारतीय राजनीति पर पड़ेगा असर

इस वर्ष त्वचा व संक्रमण की बीमारियों का प्रकोप के आसार हैं।

सूर्य के विशेष प्रभाव होने के कारण भारतीय राजनीति पर असर पड़ेगा।

विदेशी कूटनीति से लाभ मिलेगा।

देश के कई राज्यों में सत्ता परिवर्तन की संभावना बनेगी।

कई स्थानीय राजनीतिक पार्टियों का विलय होगा।

शुभ संयोग में शुरू होगा नव संवत्सर

मीन लग्न सुबह 06:26 बजे तक रहेगा फिर मेष लग्न का आरंभ होगा। मीन राशि में इस दिन पांच ग्रह के मौजूद होने से पंचग्रहीय योग बनेगा। मीन राशि में सूर्य, बुध, राहु, शनि और शुक्र ग्रह विद्यमान होंगे। केतु कन्या राशि में, देवगुरु बृहस्पति वृष राशि में तथा मंगल मिथुन राशि में रहेंगे।

हिंदू नववर्ष के दिन बन रहे हैं कई दुर्लभ संयोग इन दो राशियों के शुरू होंगे अच्छे दिन

भारतीय संस्कृति में नववर्ष की शुरुआत चैत्र माह के शुक्ल पक्ष प्रतिपदा तिथि से मानी जाती है। वहीं, इस माह की नवमी तिथि पर मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम का अवतरण दिवस मनाया जाता है। वैदिक पंचांग के अनुसार, इस बार हिंदू नववर्ष की शुरुआत 30 मार्च से होगी।

इस संवत के राजा और मंत्री सूर्य देव हैं। इस बार हिंदू नववर्ष की शुरुआत कई दुर्लभ संयोग से होगी, जिसका शुभ प्रभाव राशि के जातकों पर पड़ेगा। 29 मार्च को शनि मीन राशि में गोचर करेंगे। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि शनि करीब ढाई साल में राशि परिवर्तन करते हैं। इसी दिन साल का पहला सूर्य ग्रहण भी है, जो भारत में मान्य नहीं होगा।

ज्योतिष गणना के अनुसार, इस संवत में सूर्य, चंद्रमा, शनि, बुध और राहु ग्रहों की युति बनने जा रही है। इसके अलावा बुधादित्य और राजयोग का भी निर्माण हो रहा है, जिसका शुभ असर राशि के जातकों पर पड़ेगा। कई दुर्लभ संयोग से मकर और मिथुन राशि के जातकों की किस्मत चमक सकती है और शुभ परिणाम मिलेंगे।

वैदिक पंचांग के अनुसार, चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि 30 मार्च को है। इसी दिन से हिंदू नववर्ष और चैत्र नवरात्र की शुरुआत होगी और अगले महीने यानी 07 अप्रैल को होगा।

मिथुन- इसके अलावा मिथुन राशि के जातकों को शुभ परिणाम मिलेंगे। लंबे समय से जॉब सर्च कर रहे लोगों को सफलता मिलेगी। इसके अलावा समाज में मान-सम्मान प्राप्त होगा। बिजनेस में लाभ मिलेगा। कर्ज की समस्या से छुटकारा मिलेगा। साथ ही रुके हुए धन की प्राप्ति होगी। वाहन और प्रापर्टी खरीदने के योग बन रहे हैं।

मकर - हिंदू नववर्ष मकर राशि के जातकों को लिए बेहद शुभ रहने वाला है। इस राशि के जातक को जीवन में अधिक तरक्की देखने को मिलेगी। जॉब से जुड़ी समस्या से छुटकारा मिलेगा। साथ ही जॉब में प्रमोशन हो सकता है। इसके अलावा कारोबार में लाभ मिलेगा और नए काम की शुरुआत की प्लानिंग कर सकते हैं। वहीं, 29 मार्च को शनि अपनी चाल में बदलाव करेंगे, जिससे मकर राशि के जातकों को साढ़ेसाती से छुटकारा मिलेगा।

3 मई को गंगा सप्तमी मनाई जाएगी

सनातन धर्म में गंगा सप्तमी का खास महत्व है। यह पर्व हर साल वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की सप्तमी तिथि को मनाया जाता है। इस शुभ अवसर पर बड़ी संख्या में साधक गंगा समेत पवित्र नदियों में स्नान-ध्यान कर परम पुण्यदायिनी मां गंगा की पूजा करते हैं। सनातन शास्त्रों में निहित है कि वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की सप्तमी तिथि पर गंगा स्नान करने से साधक द्वारा जाने-अनजाने में किए गए पाप नष्ट हो जाते हैं। साथ ही आरोग्य जीवन का वरदान मिलता है।

गंगा सप्तमी शुभ मुहूर्त

पंचांग के अनुसार, वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की सप्तमी तिथि 03 मई को सुबह 07 बजकर 51 मिनट पर शुरू होगी और अगले दिन यानी 04 मई को सुबह 04 बजकर 18 मिनट पर समाप्त होगी। सनातन धर्म में उदया तिथि मान होने के चलते 03 मई को गंगा सप्तमी मनाई जाएगी। इस दिन गंगा स्नान हेतु मुहूर्त सुबह 10 बजकर 58 मिनट से लेकर दोपहर 01 बजकर 38 मिनट तक है।

गंगा सप्तमी शुभ योग

वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की सप्तमी तिथि यानी 03 मई को दुर्लभ त्रिपुष्कर योग का संयोग बन रहा है। इसके साथ ही रवि योग और शिववास योग का संयोग बन रहा है। इन योग में गंगा स्नान कर मां गंगा और देवों के देव महादेव की पूजा करने से साधक को पृथ्वी लोक पर स्वर्ग समान सुखों की प्राप्ति होगी। इसके अलावा, पुनर्वसु और पुष्य नक्षत्र का भी संयोग है।

पंचांग– सूर्योदय – सुबह 05:39 मिनट पर

सूर्यास्त – शाम 06 बजकर 58 मिनट पर

चन्द्रोदय– सुबह 10 बजकर 34 मिनट पर

चंद्रास्त– देर रात 12 बजकर 58 मिनट पर

ब्रह्म मुहूर्त – सुबह 04:13 मिनट से 04 :56 मिनट तक

विजय मुहूर्त – दोपहर 02 बजकर 31 मिनट से 03 बजकर 25 मिनट तक

गोधूलि मुहूर्त – शाम 06 बजकर 56 मिनट से 07 बजकर 18 मिनट तक

निशिता मुहूर्त – रात्रि 11 बजकर 56 मिनट से 12 बजकर 34 मिनट तक

गांधारी के इस श्राप से खत्म हो गया था श्रीकृष्ण का वंश इस यदुवंशी ने दोबारा बसाया ब्रजमंडल

भगवान श्रीकृष्ण, प्रभु श्रीहरि के आठवें अवतार माने गए हैं। इनका अवतार द्वापर युग में प्रजा को कंस के अत्याचरों से मुक्ति दिलाने के लिए यदुवंश में हुआ था। आज हम आपको एक ऐसे यदुवंशी के बारे में बताने जा रहे हैं, जिन्होंने ब्रजमंडल की पुन: स्थापना में मुख्य भूमिका निभाई थी।

मिला था ये श्राप

महाभारत में वर्णित कथा के अनुसार, जब महाभारत का भीषण युद्ध समाप्त हुआ, तो इस युद्ध में गांधारी और धृतराष्ट्र सभी 100 पुत्र मारे गए। इसके लिए गांधारी ने भगवान श्रीकृष्ण को दोषी माना, क्योंकि वह जानती थी कि अगर श्रीकृष्ण चाहते, तो इस युद्ध को होने से रोक सकते थे। तब गांधारी ने भगवान श्रीकृष्ण को श्राप दिया कि जिस प्रकार कौरवों के वंश का नाश हुआ है, उसी प्रकार यदुवंश का भी नाश हो जाएगा।

बचा केवल ये यदुवंशी

इस श्राप के परिणाम स्वरूप यादुवंश के सभी लोग आपस में लड़कर मर गए। लेकिन एक ऐसा यदुवंशी था, जो जीवित रहा वह था वज्रनाभ। यह भगवान श्रीकृष्ण के प्रपौत्र थे। वज्रनाभ द्वारका के अंतिम शासक थे। द्वारिका के समुद्र में डूब जाने के बाद अर्जुन की सहायता से वज्रनाभ अन्य लोगों के साथ हस्तिनापुर आ गए।

भगवान श्रीकृष्ण ने की थी ये घोषणा

भगवान श्रीकृष्ण ने स्वयं इन्हें मथुरा का राजा बनाने की घोषणा की थी। वज्रनाभ ने महाराज परीक्षित और महर्षि शांडिल्य के सहयोग से ब्रजमंडल की पुन: स्थापना की थी और कई मंदिरों आदि का निर्माण करवाया। इसलिए वज्रनाभ को ब्रज का पुनः निर्माता भी कहा जाता है। इसका वर्णन विष्णु पुराण के 37वें अध्याय में मिलता है।

त्वमर्जुनेन सहितो द्वारवत्यां तथा जनम।
गृहीत्वा याहि वज्रश्च यदुराजो भविष्यति।।

कैसे भगवान गणेश का वाहन बनें मूसक राज?

भगवान गणेश, जिन्हें विघ्नहर्ता के नाम से भी जाना जाता है। उनकी पूजा बुद्धि, ज्ञान और शुभता के प्रतीक के रूप में होती है। गणेश जी का वाहन एक छोटा सा चूहा है, जिसे मूषक राज के नाम से जाना जाता है। अक्सर लोगों के मन में यह सवाल आता है कि आखिर गणेश जी ने मूषक राज को ही वाहन के रूप क्यों स्वीकार किया।

मूषक राज कैसे बनें बप्पा के वाहन?

गणेश पुराण के अनुसार, मूषक राज पहले क्रौंच नामक का एक गंधर्व था। एक बार उसने ऋषि वामदेव का अपमान किया, जिसके कारण ऋषि ने उसे चूहा बनने का श्राप दिया। चूहा बनने के बाद, क्रौंच ने ऋषि पराशर के आश्रम में उत्पात मचाना शुरू कर दिया। उसने आश्रम में सब कुछ नष्ट कर दिया, जिससे ऋषि और अन्य निवासी बहुत परेशान हुए। ऋषि पराशर ने भगवान गणेश से मदद मांगी। भगवान गणेश ने क्रौंच को सबक सिखाने का फैसला किया। उन्होंने अपना पाश फेंका और क्रौंच को पकड़ लिया।

इसके बाद क्रौंच ने अपनी गलती के लिए भगवान गणेश से माफी मांगी। भगवान गणेश ने उसे माफ कर दिया, लेकिन उन्होंने उसे अपना वाहन बनने के लिए कहा। इसके बाद उसने भगवान गणेश के प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया और उनका वाहन बन गया। तब से मूषक राज भगवान गणेश के साथ हमेशा रहता है।

गणेश पूजा का महत्व

भगवान गणेश को हिंदू धर्म में प्रथम पूज्य माना गया है। किसी भी शुभ काम को शुरू करने से पहले भगवान गणेश की पूजा होती है। भगवान गणेश को शुभता और समृद्धि का प्रतीक भी माना जाता है। उनकी पूजा करने से घर में सुख-शांति और समृद्धि आती है, जो लोग बप्पा की आराधना करते हैं, उनके जीवन की सभी बाधाएं दूर हो जाती हैं और कार्य में सफलता मिलती है। इसके अलावा घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

महेश बाबू ने पहली बार बेटी सितारा के साथ शेयर की स्क्रीन,लोग बोले

बाप-बेटी नहीं भाई बहन लग रहे हैं

तेलुगु सुपरस्टार महेश बाबू और उनकी बेटी सितारा ने पहली बार किसी कपड़ों के ब्रांड के कमर्शियल में स्क्रीन शेयर की। इस मजेदार ऐड में जहां पापा-बेटी की जोड़ी खरीदारी करने जाती है और वापस लौटने पर सितारा उन्हें जेन-जी की भाषा सिखाती है। महेश बाबू लंबे बालों वाले लुक में दिखाई दिए जिसमें वह एसएस राजामौली के डायरेक्शन में बनी रही अपनी आने वाली फिल्म एसएसएमबी 29 में दिखाई देंगे। कपड़ों का यह ऐड महेश बाबू और सितारा के इंस्टाग्राम पेज पर शेयर किया गया। वीडियो में सितारा को महेश बाबू को ड्रिप (फैशन सेंस), वाइब और फैम जैम जैसे क्लासिक जेन-जी शब्द सिखाते हुए देखा जा सकता है।

पिता और बेटी की जोड़ी के लिए कमेंट सेक्शन प्यार से भरा हुआ था। कई यूजर्स ने कहा कि वे पिता और बेटी की तरह नहीं, बल्कि भाई और बहन की तरह दिखते हैं। बता दें कि सितारा इससे पहले म्यूजिक वीडियो और कमर्शियल्स में दिखाई दी थीं लेकिन यह पहली बार है जब उन्होंने पापा के साथ स्क्रीन शेयर की है। इससे पहले, वह महेश बाबू की फिल्म सरकारू वारी पाटा के 'पेनी' म्यूजिक वीडियो का हिस्सा थीं।

वर्कफ्रंट पर देखें तो महेश बाबू ने हाल ही में एसएस राजामौली की एसएसएमबी 29 के ओडिशा शेड्यूल को पूरा किया। ओडिशा के कोरापुट में महेश बाबू, प्रियंका चोपड़ा और पृथ्वीराज सुकुमारन की इस फिल्म का एक बड़ा एक्शन सीक्वेंस शूट किया गया। फिल्म का एक अहम सीन ऑनलाइन लीक हो गया था इसके बाद मेकर्स ने इस तरह के लीक से बचने के लिए कड़े कदम उठाए। एसएसएमबी 29 एक मेगा-बजट फिल्म है। एसएस राजामौली ने अभी तक फिल्म के कलाकारों और क्रू की अनाउंसमेंट नहीं की है।

रोम में छुट्टियां मना रहीं गौरी खान, बताया पसंदीदा शहर

अभिनेता शाहरुख खान की पत्नी और इंटीरियर डिजाइनर गौरी खान रोम में छुट्टियां मना रही गौरी ने रोम को अपना पसंदीदा शहर बताया। गौरी ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें उनके साथ मां सविता और कुछ दोस्त भी नजर आए। वीडियो में इटरनल सिटी के खूबसूरत नजारे भी दिखे।

वीडियो को इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए गौरी खान ने कैप्शन में लिखा, यात्रा, कला, फैशन और व्यक्तिगत अनुभव सभी प्रेरणा के बेहतरीन स्रोत हैं... मेरा पसंदीदा शहर रोम। बता दें, हाल ही में गौरी की बेटी सुहाना खान अपने खास दोस्त अगस्त्य नंदा के साथ एक रेस्टोरेंट में नजर आई थीं। अभिनेत्री डेनिम पैंट के साथ ब्लैक टॉप पहने रेस्टोरेंट से निकलती नजर आई थीं। उन्होंने अपने लुक को स्टाइलिश हैंडबैग, रिस्ट वॉच और खुले बालों के साथ पूरा किया।

कुछ समय पहले सुहाना मुंबई में अगस्त्य के साथ डिनर डेट पर नजर आई थीं। दोनों के साथ अगस्त्य की मां श्वेता बच्चन नंदा भी दिखी थीं। इन तीनों के से बाहर निकलते हुए कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए। क्लिप में अगस्त्य और श्वेता को रेस्टोरेंट से बाहर निकलते और अपनी कार में बैठते हुए दिखाया गया, जबकि सुहाना को अपनी सवारी का इंतज़ार करते हुए देखा गया।

बता दें, सुहाना और अगस्त्य ने जोया अख्तर की 'द आर्चीज' से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। इस प्रोजेक्ट में खुशी कपूर, वेदांग रैना, मिहिर आहूजा, डॉट और युवराज मेंडा मुख्य कलाकार के रूप में नजर आए थे। 2023 में ओटीटी पर रिलीज हुई 'द आर्चीज' 1960 के एनिमेटेड कार्टून 'द आर्ची शो' में दिखाई देने वाले काल्पनिक बैंड द आर्चीज' का रूपांतरण है। सुहाना खान जल्द ही सिद्धार्थ आनंद की फिल्म 'किंग' में पहली बार अपने पिता शाहरुख खान के साथ स्क्रीन शेयर करेंगी। इस बहुप्रतीक्षित फिल्म में अभिषेक बच्चन और अभय वर्मा भी मुख्य भूमिकाओं में होंगे। दूसरी ओर, अगस्त्य श्रीराम राघवन की फिल्म 'इक्कीस' अभिनय करेंगे। वह फिल्म में परमवीर चक्र के सबसे कम उम्र के प्राप्तकर्ता अरुण खेत्रपाल की भूमिका निभाते नजर आएंगे।

कर्ज के लिए ट्रॉफी मिलते ही नीतू सिंह ने आसमान की ओर देखा, पति ऋषि कपूर को किया याद

मशहूर फिल्म निर्माता-निर्देशक सुभाष घई ने सोशल मीडिया पर अभिनेत्री नीतू कपूर की एक तस्वीर शेयर की है, जिसमें वह अपने दिवंगत पति ऋषि कपूर की ओर से ट्रॉफी प्राप्त करती दिखीं।फिल्म निर्माता-निर्देशक सुभाष घई ने इंस्टाग्राम पर मुंबई में चल रहे रेड लॉरी फिल्म फेस्टिवल की एक तस्वीर शेयर की। तस्वीर में नीतू ट्रॉफी पकड़े हुए दिखाई दे रही हैं।

उन्होंने कैप्शन में एक लंबा नोट भी लिखा, रेड लॉरी फिल्म फेस्टिवल में 'कर्ज' की रिलीज के 45 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में ट्रॉफी प्राप्त करते हुए जब नीतू ऋषि कपूर ने अपने पति ऋषि कपूर को भगवान की ओर देखते हुए श्रद्धांजलि दी। यह हम सभी के लिए वास्तव में एक भावनात्मक क्षण था। हमने ऋषि कपूर को एक बेहतरीन अभिनेता और व्यक्ति के रूप में याद किया और उन्हें श्रद्धांजलि दी।

'कर्ज' एक सफल फिल्म है जो पुनर्जन्म पर आधारित है। इस फिल्म का रीमेक साल 2008 में हिंदी में किया गया, जिसमें हिमेश रेशमिया ने मुख्य भूमिका निभाई थी। इससे पहले घई ने एक पोस्ट शेयर कर बताया था कि साल 1980 में रिलीज 'कर्ज' की पटकथा को उन्होंने कैसे लिखा। फिल्म से जुड़े एक सीन का जिक्र करते हुए उन्होंने बताया कि एक सीन के इर्द-गिर्द उन्होंने फिल्म की पटकथा लिख डाली थी।

'कर्ज' से जुड़े एक सीन की तस्वीर को इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए सुभाष घई ने लिखा, फिल्म 'कर्ज' का निर्माण केवल इस एक सीन की वजह से हुआ। एक ऐसा क्षण जब मां की आत्मा अपने मरे हुए बेटे की आत्मा को पहचान जाती है और उसके बेटे मोंटी को छोड़कर हर कोई हैरान रह जाता है। मैंने इस सीन के इर्द-गिर्द पूरी कहानी की पटकथा लिख डाली थी। कभी नहीं सोचा था कि यह एक कल्ट क्लासिक होगी और 45 साल बाद भी इसकी चर्चा होगी।

एक पोस्ट में सुभाष घई ने बताया था कि उनकी फिल्म निर्माण कंपनी 'मुक्ता आर्ट्स' कलाकारों की नहीं बल्कि उन लेखकों और निर्देशकों की तलाश कर रही है, जो पैन सिनेमा के लिए बेहतरीन काम कर सकें।घई ने बताया कि वह दर्शकों के लिए फिर से कुछ नया और शानदार लेकर आने के लिए तैयार हैं। 'कर्ज' का रेड लॉरी फिल्म फेस्टिवल में प्रीमियर 21 मार्च को सुबह 11 बजकर 30 मिनट पर पीवीआर बीकेसी बांद्रा, मुंबई में हुआ।

सनी देओल-रणदीप हुड्डा स्टारर जाट के ट्रेलर की रिलीज डेट आगे बढ़ी

निर्देशक गोपीचंद मालिनेनी की एक्शन फिल्म 'जाट' के निर्माताओं जानकारी दी है कि शनिवार को लॉन्च होने वाले फिल्म के ट्रेलर को स्थगित किया जा चुका है। निर्माताओं ने बताया कि नई तारीख जल्द जारी की जाएगी। फिल्म का निर्माण कर रहे प्रसिद्ध प्रोडक्शन हाउस मैत्री मूवी मेकर्स ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर लिखा,जाट ट्रेलर की रिलीज कर दी गई है! जल्द ही नई तारीख की घोषणा की जाएगी। जाट 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। वैसाखी विद जाट।

तेलुगू निर्देशक गोपीचंद मालिनेनी के निर्देशन में बनी इस फिल्म में विनीत कुमार सिंह, सैयामी खेर और रेजिना कैसंड्रा जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में हैं। फिल्म का संगीत तेलुगू और तमिल संगीत निर्देशक थमन एस ने तैयार किया है। फिल्म की सिनेमैटोग्राफी ऋषि पंजाबी ने की है और संपादन नवीन नूली ने किया है, जबकि अविनाश कोला ने प्रोडक्शन डिजाइन किया है।

फिल्म में रणदीप हुड्डा खलनायक के किरदार में नजर आएंगे। उन्होंने फिल्म अपने किरदार 'रणतुंगा' में ढलने के लिए वजन बढ़ाने के साथ ही अपनी आवाज के उतार-चढ़ाव पर भी काम किया है। प्रोडक्शन से जुड़े एक करीबी सूत्र ने बताया, खलनायक हो या हीरो का किरदार, रणदीप उसमें डूब जाते हैं और उसे जीवंत करने के लिए खूब मेहनत करते 'जाट' भी इससे अलग नहीं है और अपने खलनायक किरदार रणतुंगा को मजबूत करने के लिए वह पहले दिन से ही जुटे हुए हैं।

उन्होंने बताया, रणदीप हुड्डा ने अपने किरदार के लिए बाल बढ़ाए और अपनी बॉडी पर काम किया ताकि उनका किरदार अधिक खतरनाक दिख सके। यह बार नहीं है जब रणदीप ने ट्रांसफॉर्मेशन किया है। इससे पहले अभिनेता साल 2016 में आई फिल्म 'सरबजीत' और 2024 में रिलीज फिल्म 'स्वतंत्र वीर सावरकर' की भूमिका निभाने के लिए भी अपनी बॉडी में बदलाव किए थे। रणतुंगा के रूप में भी इस बार प्रशंसकों को कुछ नया बेहतरीन मिलेगा। वहीं रणदीप ने बताया था कि उन्होंने इससे पहले भी नेगेटिव रोल किए हैं, लेकिन रणतुंगा का किरदार बहुत खतरनाक है। रणदीप ने कहा, रणतुंगा मेरी किसी भी नकारात्मक भूमिका से ज्यादा खतरनाक है। वह हिंसक, विक्षिप्त और चीजों को लेकर बहुत क्रूर है। 'मैत्री मूवी मेकर्स पीपल मीडिया फैक्ट्री ने फिल्म का निर्माण किया है। फिल्म सिनेमाघरों में 10 अप्रैल को हिंदी, तमिल और तेलुगू में रिलीज होगी।

घुटने की चोट से उबरने के दो साल बाद रणदीप हुड्डा ने की घुड़सवारी

अभिनेता रणदीप हुड्डा घुटने की चोट से उबरने के दो साल बाद फिर से घुड़सवारी करते नजर आए। 'स्वातंत्र्य वीर सावरकर' के अभिनेता का घुटना फ्रैक्चर हो गया था। रणदीप ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट शेयर कर लिखा, 3 साल पहले मैंने स्वातंत्र्य वीर सावरकर के साथ एक कभी न भूल पाने वाली यात्रा की शुरुआत की थी। फिल्म को रिलीज हुए तीन साल हो चुके हैं। एक ऐसी फिल्म जिसने मुझे तरीकों से बदल दिया, जिनकी मैंने कभी कल्पना भी नहीं की थी। सह-लेखन, निर्देशन, निर्माण से लेकर वीर सावरकर की भूमिका निभाने तक, यह प्यार, जुनून और बलिदान का रूप था। टूटे घुटने के साथ शूटिंग, भावनात्मक उतार-चढ़ाव और वजन घटाने की यात्रा, सभी ने इस अनुभव को आकार जो चीज इसे खास बनाती है।

महिलाओं की अगली पीढ़ी को आगे बढ़ाने के लिए करना चाहिए काम : कृतिका कामरा

बॉलीवुड एक्ट्रेस कृतिका कामरा जल्द ही अपने गृहनगर मध्य प्रदेश जाने वाली हैं, जहां वे उन महिला कारीगरों के साथ समय बिताएंगी, जो महिलाओं को सशक्त बनाने वाली उनकी एक खास का अहम हिस्सा हैं।

उन्होंने यह पहल साल 2024 में शुरू की थी, जो महिलाओं को सशक्त बनाने में मदद करती है। उनका कहना है कि वे हमेशा से अपने माध्यम का इस्तेमाल अगली पीढ़ी की महिलाओं को ऊपर उठाने के लिए करना चाहती थीं।

कृतिका ने कहा, मेरी मध्य प्रदेश से हैं, इसलिए मेरे लिए इस जगह से गहरा और व्यक्तिगत जुड़ाव है। बचपन में उन्होंने मुझे चंदेरी और उसके खूबसूरत लोगों और कपड़ों की कारीगरी से परिचित कराया।

उन्होंने कहा, जब हमने शुरुआत की थी, तो हमारा बड़ा लक्ष्य और कोशिश थी कि राज्य की महिलाओं, इस क्षेत्र की महिलाओं को रोजगार दें, उन्हें सशक्त बनाएं और उनके काम को सामने लाएं। हम लगातार कोशिश कर रहे हैं कि रोजगार बढ़ाएं, इन महिलाओं को अपनी पहचान दें और उन्हें उचित कीमतों का अधिकार दिलाएं, ताकि उनकी जिंदगी बेहतर हो सके।

उन्होंने आगे कहा, एक एक्ट्रेस रूप में मेरा हमेशा से मानना रहा है कि हमें अपनी आवाज का इस्तेमाल महिलाओं की अगली पीढ़ी को ऊपर उठाने के लिए करना चाहिए। हम आगे बढ़ने के साथ-साथ अधिक से अधिक महिलाओं के साथ काम करना जारी रखेंगे और उन्हें सशक्त बनाने में मदद करेंगे।बता दें कृतिका उन प्रतिभाशाली कारीगरों के साथ समय बिताने की योजना बना रही हैं, जो उनका समर्थन कर रहे हैं। कृतिका अवसर प्रदान करने और जमीनी स्तर की प्रतिभाओं के योगदान को पहचानने के महत्व को समझती हैं, खासकर मध्य प्रदेश के चंदेरी में गहरी सांस्कृतिक जड़ें रखने वाले हथकरघा कपड़ा उद्योगों में।कृतिका ने कहा, मध्य प्रदेश मेरे दिल में एक विशेष स्थान रखता है। यह न केवल मेरा गृहनगर है, बल्कि यह वह स्थान भी है, जहां से मैं अपने पारंपरिक परिधानों के लिए प्रेरणा लेती हूं।उन्होंने कहा कि वह हमेशा किसी न किसी तरह से राज्य के लोगों का समर्थन करना चाहती हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज प्रत्येक कार्य मे लाभ की स्थिति दिखेगी , आपकी आय में वृद्धि होगी. किसी अन्य तरीके से भी आर्थिक लाभ होगा. मित्रों के साथ भेंट होगी. सतर्क होकर कार्य करने की आवश्यकता है. आज आपको किसी अपने या किसी अजनबी से कोई ऐसी शिक्षा मिल सकती है, जिसकी आपको जरूरत थी. आप किसी की तरफदारी ना करते हुए सच का साथ देंगे इससे आपके सहकर्मी आपसे बहुत प्रभावित होंगे.रोज सुबह योग और ध्यान का व्यवहार करें।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

अगर आप शिक्षण से जुड़े हुए सामाजिक कार्य मे रहते हैं तो आज प्रतिष्ठा मे वृद्धि सम्भव हैं रैंक मे उछाल आएगा छात्र शिक्षा क्षेत्र में चमकेंगे और नवीन तरीकों से समस्याओं को सुलझाने की अपनी विशेष प्रतिभा के लिए पहचान हासिल करेंगे. व्यवसाय क्षेत्र में आप प्रशंसा प्राप्त करेंगे और अच्छा उत्थान या पदोन्नति भी प्राप्त कर सकते हैं. आपकी लोकप्रियता बहुत बढ़ जाएगी. आपका पारिवारिक–जीवन आरामदायक और सुखद रहेगा,दाम्पत्यजीवन मे मधुरता बढेगी।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज बहुत समय पश्चात खुशखबरी मिलती हुई दिखेगी। किसी विशेष काम में परिवार वालों का सहयोग मिल सकता है. नौकरी में उन्नति होने के चांस बन रहे हैं. . उच्च शिक्षा के लिए विदेश जाने की इच्छा रखने वालों के सपने साकार हो सकते हैं. आपको लाभ के अवसर प्राप्त होंगे. किसी खास व्यक्ति की राय आपके काम के लिये कारगर होगी. आपका कोई दोस्त आपसे मिलने घर पर आ सकता है. गाय को चनादाल और गुड खिलाए।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज कन्याओं को बेसन के लड्डू खाने को दिजिये । जल्दबाज़ी में फ़ैसले न करें, ताकि ज़िन्दगी में आगे आपको पछताना न पड़े. वैवाहिक जीवन के दृष्टिकोण से देखें तो चीज़ें आपके पक्ष में जाती हुई नजर आ रही हैं. दोस्तों के साथ घूमने जाने की योजना अंतिम समय में निरस्त किए जाने की संभावना है. अपने व्यवहार से अधीनस्थों का दिल जीत लेंगे. घेरलू आज पडोस मे आपसी विवाद के कारण तनाव रहेगा।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज समय आप के पक्ष मे रहेगा शरीर मे उर्जा रहेगी । कार्य क्षेत्र पर वरिष्ठ और सहकर्मियों के साथ आपके संबंध मधुर रहेंगें और आपको अपनी प्रतिभा और प्रयासों के लिए उचित मान्यता प्राप्त होगी. आपका पारिवारिक–जीवन खुशियों से उज्ज्वल रहेगा. आप अच्छे स्वास्थ्य में होंगे. आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा. एक नया व्यवसाय शुरू करने या विवेकपूर्ण निवेश करने के लिए एक बहुत अच्छी अवधि है.आज व्यापार मे नये समझौते होंगे भविष्य सुनहरा होगा ।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज कार्यसिद्धि होगी , भाग्य का पूरा साथ मिलेगा। अगर आपका कार्य शिक्षण संस्थान से जुड़ा है, तो आज लाभ होगा. व्यावसायिक प्रगति के लिए दिन अनुकूल है. आज आप खुद को तरोताजा महसूस करेंगे. सोचे हुए काम पूरे होंगे. आज पुराने दोस्तों से मिलने का मौका मिलेगा. उनके साथ मूवी देखने का प्लान बनायेंगे. किसी बड़ी बिजनेस मिटिंग के लिये आयोजित पार्टी में जायेंगे, नये कारोबारीयों से मुलाकात होगी इससे फायदा होगा.

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आपका महनत का फल मिलेगा परिश्रम सफल होगा । आप अपना धैर्य बनाये रखें. आप सबके साथ एक अच्छे तरीके से कार्य कर पाएंगे. रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे. व्यवसाय से संतुष्टि रहेगी. नौकरी में प्रमोशन मिल सकता है. उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे. अपने सहकर्मियों से मतभेद संभव है. विरोधी नुकसान पंहुचा सकते हैं. विदेश जाने के योग बन रहे हैं.अगर आपके रिश्तोमे मे खटास हैं तो बातचीत से सुलझाना चाहिए मनमुटाव दूर होगा

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज मिलाझुला दिन रहेगा लेकिन वे आपके पक्ष में रहेंगे.बेकार की गतिविधियों में अपना समय और ऊर्जा बर्बाद न करें. अपने निर्णयों पर उचित ध्यान दें. यदि आप कोई निवेश करना चाहते हैं, तो विशेषज्ञ से मार्गदर्शन लेना उचित रहेगा. आप अपने दोस्तों की मदद से समस्याओं का हल निकाल सकते हैं. जिस व्यक्ति से आप प्यार करते हैं, पारिवारिक जीवन सामंजस्यपूर्ण रहेगा । हल्काफुलका भोजन करें स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज पडोस मे कोई उत्सव रहेगा आपका दिन उत्तम रहेगा. रिश्तेदारों का घर पर आना–जाना लगा रहेगा. किसी बुजुर्ग की मदद करने से आर्थिक स्थिति में सुधार आएगा. आप सेहतमंद रहेंगे. रिश्तों में मिठास बनी रहेगी. किसी से संपर्क करने के लिए दिन अच्छा है. रुके हुए पैसों को पाने के लिए कोई नया प्लान दिमाग में आयेगा. कार्यक्षेत्र में आज आपको काम के लिये वाहवाही मिलेगी. नंदी भगवान को केले का फल खिलाए ।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज समय कुछ खास नहीं हैं आप जितनी मेहनत करोगे उतना ही आपको फायदा हो सकता है. अगर आपके पास हालात से उबरने के लिए दृढ़ इच्छा–शक्ति है, तो कुछ भी असंभव नहीं है. आपके मन में भविष्य को लेकर चिंता हो सकती है. दुश्मन आपको परेशान करने की कोशिश कर सकते हैं. नौकरी में बदलाव के भी योग बन रहे हैं बटुक बालक को गुड की मिठाई खिलाए घर मे सुबह धूप जलाएं ।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज आप लोगों के लिए एक आदर्श व्यक्ति के रुप मे दिखेंगे आप की लोकप्रियता बढेगी आपके दुश्मन आपका कुछ नहीं बिगाड़ पाएंगे. व्यावसायिक क्षेत्र में आप की स्थिति बढेगी . सामाजिक लोकप्रियता के चलते आप आकर्षण का केंद्र बनेंगे. आर्थिक पक्ष यथावत रहेगा. आपका पारिवारिक–जीवन शांतिपूर्ण और खुशहाल रहेगा. आज परिवार मे दाम्पत्यजीवन मे और बच्चों मे आपसी स्नेह रहेगा ।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज आप अपने तरीकों से कारोबार मे नयें समझौते करेंगे आप कार्यक्षेत्र बढेगा साझेदारी का काम भी फलदायी होगा . आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा. आज जिस काम से यात्रा करेंगे, उसमें कामयाबी मिल सकती है. जीवनसाथी से सहयोग मिल सकता है. राजनीति के क्षेत्र में सफलता मिल सकती है. आज आपको खुद को साबित करने के कई मौके मिलेंगे. आपके आत्मविश्वास में बढ़ोतरी होगी. सोचे हुए कार्यों की गति मजबूत रहेगी. अधिकारी वर्ग आपके काम से प्रसन्न होंगे. छोटे बच्चों को निराश नही करना चाहिए कुछ उपहार देना होगा आप के कार्य सिद्ध होंगे सफलता चरम पर होगी।

सोमवार का पंचांग

दिनांक : 24 मार्च 2025 , सोमवार
विक्रम संवत : 2081
मास : चैत्र , कृष्ण पक्ष
तिथि : दशमी रात्रि 05:08 तक
नक्षत्र : उत्तराषाढा रात्रि 04:28 तक
योग : परिघ सायं 04:43 तक
करण : वणिज सायं 05:31 तक
चन्द्रराशि : धनु प्रातः 10:25 तक
सूर्योदय : 06:17 , सूर्यास्त 06:27 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:21 , सूर्यास्त 06:30 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:13 , सूर्यास्त 06:23 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:08 , सूर्यास्त 06:19 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
अमृत : 06:00 से 07:30
शुभ : 09:00 से 10:30
चल : 01:30 से 03:00
लाभ : 03:00 से 04:30
अमृत : 04:30 से 06:00
राहुकाल : प्रातः 07:30 से 09:00
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : दही धनिया खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष :– भद्रा सायं 05:28 से रात्रि 05:06 तक , खरमास चालू है।

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

राजस्थान दिवस समारोह का आगाज कल से

भजनलाल शर्मा देंगे प्रदेशवासियों को सौगातें

जयपुर,23 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान दिवस (चैत्र शुक्ल प्रतिपदा, 30 मार्च) के उपलक्ष्य में राज्य सरकार वृहद् स्तर पर कार्यक्रम आयोजित करने जा रही है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के मंशानुरूप 25 से 31 मार्च तक प्रदेशभर में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों के माध्यम से प्रदेश के गरीब, युवा, महिला और किसानों को विशेष सौगातें दी जाएगी। इसके साथ ही निवेश उत्सव, सुशासन समारोह एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित होंगे।

25 से 31 मार्च तक होंगे विभिन्न कार्यक्रम राजस्थान दिवस समारोह का आगाज 25 मार्च को मरूधरा बाड़मेर से मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की उपस्थिति में आयोजित मातृवन्दन को समर्पित 'महिला सम्मेलन' से होगा। वहीं 26 मार्च को 'किसान सम्मेलन एवं एफ.पी.ओ. कार्यक्रम' के मुख्य समारोह का आयोजन बीकानेर में तथा 27 मार्च को 'गरीब एवं अन्त्योदय' का मुख्य कार्यक्रम भरतपुर में आयोजित किया जाएगा। इसी तरह 28 मार्च को 'सुशासन समारोह' का आयोजन भीलवाड़ा में एवं 29 मार्च को 'युवा एवं रोजगार उत्सव' का आयोजन कोटा में होगा। राज्य स्तरीय 'सांस्कृतिक कार्यक्रम' 30 मार्च (चैत्र शुक्ल प्रतिपदा) को एवं राज्य स्तरीय 'निवेश उत्सव' 31 मार्च को जयपुर में आयोजित किया जाएगा।

प्रदेशवासियों को मिलेगी विशेष सौगातेंइस अवसर पर आयोजित होने वाले महिला सम्मेलन के माध्यम से लाड़ो प्रोत्साहन योजना की लाभार्थियों

एवं विभिन्न महिला समूहों को सीआईएफ राशि का हस्तान्तरण किया जाएगा। साथ ही, प्रदेश की महिलाओं को इंडक्शन कुकटाप, कालीबाई भील योजना के अन्तर्गत स्कूटी वितरण एवं विवेकानन्द स्कॉलरशिप योजना के लाभान्वितों को स्वीकृति पत्र का वितरण सहित कई सौगातें दी जाएगी। इसी तरह किसान सम्मेलन के तहत किसानों को विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत अनुदान हस्तान्तरण के माध्यम से लाभान्वित किया जाएगा।गरीब और अन्त्योदय समारोह के अंतर्गत निर्माण श्रमिकों को डीबीटी, डेयरी बूथ अलॉटमेंट, स्वामित्व योजना के तहत पट्टा वितरण एवं विद्युत चालित चाक का वितरण सहित विभिन्न सौगातें दी जाएगी। इसके अतिरिक्त दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण भी वितरित किए जाएंगे। वहीं सुशासन समारोह के तहत प्रदेश की जनता को विभिन्न कार्यों के शिलान्यास एवं लोकार्पण की भी सौगात दी जाएगी।इसी तरह युवा एवं रोजगार उत्सव के अंतर्गत विशेष रूप से सरकारी नौकरियों के नियुक्ति पत्र प्रदान किए जाएंगे। इसके साथ ही, बजट घोषणाओं की अनुपालना में राज्य सरकार कौशल नीति एवं युवा नीति भी जारी करेगी। साथ ही, विश्वकर्मा युवा उद्यमी प्रोत्साहन योजना, मुख्यमंत्री शिक्षित राजस्थान अभियान भी शुरू किए जाएंगे।

राजस्थान दिवस के दिन 30 मार्च को जयपुर में राज्य स्तरीय सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इसी तरह निवेश उत्सव के तहत 31 मार्च को राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन–वेस्टमेंट समिट में हस्ताक्षरित निवेश एमओयू की ग्राउंड ब्रेकिंग एवं निवेश प्रस्तावों की मॉनिटरिंग के लिए मोबाइल एप का शुभारंभ किया जाएगा। साथ ही, निवेशकों को भू–आवंटन पत्र प्रदान किए जाएंगे।

मुख्यमंत्री ने पूर्व केन्द्रीय मंत्री डॉ. देबेंद्र प्रधान को श्रद्धांजलि अर्पित की

ओडिशा/जयपुर,23 मार्च (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को ओडिशा के तालचेर में केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के निज आवास पहुंचकर उनके पिता एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री स्व. डॉ. देबेंद्र प्रधान को श्रद्धांजलि अर्पित की।

शर्मा ने डॉ. देबेंद्र प्रधान के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए शोक संतप्त परिजनों को सांत्वना दी। मुख्यमंत्री ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए और परिजनों को यह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करने के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। इस दौरान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी तथा उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा मौजूद रहे।

यूडी टैक्स संग्रहण में 10 गुना वृद्धि, बेढम ने याशी कंसल्टिंग को किया सम्मानित

भरतपुर,23 मार्च (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के डिजिटल इंडिया और पारदर्शिता के विजन को साकार करने की दिशा में राजस्थान के मुख्यमंत्री नगर (भरतपुर) ने एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। शहरी विकास (यूडी) टैक्स संग्रहण में याशी कंसल्टिंग के सहयोग से 10 गुना की वृद्धि दर्ज की गई है।राजस्थान सरकार के गृह एवं गोपालन मंत्री जवाहर सिंह बेढम ने इस उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए याशी कंसल्टिंग को सम्मानित किया। यह सफलता याशी की प्रोजेक्ट मैनेजर अदिति आंचलिया की कड़ी मेहनत और जिला कलेक्टर आईएएस अमित यादव व नगर निगम आयुक्त श्रवण विश्नोई के कुशल नेतृत्व के बिना संभव नहीं थी।

सम्मान समारोह में गृह मंत्री जवाहर सिंह बेढम ने कहा,भरतपुर ने जो मिसाल पेश की है, वह पूरे प्रदेश के लिए एक मॉडल बनेगी। यह पहल 15वें वित्त आयोग की अनिवार्य शर्तों को भी पूरा करती है और अब इसे अन्य नगर निगमों में भी लागू करने पर विचार किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री शर्मा के निर्देश पर आरसीडीएफ की बड़ी पहल

राज्यभर में सरस डेयरियां करेंगी घी–दूध की निःशुल्क जांच

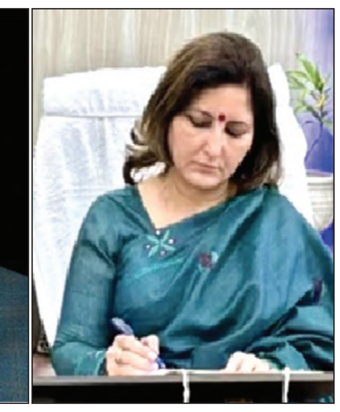

जयपुर,23 मार्च (एजेंसियां)। अब आप अपने घर में उपयोग में लाये जा रहे घी–दूध की निःशुल्क जांच करा सकते हैं। घी–दूध खुला हो या पैक्ड और चाहे किसी भी ब्राण्ड का हो आपको बस 50 एमएल कच्चे दूध या घी का सैम्पल अपने नजदीकी जिला दुग्ध संघ की लेबोरेट्री में लेकर जाना है जहा अत्याधुनिक मशीनों से निःशुल्क जांच कर आपको घर बैठे जांच परिणाम से अवगत कराया जावेगा।

खाद्य पदार्थों और दूध एवं दूध से बने उत्पादों में मिलावट को जड़ से समाप्त करने और आमजन को शुद्व एवं पौष्टिक दूध एवं दूध से बने उत्पाद की उपलब्धता सुनिश्चित करने की मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की प्रतिबद्वता के चलते राजस्थान को–ऑपरेटिव डेयरी फैडरेशन ने पहली बार एक साथ राज्यभर की सभी सरस डेयरियों में घी–दूध की निःशुल्क जांच की सुविधा उपलब्ध कराये जाने का निर्णय लिया है। इससे एक ओर जहा आम उपभोक्ताओं को दूध और दूध बने उत्पादों की गुणवत्ता और स्वास्थ्य के प्रति जागरुकता पैदा होगी वहीं दूसरी ओर मिलावट पर भी प्रभावी रोक लगेगी।

राजस्थान को–ऑपरेटिव डेयरी फैडरेशन की प्रशासक और प्रबन्ध संचालक श्रुति भारद्वाज ने बताया कि आम उपभोक्ता अब राज्यभर की सरस डेयरियों में उनके द्वारा उपयोग में लाये जा रहे घी–दूध अथवा दूध से बने अन्य उत्पादों के सैम्पल जांच हेतु किसी भी कार्यदिवस में कार्यालय समय में जमा करा सकते हैं। सम्बद्व जिला दुग्ध संघ की गुणवत्ता नियन्त्रण प्रयोगशाला द्वारा विभिन्न मानकों पर सैम्पल्स की जांच की जायेगी और निर्धारित समयावधि में उपभोक्ताओं को जांच परिणाम से अवगत करायेंगे। जांच प्रकिया के दौरान घी–दूध में उपलब्ध पौषक तत्वों और मिलावटी तत्वों की जाचं की जावेगी। इस प्रकार उपभोक्ता उनके घी–दूध एवं दूध से बने उत्पादों की गुणवत्ता की निःशुल्क जानकारी घर बैठे प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि जिला दुग्ध संघों द्वारा अत्याधुनिक जीसी और एफटीआईआर बेस्ड मशीनों का उपयोग किया जावेगा जो कि घी–दूध में 35 तरह की मिलावट का पता लगा सकती हैं। जयपुर, अजमेर और भीलवाड़ा जैसी बड़ी डेयरियों में घी की जांच जीसी (गैस क्रोमेटोग्राफी) इंस्ट्रूमेंट पर की जायेगी। वहीं दूसरी डेयरियों में कैमिकल टैस्ट के आधार पर घी की जांच होगी। उन्होंने बताया कि उपभोक्ता आरसीडीएफ से सम्बद्व 24 जिला दुग्ध संघों की गुणवत्ता नियन्त्रण प्रयोगशाला और जयपुर के जवाहर लाल नेहरु मार्ग स्थित सरस की केन्द्रीय गुण नियन्त्रण प्रयोगशाला में घी–दूध की जाचं हेतु किसी भी कार्यदिवस में प्रातः 9.30 बजे से 6.00 बजे तक सम्पर्क कर सकते हैं।

श्रुति भारद्वाज ने बताया कि राजस्थान को–ऑपरेटिव डेयरी फैडरेशन एवं इससे सम्बद्व जिला दुग्ध संघ आम उपभोक्ताओं को शुद्व, पौष्टिक एवं उच्च गुणवत्तायुक्त दूध एवं दूध से बने उत्पाद उपलब्ध कराने के लिये प्रतिबद्व है। आरसीडीएफ द्वारा हाल ही में चलाये गये सरस अमृतम अभियान और दूध का दूध पानी का पानी अभियान को आशातीत सफलता मिली है। सरस अमृतम अभियान के अन्तर्गत राज्यभर में कुल 4491 औचक निरीक्षण किये गये और इस दौरान कुल 7943 सैम्पल्स लिये गये। इसी प्रकार 10 जनवरी से 30 जनवरी तक चले दूध का दूध पानी का पानी अभियान के अन्तर्गत 10 हजार से अधिक सैम्पल्स लिये गये। अभियान में खुले दूध अथवा अन्य ब्राण्डस के 48 प्रतिशत के लगभग सैम्पल्स सब स्टेण्डर्ड पाये गये परन्तु सरस डेयरी के 100 प्रतिशत सैम्पल्स निर्धारित मानकों पर खरे उतरे। सब स्टेण्डर्ड दूध के सैम्पल्स की जांच रिपोर्ट भेजकर खाद्य सुरक्षा विभाग को दूध और दूध से बने उत्पादों में मिलावट को रोकने के लिये विभाग के स्तर पर प्रभावी कार्यवाही करने का आग्रह किया है।

चंडीगढ़ ग्रेनेड अटैक केस में एनआईए ने फाइल की चार्जशीट

रिंदा, हैप्पी समेत 4 बब्बर खालसा आतंकवादियों के नाम शामिल

चंडीगढ़/नई दिल्ली,23 मार्च (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने 2024 चंडीगढ़ ग्रेनेड हमले के मामले में आतंकवादी संगठन बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) के चार सदस्यों के खिलाफ चार्जशीट दायर की है। चार्जशीट में पाकिस्तान स्थित नामित आतंकवादी हरविंदर सिंह संधू उर्फ रिंदा और अमेरिका स्थित हरप्रीत सिंह उर्फ हैप्पी पासिया के भी नाम हैं। एनआईए ने बताया है कि दोनों आतंकवादी हमले के मुख्य संचालक और साजिशकर्ता थे। उन्होंने चंडीगढ़ में स्थानीय गुर्गों को ग्रेनेड हमले को अंजाम देने के लिए रसद सहायता, आतंकवादी फंड, हथियार और गोला–बारूद मुहैया कराया था। सितंबर 2024 में हुआ यह हमला पंजाब पुलिस के एक रिटायर्ड अधिकारी को निशाना बनाने के लिए किया गया था। इसके बारे में हमलावरों का मानना था कि वह उस घर में रहता था।

जांच से पता चला कि रिंदा ने हैप्पी पासिया के साथ मिलकर ग्रेनेड हमले के जरिए कानून प्रवर्तन अधिकारियों और आम जनता में दहशत फैलाने की साजिश रची थी। यह बीकेआई के आतंकवादी एजेंडे को बढ़ावा देने का हिस्सा था। उन्होंने रोहन मसीह और विशाल मसीह जैसे स्थानीय गुर्गों को भर्ती किया था और उन्हें हमले को अंजाम देने का जिम्मा सौंपा था। एनआईए की जांच से खुलासा हुआ कि रिंदा और हैप्पी ने अन्य आरोपियों रोहन मसीह और विशाल मसीह को ग्रेनेड फेंकने से पहले लक्ष्य पर दो बार निगरानी रखने का निर्देश दिया था।

हरियाणा की खाप पंचायतों की मांग

अश्लील और गन कल्चर को बढ़ावा देने वाले सभी गानों पर लगे बैन

जींद,23 मार्च (एजेंसियां)। हरियाणा के खाप पंचायतों ने गन कल्चर को महिमामंडित करने वाले गानों पर प्रतिबंध लगाने का स्वागत किया है। उन्होंने सभी कलाकारों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है, जो समाज में नकारात्मकता फैलाते हैं। पुलिस प्रशासन से अनुमति के बिना डी जे इवेंट्स पर भी प्रतिबंध लगाने की मांग की गई है। खाप पंचायतों का कहना है कि आजकल कलाकार गानों में अश्लीलता दिखा रहे हैं। ऐसे कलाकारों पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। उनका कहना है कि कुछ गाने तो ऐसे हैं, जिन्हें परिवार के साथ बैठकर सुना भी नहीं जा सकता। माजरा और कंडेला खाप ने ऐसे कलाकारों की निंदा की है। ये कलाकार अपने गानों में बंदूक संस्कृति और अश्लीलता को बढ़ावा दे रहे हैं।

सरकार ने हाल ही में तीन गानों पर रोक लगाई है। ये गाने मासूम शर्मा के हैं। इनके नाम हैं 'ट्यूशन बदमाश का', 'खटोला–2' और '60 मुकदमे'। इसके अलावा, अंकित बालियान का गाना 'भरी कोर्ट में गोली मारेंगे मेरी जान' और नरेंद्र भगाना का गाना 'भाई तेरा गुंडा साई' भी बैन कर दिए गए हैं। इससे राज्य के कलाकारों में विवाद हो गया है। कलाकार एक–दूसरे पर आरोप लगा रहे हैं कि सरकार ने कुछ कलाकारों के खिलाफ साजिश की है। कंडेला खाप पंचायत के अध्यक्ष ओमप्रकाश कंडेला ने कहा कि सरकार के इस कदम से बच्चों में अच्छी सोच बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि अश्लीलता फैलाने वाले गानों पर रोक लगाना बहुत जरूरी है। उन्होंने यह भी कहा कि जो भी कलाकार समाज में गलत चीजें फैला रहे हैं, उनके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए।

मोहाली मोमो फैक्ट्री में मिला मांस का टुकड़ा कुत्ते का नहीं

मोहाली,23 मार्च (एजेंसियां)। पंजाब के मोहाली में एक मोमो और स्प्रिंग रोल बनाने वाली फैक्ट्री में कुछ दिनों पहले एक मांस का टुकड़ा मिला था। इसको लेकर कई तरह की बातें हो रही थीं। अब पशुपालन विभाग के जानकारों ने एक रिपोर्ट दी है। इस रिपोर्ट से पता चला है कि वो मांस कुत्ते का नहीं, बल्कि बकरी का था। डिप्टी कमिश्नर कोमल मित्तल ने इस बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि किसी ने शिकायत की थी, जिसके बाद फैक्ट्री की जांच की गई। जांच में पता चला कि फैक्ट्री में साफ–सफाई का बिल्कुल ध्यान नहीं रखा जा रहा था।उन्होंने आगे बताया कि खाने–पीने की चीजों और उनमें इस्तेमाल होने वाले सामान के सैंपल लिए गए। एक संदिग्ध मांस का टुकड़ा भी मिला था।

सरकार अगर देसी दारू बनाने की अनुमति दे तो किसानों की आय हो जाएगी तिगुनी

चरखी दादरी,23 मार्च (एजेंसियां)। भिवानी–महेंद्रगढ़ से बीजेपी सांसद धर्मबीर सिंह ने रविवार को मीडिया से बातचीत के दौरान एक बड़ा दावा किया है। बीजेपी सांसद के अनुसार, सरकार अगर देसी दारू बनाने की अनुमति देती है। इसमें किसानों के उत्पादों का इस्तेमाल किया जाएगा, तो इससे उनकी आय तिगुनी बढ़ सकती है। सांसद ने यह भी दावा किया कि इससे नकली शराब पर भी रोक लगेगी और उससे होने वाली मौतों पर अंकुश लगेगा। दरअसल बीजेपी सांसद धर्मबीर सिंह रविवार को चरखी दादरी स्थित बीजेपी कार्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम में पहुंचे थे। यहां उन्होंने नवनियुक्त जिलाध्यक्ष सुनील इंजीनियर को बधाई दी और दादरी विधायक सुनील सांगवान और बाढड़ा विधायक उमेद पातुवास के साथ हवन में आहुति डाली। इसके बाद उन्होंने कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की और पार्टी की आगामी योजनाओं पर चर्चा की।

बहादुरगढ़ एसी ब्लास्ट मामले में आया बड़ा यूटर्न

हरपाल ने ही की थी पत्नी, बेटी और दो बेटों की हत्या

झज्जर,23 मार्च (एजेंसियां)। हरियाणा के झज्जर जिले के बहादुरगढ़ में हुई चार लोगों की मौत के मामले में नया मोड़ आ गया है। पहले इन चारों लोगों की मौत की वजह एसी में ब्लास्ट होना बताया जा रहा था। अब खुलासा हुआ है कि इन चारों की हत्या की गई थी। ये हत्या किसी और ने नहीं हरपाल सिंह ने के थी। हरपाल सिंह ने की अपनी पत्नी, बेटी और 2 बेटों को मौत के घाट उतारा था। उसके घर से बरामद 12 पेज के सुसाइड नोट से इसका खुलासा हुआ है।

हरपाल ने सुसाइड नोट में अपने जीजा और बहन पर लगाए धोखे से जमीन हड़पने का आरोप लगाया है। बताया जा रहा है कि हरपाल सिंह ने ही घर में ब्लास्ट किया था।

इस ब्लास्ट में वो भी घायल हो गया था। उसका पीजीआई में इलाज जल रहा था। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार वो पीजीआई रोहतक से फरार हो गया है। पुलिस ने हरपाल के खिलाफ सिटी थाने में मामला दर्ज कर लिया है। आज 4 बजे डीसीपी करेंगे इस मामले में बड़ा खुलासा करेंगे। बता दें कि कल शाम के समय सेक्टर 9 के मकान नंबर 312 में ब्लास्ट हुआ था। ब्लास्ट के बाद घर में आग लग गई थी।हरिपाल बिजनेसमैन था और वह अपने बच्चों और पत्नी के साथ करीब 7 महीने पहले यहां रहने पहुंचा था। पुलिस ने मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम करव दिया है। इस हादसे के बाद बहादुरगढ़ के डीसीपी मयंक मिश्रा ने कहा था कि यह सिलेंडर विस्फोट नहीं है। यह बेडरूम के अंदर हुआ है। विस्फोट से पूरा घर प्रभावित हुआ है। चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई और एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल है। उसका अस्पताल में इलाज चल रहा है। चारों मृतक परिवार के सदस्य थे। फोरेंसिक टीम अंदर है और विस्फोट के कारणों का पता लगाने की कोशिश कर रही है।

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

सीवान बालिका गृह कांड : 13 बच्चियों की फरारी से मचा हड़कंप, तीन कर्मी पर गिरी गाज

माले का विरोध प्रदर्शन तेज

सीवान (एजेंसियां)। सीवान जिले के जीरादेई प्रखंड के भैंसाखाल स्थित वृहद आश्रय गृह से 13 बालिकाओं के एक साथ दीवार फांदकर भागने की घटना ने पूरे जिले में सनसनी फैला दी है।

इस बड़ी सुरक्षा चूक को लेकर जिला प्रशासन हरकत में आ गया है। इस मामले में कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई करते हुए तीन कर्मियों को तत्काल प्रभाव से हटाने व निलंबित करने का आदेश जारी कर दिया गया है।

घटना की जांच के लिए जिला पदाधिकारी द्वारा गठित संयुक्त जांच दल की रिपोर्ट में स्पष्ट रूप से ड्यूटी पर तैनात प्रभारी केयरटेकर सुनीता देवी और प्रभारी पीओ कुमारी शिवानी जायसवाल को लापरवाही व अनुशासनहीनता का दोषी पाया गया है।

रिपोर्ट के आधार पर दोनों संविदा कर्मियों को कार्यमुक्त कर दिया गया है। साथ ही ड्यूटी पर मौजूद होमगार्ड सिपाही को भी तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। जिला बाल संरक्षण इकाई के सहायक निदेशक ने इस संबंध में संबंधित आदेश भी जारी कर दिए हैं।

घटना के बाद यह सवाल उठना लाजमी है कि कैसे बालिका गृह की लगभग 20 फीट ऊंची दीवार और कंटीले तारों की मौजूदगी के बावजूद 13 बालिकाएं रात के अंधेरे में फरार हो गईं? क्या यह सिर्फ भागने की घटना है या इसके पीछे कोई बड़ा रैकेट, उत्पीड़न अथवा साजिश की बू छिपी है? प्रशासन की सुरक्षा व्यवस्था और निगरानी प्रणाली पर यह घटना गहरे सवाल खड़े करती है।

इस घटना को लेकर भाकपा (माले) ने तीखा विरोध जताया है। पार्टी के जिला सचिव हंसनाथ राम, विधायक अमरजीत कुशवाहा, पूर्व विधायक अमरनाथ यादव सहित पांच सदस्यीय जांच दल बालिका गृह पहुंचा, लेकिन जिला प्रशासन ने उन्हें प्रवेश से रोक दिया। इसके विरोध में नेताओं ने बालिका गृह गेट पर देर रात तक धरना दिया। विधायक तक को प्रवेश न देने की घटना से विपक्ष में आक्रोश और बढ़ गया है।

भाकपा (माले) ने इस घटना को केवल बालिकाओं के भागने की सामान्य घटना न मानते हुए आशंका जताई है कि इसके पीछे किसी प्रकार का उत्पीड़न, यौन शोषण या प्रशासनिक मिलीभगत हो सकती है। पार्टी ने मांग की है कि मामले की उच्च स्तरीय न्यायिक जांच कराई जाए, ताकि सच्चाई सामने आ सके।

घटना के विरोध में भाकपा (माले) के नेतृत्व में एक प्रतिवाद मार्च भी निकाला गया। यह मार्च ललित बस स्टैंड से शुरू होकर बाबुनिया मोड़ होते हुए जेपी चौक पर एक जनसभा में तब्दील हो गया। जनसभा में 13 बालिकाओं की तत्काल बरामदगी, दोषियों की गिरफ्तारी और प्रशासन की जवाबदेही तय करने की मांग उठाई गई।

इस मार्च और जनसभा का नेतृत्व हंसनाथ राम, अमरजीत कुशवाहा, अमरनाथ यादव, सुरेंद्र प्रसाद, जयनाथ यादव, विकास यादव और मंजीता कौर सहित कई प्रमुख नेताओं ने किया। जनसभा में पूर्व जिला परिषद सदस्य सुजीत कुशवाहा, योगिंद्र यादव, प्रिंस पासवान, महफूज आलम, सुनील पासवान, विशाल यादव, मनोज बैठा और कुंती यादव समेत बड़ी संख्या में स्थानीय लोग भी शामिल हुए।

जिला प्रशासन अब बालिकाओं की बरामदगी को सर्वोच्च प्राथमिकता पर रख रहा है। पुलिस और विशेष टीमें सक्रिय हैं और संभावित ठिकानों पर छापामारी जारी है। प्रशासन को उम्मीद है कि जल्द ही सभी बालिकाएं सकुशल बरामद कर ली जाएंगी।

चिराग ने जमीयत उलेमा-ए-हिंद से पूछा-

राजद ने मुसलमानों के लिए क्या किया, यह सवाल क्यों नहीं उठा रहे?

पटना (एजेंसियां)। लोक जनशक्ति पार्ट (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने सोमवार के इफ्तार पार्टी का आयोजन किया है। इसका विरोध जमीयत उलेमा-ए-हिंद (गणक) ने किया तो सियासत गरमा गई। अब चिराग पासवान ने इस मामले पर प्रतिक्रिया दी है। चिराग ने विरोध जताते हुए कहा है कि मेरे दिवंगत पिता और राजनीतिक गुरु राम विलास पासवान ने एक बार बिहार में एक मुसलमान को मुख्यमंत्री बनाने के लिए अपनी पूरी राजनीतिक करियर को जोखिम में डाला था। चिराग ने कहा कि जमीयत उलेमा-ए-हिंद पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि संगठन को अपनी चिंताएं हैं, जिसको लेकर उन्होंने इस तरह का फैसला लिया है। मैं इतना जरूर कहूंगा कि जिन्हें इन्होंने मुसलमान समाज का ठेकेदार बनाना सही समझा है, क्या वे लोग उनके हितों का संरक्षण कर पा रहे हैं?

चिराग पासवान ने पूर्व सीएम लालू प्रसाद यादव की पार्टी पर हमला बोलते हुए कहा कि जो लोग राजद के इफ्तार में जा रहे हैं, उनसे भी तो सवाल-जवाब किए जाने चाहिए। उन्होंने मुस्लिमों के लिए क्या किया है? उन्होंने कहा कि ये लोग लंबे समय तक सत्ता में रहे, क्या मुस्लिमों की स्थिति में सुधार आया? इन लोगों ने क्या किया? हमारे पिता स्वर्गीय रामविलास पासवान ने बिहार में मुस्लिम मुख्यमंत्री बनाने को लेकर अपनी पार्टी तक को समाप्त कर दिया था, उस समय राजद जैसी पार्टियों ने क्या किया था?

चिराग पासवान ने सोमवार को कहा कि मैं मदनी साहब का बहुत सम्मान करता हूं। मैं उनके निर्णय का सम्मान करता हूं। उनके और हमारे परिवार के पुराने संबंध रहे हैं। मैं इतना उनसे जरूर कहूंगा कि मुझे उनका फैसला मेरे सर आंखों पर है। लेकिन, मैं उनसे आग्रह करूंगा कि वे यह सोचें कि क्या हमारे विरोधी जैसे राष्ट्रीय जनता दल, जो मुसलमानों के स्व-घोषित शुभचिंतक हैं, अल्पसंख्यक समुदाय के हितों की रक्षा कर पाए हैं। चिराग ने सवाल पूछा कि आपने जो कहा मेरे सर आंखों पर मेरा कर्तव्य और मेरा समर्थन सामाजिक न्याय के प्रति है। वह खून मेरी रगों में दौड़ता है और उसको आखिरी सांस तक मरते दम तक निभाता रहूंगा। ऐसे में मदनी जी को उन लोगों से भी सवाल पूछना चाहिए, जिन लोगों ने मुसलमानों का हितैषी की बात करते हैं। सबसे ज्यादा उनका अहित हुआ है। बता दें कि जमीयत उलेमा-ए-हिंद प्रमुख अरशद मदनी ने शनिवार को एक पोस्ट में घोषणा की थी कि जमीयत उलेमा-ए-हिंद, नीतीश कुमार, चंद्रबाबू नायडू और चिराग पासवान जैसे स्व-घोषित धर्मनिरपेक्ष नेताओं द्वारा आयोजित इफ्तार, ईद मिलन और अन्य कार्यक्रमों में भाग नहीं लेगी। मदनी ने इन नेताओं पर मुसलमानों के खिलाफ अत्याचारों पर चुप रहने का आरोप लगाया है और कहा कि उनकी दोहरी नीति वक्फ बिल पर उनके अस्पष्ट रुख से स्पष्ट हो गई है।

तेज आंधी और बारिश में गिरी मकान की दीवार, महिला की मौत, दो घायल

सहरसा (एजेंसियां)। सहरसा जिले में शनिवार और रविवार की दरमियानी रात अचानक आई तेज बारिश और आंधी ने भारी तबाही मचाई। सदर थाना क्षेत्र के वार्ड-28 में एक पक्की दीवार गिरने से एक महिला की मौत हो गई, जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा उस समय हुआ जब परिवार के सभी सदस्य रात में सो रहे थे।

जानकारी के मुताबिक, मृतक महिला की पहचान रुखसाना खातून के रूप में हुई है, जिनकी दीवार गिरने से मौके पर ही हालत गंभीर हो गई थी। उन्हें इलाज के लिए सहरसा सदर अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। इस हादसे में रुखसाना के पुत्र मो. इकबाल और पुत्री सहवाना खातून गंभीर रूप से जख्मी हो गए हैं और उनका इलाज सदर अस्पताल में जारी है।

परिजनों ने बताया कि रात करीब तीन बजे तेज आंधी और बारिश शुरू हुई। उसी दौरान घर की एक पक्की दीवार भरभराकर गिर पड़ी, जो सोते समय रुखसाना खातून और उनके बेटे-बेटी पर गिर गई। इस हादसे में तीनों गंभीर रूप से दब गए। शोर सुनकर आसपास के लोग दौड़े और उन्हें बाहर निकाला गया, जिसके बाद सभी को आनन-फानन में सदर अस्पताल लाया गया।

घटना की सूचना मिलते ही सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मृत महिला के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। साथ ही घायलों का बयान दर्ज कर आगे की कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। पुलिस के अनुसार, प्रारंभिक जांच में घटना प्राकृतिक आपदा के कारण बताई जा रही है।

बताया जा रहा है कि आंधी और गरज के साथ बारिश इतनी तेज थी कि इलाके में कई अन्य घरों को भी मामूली नुकसान पहुंचा है।

बिजली आपूर्ति कई घंटों तक बाधित रही, जिससे लोगों को रातभर भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। ग्रामीणों ने बताया कि आंधी की तीव्रता इतनी अधिक थी कि कच्चे घरों में रहने वाले लोग डर के साये में रात बिताने को मजबूर हो गए।

मेरा जन्म उस परिवार में हुआ, जहां बचपन में रामायण पढ़ने का मौका नहीं मिला : जीतन राम मांझी

पटना (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने कहा कि हम एक ऐसे घर में जन्म लिए थे, जहां लोग वास्तु और ज्योतिष में कोई भी विश्वाश नहीं करते थे। हमलोग झाड़, फूंक, ओझा-गुणी सब में विश्वास करते थे। अंधविश्वास काफी हावी हो गया था।

हम वैसे घर में जन्म लिए है, जहां के लोग डाक्टरों के पास नहीं जाते थे। हमलोग इलाज के लिए ओझा गुणी के माध्यम से इलाज कराते थे। उक्त बातें रविवार गया जिले के मानपुर प्रखंड के एक निजी होटल में आयोजित वास्तु एवं ज्योतिष महासम्मेलन को संबोधित करते हुए केन्द्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने कहीं। उन्होंने

कहा कि हम एक ऐसे घर में जन्म लिए थे, जहां लोग वास्तु और ज्योतिष में कोई भी विश्वाश नहीं करते थे। हमलोग झाड़, फूंक, ओझा-गुणी सब में विश्वास करते थे। अंधविश्वास काफी हावी हो गया था। जब हमलोगों की तबीयत खराब होने पर डॉक्टर के यहां नहीं जाते थे। हमलोग ओझा गुणी के पास जाकर इलाज करते थे।

केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने कहा कि हम उस परिवार में जन्म लिए है। जहां बचपन में रामायण पढ़ने का मौका नहीं मिला। लेकिन हम रामलीला छिपकर देखा करते थे। हम किसी के यहां मजदूर थे। डर से हम उनसे बोलकर रामलीला देखने नहीं जा सकते थे। मगर जब सब लोग सो जाते थे, तब हम छिप कर उस गांव में चले जाते थे। जहां रामलीला होता था। हमे रामलीला की एक बात याद है। उसी बात को हम आज तक याद रखे हुए है। रामलीला में कहा गया था कि मनुष्य का जो तन है, वह बहुत भाग्य से मिलता है। उस रामलीला से हमें समझ में बात आई कि हम यहां पर बहुत ही भाग्य से आए है। मनुष्य तन में आए है तो जरूर कोई बड़ा महत्व है। लोग कहते है कि हम नीची धर्म से है, अछूत धर्म में है। वहीं एक दोहा बोलते हुए कहा कि भगवान भी उसी को प्यार करते है, जो भगवान के बनाए हुए वस्तुओं से प्यार करता है।

मालूम हो कि गया जिले में पहली बार अखिल भारतीय ज्योतिष संस्था व एस्ट्रोलॉजिकल पॉइंट के संयुक्त तत्वावधान में महासम्मेलन का आयोजन किया गया। इस सम्मेलन में देश भर के चार सौ से अधिक ज्योतिष, वास्तु एवं वैदिक विधा के मर्मज्ञ जुटें है। सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य है कि आज के इस दौर में तेजी से बढ़ रहे मधुमेह, हृदय रोग और कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों को ज्योतिष और वस्तु द्वारा पहचान एवं कैसे इसका निदान किया जा सकता है। भारत एवं विदेशों से आए हुए विद्वान एवं वक्त ने इन विषय पर अपनी अपनी शोध परक को रखा।

हाईकोर्ट के जज ने किया सुपौल कोर्ट का निरीक्षण

सुपौल (एजेंसियां)। पटना हाईकोर्ट के जज सह निरीक्षी न्यायाधीश राजीव राय ने शनिवार को सुपौल व्यवहार न्यायालय का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने साफ-सफाई को लेकर विशेष ख्याल रखने के निर्देश दिए। वही इजलास पर बैठ कर कई जिरह का भी हिस्सा बने। उन्होंने न्यायालय कर्मियों को केस रिकॉर्ड के साथ ही रजिस्टर भी अपडेट रखने के निर्देश दिए। इसके अलावा व्यवहार न्यायालय से सभागार में अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक भी की। इस दौरान उन्होंने विशेष तौर पर निर्माण कार्य से संबंधित पहलुओं की जानकारी ली। जस्टिस राय ने कोर्ट परिसर में दो सेनेटरी पैड वेंडिंग मशीन दान किए। वही जिला विधिज्ञ संघ के कार्यक्रम में भी शामिल हुए। जहां अधिवक्ताओं ने उनका स्वागत किया। बता दें कि जस्टिस राय तीन दिनों के सुपौल दौरे पर हैं। इससे पहले वह शुक्रवार को सुपौल के वीरपुर में थे। जहां उन्होंने वीरपुर उपकारा का भी निरीक्षण किया।

जस्टिस राय ने शनिवार को सुपौल व्यवहार न्यायालय सभागार में अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। इस दौरान उनका विशेष फोकस न्यायिक भवनों से जुड़े निर्माण कार्य पर रहा। उन्होंने त्रिवेणीगंज में अनुमंडल न्यायालय के भवन के बाबत जानकारी ली। साथ ही सुपौल व्यवहार न्यायालय परिसर में अधिवक्ताओं के लिए स्वीकृत मल्टी लेवल भवन का निर्माण जल्द शुरू कराने का निर्देश दिया। इस दौरान जिलाधिकारी कौशल कुमार ने बताया कि भवन निर्माण से जुड़ी सभी औपचारिकताएं पूरी कर ली गई हैं। जल्द ही निर्माण कार्य शुरू होगा। जस्टिस राय ने कोर्ट परिसर में एक दर्जन अतिरिक्त लाइट की भी आवश्यकता जताई। इसके लिए अधिकारियों को निर्देश दिए। वही अन्य संबंधित बिंदुओं पर भी जरूरी निर्देश दिए गए। बैठक में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अनंत कुमार सिंह, एसपी शैशव यादव सहित अन्य मौजूद थे।

बैठक से पूर्व जस्टिस राय ने अलग-अलग कोर्ट रुम का निरीक्षण किया। इस क्रम में वह इजलास पर भी बैठे। विशेष कोर्ट उत्पाद 01 में उन्होंने नौजवान अधिवक्ता नितेश कुमार सिंह के जिरह को सुना। नितेश एसटी उत्पाद वाद संख्या 586/17 में बचाव पक्ष की ओर से दलील पेश कर रहे थे। बाद में विधिज्ञ संघ के कार्यक्रम के दौरान जस्टिस राय ने नितेश के जिरह को सराहा। साथ ही उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

इधर, विधिज्ञ संघ के कार्यक्रम के दौरान संघ के अध्यक्ष नागेंद्र नारायण ठाकुर ने जस्टिस राय के समक्ष चार मांगें रखी। इस पर उन्होंने त्वरित पहल का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि बैठक में पांच मंजिला अधिवक्ता भवन के निर्माण पर चर्चा हुई है। जल्द ही निर्माण कार्य शुरू हो जाएगा। वही पॉक्सो या उत्पाद के विशेष कोर्ट की तर्ज पर एनडीपीस के विशेष कोर्ट गठन का अधिकार उच्च न्यायालय के पास है। उन्होंने विधिज्ञ संघ की ओर से हाई कोर्ट को एक ज्ञापन देने का अनुरोध किया। वही अधिवक्ताओं की मांग पर उन्होंने कहा कि ईमेल से अनुमंडल कोर्ट से रिकॉर्ड मंगवाना अथवा आदेश भेजना, जिला एवं सत्र न्यायाधीश के अधिकार क्षेत्र में है। इस दिशा में जल्द काम होगा। वही सुरक्षा पास के मुद्दे पर कहा कि यह सुरक्षा की दृष्टि से अनिवार्य किया गया है। सलाह के अनुरूप अब आधार कार्ड भी चेक होगा। हमारा उद्देश्य अधिवक्ताओं या उनके मुवक्किलों को परेशान करना नहीं है। अगर कोई समस्या आती है तो अधिवक्ताओं के सलाह से जिला एवं सत्र न्यायाधीश उसका समाधान निकालेंगे।

शुक्रवार की देर शाम जिला मुख्यालय पहुंचे पटना हाई कोर्ट के जज राजीव राय देर रात व्यवहार न्यायालय पहुंचे। हालांकि कुछ देर कोर्ट परिसर में रुकने के बाद वह रात्रि विश्राम के लिए जिला अतिथि गृह चले गए। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार शनिवार की सुबह 9 बजे उन्हें निरीक्षण के लिए कोर्ट पहुंचना था। हालांकि इससे पहले सुबह करीब 7:30 बजे जिला एवं सत्र न्यायाधीश अनंत कुमार सिंह उनसे मिलने अपनी बाइक से अतिथि गृह पहुंचे। कुछ मिनटों के बाद जस्टिस राय जिला एवं सत्र न्यायाधीश की बाइक पर ही पर सवार होकर व्यवहार न्यायालय पहुंच गए। उस वक्त कोर्ट परिसर में उनके आगमन से पहले की तैयारी चल रही थी। जस्टिस राय ने निरीक्षण के दौरान कुछ स्थानों पर गंदगी को लेकर नाराजगी जताई। साथ ही कर्मियों को नियमित सफाई मेंटेन रखने की सलाह दी।

बिहार में खून की होली अनवरत जारी है, यहां अपराधी ही हुक्मरान हैं : रोहिणी आचार्य

पटना (एजेंसियां)। रोहिणी आचार्य ने कहा कि पूरी दुनिया में इस समय चर्चा का विषय बन गया है कि पूरे बिहार में भय का माहौल है और सर्वत्र हाहाकार है। आम नागरिक से लेकर खास तक कोई भी सुरक्षित नहीं है।

राष्ट्रीय जनता दल (राजद) की नेत्री रोहिणी आचार्य ने बिहार में बढ़ते अपराधों को लेकर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) वाली सरकार पर कड़ा हमला बोला है।

उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक पोस्ट के माध्यम से अपनी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि रंगों की होली तो खत्म हो चुकी है, लेकिन बिहार में खून की होली अनवरत जारी है। रोहिणी ने प्रदेश की अराजक

स्थिति को मुख्यमंत्री के 'होशो-हवास में न होने' से जोड़ा है। उनका कहना है कि वर्तमान बिहार की दुःखद हकीकत यह है कि यहां अपराधी ही हुक्मरान हैं। हत्या, लूट, डकैती और गोलीबारी की घटनाओं से समाचार पत्रों के पन्ने रोज भरे रहते हैं, लेकिन मुख्यमंत्री और सत्ताधारी गठबंधन के नेताओं की बदजुबानी और झूठ बोलने की कला में कोई कमी नहीं आई है।

उन्होंने आगे कहा कि अपराध का तांडव सरकार के सामने है, लेकिन यह सब देख कर भी सरकार नतमस्तक है। रोहिणी आचार्य ने यह भी उल्लेख किया कि पूरी दुनिया में इस समय चर्चा का विषय बन गया है कि पूरे बिहार में भय का माहौल है और सर्वत्र हाहाकार है। आम नागरिक से लेकर खास तक कोई भी सुरक्षित नहीं है।

रोहिणी आचार्य ने कहा कि इसके बावजूद, सरकार में बैठे लोगों की बेशर्मी भरी दलीलें हैं कि यहां कानून का राज है और नागरिकों की सुरक्षा के प्रति सरकार गंभीर है। यह स्थिति बिहार की सुरक्षा और प्रशासनिक व्यवस्था पर गंभीर प्रश्न उठाती है और विपक्ष के लिए यह एक बड़ा मुद्दा बन चुका है।

इंजीनियरिंग की छात्रा ने की आत्महत्या

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)। शिवहर के इंजीनियरिंग कॉलेज की एक छात्रा ने शनिवार रात आत्महत्या कर ली। छात्रा की पहचान मुजफ्फरपुर जिले के कांटी थाना क्षेत्र के तारकेश्वर प्र.शाही की पुत्री आकांक्षा कुमारी के रूप में की गई है। उक्त छात्रा 8वी समेस्टर की इलेक्ट्रिसियन फाईनल इयर की छात्रा थी। घटना पिपराही थाना क्षेत्र के छतौना विशुनपुर की है। घटना के संबंध में पुलिस का कहना है कि उक्त छात्रा गर्ल्स हॉस्टल के तीसरी तल पर रुम नम्बर 317 मे छत के पंखे मे दुपट्टा से लटक गई थी। लगातार घंटों रूम बंद रहने पर सहपाठियों ने आवाज लगाई पर गेट नहीं खुली। खिड़की से झांकने पर लाश लटकी देख वार्डन को जानकारी दी गई। वही कॉलेज प्रशासन ने गेट तोड़ शव को उतारा। छात्रों ने घटना की सूचना स्थानीय पुलिस को दी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। फिर डीएम विवेक रंजन मैत्रेय, एसपी शैलेश कुमार सिन्हा, डीएसपी सुशील कुमार, एसडीओ अविनाश कुणाल सहित कई वरीय अधिकारी मौके पर पहुंच गए।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com